



# भारत का राजपत्र

# The Gazette of India

आधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 15]  
No. 15]

नई दिल्ली, शनिवार, अप्रैल 9, 1977/चैत्र 19, 1899

NEW DELHI, SATURDAY, APRIL 9, 1977/CHAITRA 19, 1899

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके  
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

## भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

## PART II—Section 3—Sub-section (i)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों को छोड़कर)

केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा विधि के अन्तर्गत बनाए और जारी किए गये साधारण नियम

जिनमें साधारण प्रकार के आदेश, उपनियम आदि सम्मिलित हैं

General Statutory Rules (including orders, bye-laws etc., of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories)

### NOTICE

The undermentioned Gazettes of India Extraordinary were published up to the 31st January 1977 :—

Issue No.	No. and Date	Issued by	Subject
1	2	3	4
1. सां० कां० नि० 1 (अ) दिनांक 1 जनवरी, 1977		राजस्व और बैंकिंग विभाग	केन्द्रीय सरकार यह अवधारित करती है कि उक्त अधिनियम की धारा 14 और 15 के प्रयोजनों के लिए निम्नलिखित अनुसूची के स्तम्भ (2) में विनिर्दिष्ट पुनः विदेशी करेंसी से भारतीय करेंसी में या भारतीय करेंसी से विदेशी करेंसी में सम-परिवर्तन के लिए विनियम की वरें दे होंगी जो उसके सामने उसके स्तम्भ (3) में की तत्स्थायी प्रविष्टि में वर्णित हैं।
G.S.R. 1(E) Dated 1st Jan., 1977		Department of Revenue and Banking	Central Govt. hereby determines that, for the purposes of sections 14 and 15 of the said Act, the rate of exchange for conversion of each of the foreign currency specified in column (2) of the Schedule below into Indian currency vice-versa shall be the rate mentioned against it in the corresponding entry in column (3) thereof.
2. सां० कां० नि० 2 (अ) दिनांक 3 जनवरी, 1977		विधि, व्याप और कम्पनी कार्य मंत्रालय	केन्द्रीय सरकार 3 जनवरी 1977, को उस तारीख के रूप में नियत करती है जिसको उक्त अधिनियम की धारा 2 से 5 तक (जिनमें ये दोनों धाराएँ भी सम्मिलित हैं), धारा 7 से 17 तक (जिनमें ये दोनों धाराएँ भी सम्मिलित हैं), धारा 20, 28, 29, 30, 33, 36, 43 से 53 तक (जिनमें ये दोनों धाराएँ भी सम्मिलित हैं) धारा 55, 56, 57 और 59 प्रवृत्त होंगी; 1 फरवरी, 1977 को उस तारीख के रूप में

1	2	3	4
	G.S.R. 2(E) Dated the 3rd Jan., 1977	Ministry of Law, Justice and Company Affairs	<p>में नियत करती है जिसको उक्त अधिनियम की धारा 6, 23 से 26 तक (जिनमें ये दोनों धारयाँ भी सम्मिलित हैं), धारा 37 से 42 तक (जिनमें ये दोनों धारयाँ भी सम्मिलित हैं), धारा 54 और 58 प्रवृत्त होंगी और 1 अप्रैल, 1977 को उस तारीख के रूप में नियत करती है जिसको उक्त अधिनियम की धारा 27 प्रवृत्त होगी।</p> <p>Central Govt. hereby appoints the 3rd day of Jan., 1977, as the date on which Sections 2 to 5 (both inclusive) 7 to 17 (both inclusive) 20, 28, 29, 30, 33, 36, 43 to 53 (both inclusive), to 55, 56, 57 and 59 of the said Act shall come into force.</p> <p>The 1st day of Feb., 1977 as the date on which sections 6, 23 to 26 (both inclusive) 37 to 42 (both inclusive) 54 and 58 of the said Act, shall come into force; and the 1st day of April, 1977 as the date on which section 27 of the said Act, shall come into force.</p>
3.	सा० का० नि० 3(अ) दिनांक 3 जनवरी, 1977	राजस्व और बैंकिंग विभाग	<p>केन्द्रीय सरकार जवन की गई सम्पत्ति के सम्बन्ध में अधोपनिय न्यायाधिकरण का एतद्द्वारा गठन करती है और जम्मू तथा कश्मीर उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त मुख्य न्यायाधीश माननीय न्यायाधीश श्री जानकी नाथ वजीर को उसके अध्यक्ष के रूप में और श्री कैलाश नारायण, निदेशक (प्रकाशन तथा जन-सम्पर्क) तथा बी० बी० बादामी, आय-कर आयुक्त, तमिलनाडु-1 मद्रास को (जो केन्द्रीय सरकार के ऐसे अधिकारी हैं जिनका ओहदा सरकार के संयुक्त सचिव के ओहदे से कम नहीं है) उसके सदस्यों के रूप में नियुक्त करती है।</p> <p>Central Govt. hereby constitutes the appellate Tribunal for forfeited property and appoints hon'ble Shri Justice Janki Nath Vazir, Retired Chief Justice, High Court of Jammu and Kashmir as chairman and Shri Kailash Narain, Director (Publications and Public relations) and Shri V. V. Badami Commissioner of Income-Tax, Tamil Nadu-1, Madras (being officer of the Central Govt. not below the rank of Joint-secy. to the Govt. ) as members thereof.</p>
4.	सा० का० नि० 4(अ) दिनांक 4 जनवरी, 1977 G.S.R. 4(E) Dated the 4th Jan., 1977	स्वास्थ्य और परिवार नियोजन मंत्रालय Ministry of Health and Family Planning	<p>इन नियमों का नाम खाद्य अपमिश्रण निवारण प्रथम संशोधन) नियम 1977 है।</p> <p>These Rules may be called the Prevention of Food Adulteration (First Amendment) Rules, 1977.</p>
5.	सा० का० नि० 5(अ) दिनांक 4 जनवरी, 1977 G.S.R. 5(E) Dated the 4th Jan. 1977	मंत्रिमण्डल सचिवालय Cabinet Secretariat	<p>इन नियमों का नाम अखिल भारतीय सेवा (गृह-भाग भत्ता) नियम, 1977</p> <p>These Rules may be called the All India Services (House-Rent allowance) Rules, 1977.</p>
6.	सा० का० नि० 6(अ) दिनांक 4 जनवरी, 1977	कृषि और सिंचाई मंत्रालय	<p>कृषि और सिंचाई मंत्रालय (खाद्य विभाग) की अधिसूचना सं० सा० का० नि० 827 (असा)/आव० वस्तु/गसा, तारीख 30 सितम्बर, 1976 में शुद्धि।</p>
7.	सा० का० नि० 7(अ) दिनांक 6 जनवरी, 1977	राजस्व और बैंकिंग विभाग	<p>सीमानुलूक टैरिफ अधिनियम 1975 की प्रथम अनुसूची के अध्याय 28 में सम्मिलित मिर्जस अमोनिया को, जब उसका आयात उर्वरकों के निर्माण में उपयोग के लिए किया जाए, पर छूट।</p> <p>Exempting anhydrous Amonia, falling within chapter 28 of the First Schedule to the customs Tariff Act, 1975. When Imported into India for the Manufacture of Fertilizers.</p>
	G.S.R. 7(E) Dated the 6th Jan., 1977	Department of Revenue and Banking	
	सा० का० नि० 8(अ) दिनांक 6 जनवरी, 1977	—तदैव—	<p>सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम 1975 की प्रथम अनुसूची के अध्याय 28 के अन्तर्गत सम्मिलित मिर्जस अमोनिया के जब उसका आयात उर्वरकों के निर्माण में उपयोग के लिए किया जाए, पर छूट।</p>
	G.S.R. 8(E) Dated the 6th Jan., 1977	Do.	<p>Exempting anhydrous Amonia, falling within Chapter 28 of the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975, when Imported into India for the manufacture of Fertilizers.</p>

Issue No.	No. and Date	Issued by	Subject
1	2	3	4
8.	सा० का० नि० 9(अ) दिनांक 7 जनवरी, 1977 G.S.R. 9(E) Dated the 7th Jan., 1977	गृह मंत्रालय Ministry of Home Affairs	केन्द्रीय सरकार, हरियाणा, कृषि श्रृणता अवमुक्ति अधिनियम, 1976 को दिल्ली संघ राज्य क्षेत्र को विस्तारित करती है। Central Govt. hereby Extends to the Union territory of Delhi, the Haryana Relief of Agricultural indebtedness Act, 1976.
9.	सा० का० नि० 10(अ) दिनांक 7 जनवरी, 1977 G.S.R. 10(E) Dated the 7th Jan., 1977	कृषि और सिंचाई मंत्रालय Ministry of Agriculture and Irrigation	केन्द्रीय सरकार एतद्वारा श्री के० नारायणन संयुक्त सचिव, नागरिक पूर्ति तथा मत्कारिता मंत्रालय, नई दिल्ली को श्री के० सुन्दर राजुलू जिन्होंने त्याग-पत्र दे दिया है, के स्थान पर भारतीय खाद्य निगम के निदेशक बोर्ड में एक निदेशक के रूप में नियुक्त करती है और भूतपूर्व खाद्य तथा कृषि मंत्रालय की अधिसूचना सं० सा० का० नि० 37 तारीख 2 जनवरी, 1975 में संशोधन। Central Govt. hereby appoints Shri K. Narayanan Jt. Secy. in the Ministry of Civil Supplies and Co-operation N. Delhi as a Director on the Board of Directors of the Food Corporation of India, Vice Shri K. Sundara Rajulu resign and makes further amendment in the notification in the Late Ministry of Food and Agriculture No. G.S.R. 37 Dated the 2nd Jan., 1975.
10.	सा० का० नि० 11(अ) दिनांक 11 जनवरी, 1977 G.S.R. 11(E) Dated the 11th Jan., 1977	राजस्व और बैंकिंग विभाग Department of Revenue and Banking	सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की प्रथम अनुसूची के अध्याय 15 के अन्तर्गत सम्मिलित मूंगफली तेल को, जब उसका आयात भारत में किया जाए, पर छूट। Exempting Groundnut oil falling within Chapter 15 of the First Schedule to the Customs Tariff Act 1975, when Imported into India.
	सा० का० नि० 12(अ) दिनांक 11 जनवरी, 1977 G.S.R. 12(E) Dated the 11th Jan., 1977	—तद्वैव— Do.	सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम 1975 की प्रथम अनुसूची के अध्याय 15 के अन्तर्गत सम्मिलित मूंगफली तेल को, जब उसका आयात भारत में किया जाए, पर छूट। Exempting Groundnut oil, falling within Chapter 15 of the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 when Imported in to India.
11.	सा० का० नि० 13(अ) दिनांक 12 जनवरी, 1977 G.S.R. 13(E) Dated the 12th Jan., 1977	—तद्वैव— Do.	केन्द्रीय सरकार निदेश देती है कि उक्त अधिनियम की द्वितीय अनुसूची में निम्नलिखित संशोधन किये जाएं। Central Govt. hereby directs that the following further amendment be made in the Second Schedule to the said Act.
	सा० का० नि० 14(अ) दिनांक 12 जनवरी, 1977 G.S.R. 14(E) Dated the 12th Jan., 1977	—तद्वैव— Do.	सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम 1975 की द्वितीय अनुसूची के शीर्ष सं० 22 के अन्तर्गत सम्मिलित इलाइची को उस किस्म को जो वनस्पति जगत में अमोनियम सुबुलेटम के नाम से विख्यात है। जब उसका निर्यात भारत से बाहर किया जाए, पर छूट। Exempting the variety of Cardamom known by the Botanical Name 'Amonium Subuletum' falling under Heading No. 22 of the Second Schedule to the Customs Tariff Act, 1975, when exported out of India.
12.	सा० का० नि० 15(अ) दिनांक 14 जनवरी, 1977 G.S.R. 15(E) Dated the 14th Jan., 1977	विधि, व्याप और कम्पनी कार्य मंत्रालय Ministry of Law, Justice and Company Affairs	केन्द्रीय सरकार सन् 1977 की फरवरी के प्रथम दिन को उस तारीख के रूप में नियत करती है जिसको उक्त अधिनियम के उपबन्ध (सिवाय धारायें 12, 13 और 50 के) प्रवृत्त होंगे और सन् 1977 को मई के प्रथम दिन को उस तारीख के रूप में नियत करती है जिसको उक्त अधिनियम की धारायें 12 और 50 प्रवृत्त होंगी। Central Govt. hereby appoints the 1st day of Feb., 1977 as the Date on which the provisions of the said Act, (except sections 12, 13 and 50) shall come into force and the 1st day of May, 1977 as the date on which sections 12 and 50 of the said Act, shall come into force.

1	2	3	4
13.	सा० का० नि० 16(अ) दिनांक 15 जनवरी, 1977	विदेश मंत्रालय	केन्द्रीय सरकार, 1977 की जनवरी के 15वें दिन को उक्त तारीख के रूप में नियत करती है जिसको उक्त अधिनियम की धारायें 5 और 7 प्रवृत्त होंगी।
	G.S.R. 16(E) Dated the 15th Jan., 1977	Ministry of External Affairs	Central Govt. hereby appoints the 15th day of Jan., 1977 as the date on which sections 5 or 7 of the said Act shall come into force.
	सा० का० नि० 17(अ) दिनांक 15 जनवरी, 1977	—तदर्थ—	केन्द्रीय सरकार यह अधिसूचित करती है कि मारणी के स्तम्भ (2) में विनिर्दिष्ट प्रत्येक समुद्री क्षेत्र में भारत के ऐतिहासिक जल क्षेत्र की सीमायें वे होंगी जो उक्त मारणी के स्तम्भ (3) में तत्स्थानी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट हैं।
	G.S.R. 17(E) Dated the 15th Jan., 1977	Do.	Central Govt. hereby notifies that the limit of the historic waters of India in each of the areas of sea specified in column II of the Table are specified in the corresponding entry in column III of the said Table.
14.	सा० का० नि० 18(अ) दिनांक 17 जनवरी, 1977	स्वास्थ्य और परिवार नियोजन मंत्रालय	इन नियमों का नाम खाद्य अपमिश्रण निवारण (दूसरा संशोधन) नियम, 1977 है।
	G.S.R. 18(E) Dated the 15th Jan., 1977	Ministry of Health and Family Planning	These Rules may be called the prevention of food Adulteration (Second Amendment) Rules, 1977.
15.	सा० का० नि० 19(अ) दिनांक 15 जनवरी, 1977	कृषि और सिंचाई मंत्रालय	इस आदेश का नाम उर्वरक (संचालन नियन्त्रण) संशोधन आदेश, 1977 है।
	G.S.R. 19(E) Dated the 15th Jan., 1977	Ministry of Agriculture and Irrigation	This order may be called the Fertilizer (Movement Control) Amendment Order, 1977.
16.	सा० का० नि० 20(अ) दिनांक 15 जनवरी, 1977	राशस्व और बैंकिंग विभाग	सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की प्रथम अनुसूची की शीर्ष संख्या 90.10 के अन्तर्गत आने वाले फोटो की प्रतियां निकालने वाले स्व-चालित उपकरण (स्वचालित फिल्म प्रोसेसर) को, जब उसका भारत में उसका आयात किया जाए, पर छूट।
	G.S.R. 20(E) Dated the 15th Jan., 1977	Department of Revenue and Banking	Exempting Automatic Film Processor falling under Heading No. 90.10 of the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 when imported into India.
	सा० का० नि० 21(अ) दिनांक 15 जनवरी, 1977	—तदर्थ—	सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम 1975 की प्रथम अनुसूची के शीर्ष सं० 90.10 के अन्तर्गत आने वाले फोटो की प्रतियां निकालने वाले स्वचालित उपकरण (स्वचालित फिल्म प्रोसेसर) को जब उसका भारत में आयात किया जाए उक्त वित्त अधिनियम की धारा 32 की उप-धारा (1) के अधीन उस पर उद्गृहीण समस्त सहायक सीमा-शुल्क के संदाय से छूट।
	G.S.R. 21(E) Dated the 15th Jan., 1977	Do.	Exempting Automatic Film Processors falling under Heading No. 90.10 of the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 when imported into India from payment of the whole of the auxilliary duty of Customs under sub-section (1) of section 32 of the said Finance Act.
17.	सा० का० नि० 22(अ) दिनांक 17 जनवरी, 1977	—तदर्थ—	केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की प्रथम अनुसूची की मद संख्या 21 के अन्तर्गत आने वाले उस प्रसंस्कृत ऊनी कपड़े के लिए, जो संयुक्त मिल से भिन्न कारखाने द्वारा उत्पादित हो और जो इससे उपावृद्ध गारणो से स्तम्भ (2) में विनिर्दिष्ट है, उक्त मारणी के स्तम्भ (3) में तत्सम्बन्धी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट टैरिफ मूल्य विनिर्दिष्ट करती है।
	G.S.R. 22(E) Dated the 17th Jan., 1977	Do.	Govt. hereby fixes for Processed Woollen Fabrics, falling under Item No. 21 of the First Schedule to the said Act, produced by factory other than a composite mill and specified in column (2) of the Table hereto annexed the tariff value specified in the corresponding entry in column (3) of the said table.

1	2	3	4
18. सा० का० नि० 23(अ) दिनांक 17 जनवरी, 1977	विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय Ministry of Law, Justice and Company Affairs	भारत सरकार, विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय (न्याय विभाग) की तारीख 8 दिसम्बर, 1976 की अधिसूचना सं० सा० का० नि० 911 (अ) में शुद्धि। Correction in the Gazette of India, Extraordinary, Part II—Section 3, Sub-Section (i) Dated the 11th Nov., 1976 under Issue No. 367 and G.S.R. 875(E) and Page No. 2660 in the Hindi Version.	
19. सा० का० नि० 24(अ) दिनांक 19 जनवरी, 1977 G.S.R. 24(E) Dated the 19th Jan., 1977	लोक-सभा सचिवालय Lok Sabha Secretariat	ये नियम न्यायाधीश (जांच) नियम (मिक्किम पर विस्तारण) नियम, 1977 के नाम से जाने जा सकते हैं। These Rules may be called the Judges (Inquiry) Rules (Extension to Sikkim) Rules, 1977.	
20. सा० का० नि० 25(अ) दिनांक 22 जनवरी, 1977 G.S.R. 25(E) Dated the 22nd Jan., 1977	उद्योग मंत्रालय Ministry of Industry	इन नियमों का नाम तकनीकी विकास महानिदेशालय (वर्ग I पद) भर्ती (संशोधन) नियम, 1977 है। These Rules may be called the directorate General of Technical Development (Class I Posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1977.	
21. सा० का० नि० 26(अ) दिनांक 22 जनवरी, 1977 G.S.R. 26(E) Dated the 22nd Jan., 1977	राजस्व और बैंकिंग विभाग Department of Revenue and Banking	सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम 1975 की प्रथम अनुसूची के अध्याय 15 के अन्तर्गत सम्मिलित ताड़ के तेल, श्वेत सरसों के तेल, सोयाबीन के तेल और सूरजमुखी के तेल की, जब उनका भारत में आयात किया जाए, पर छूट। Exempting palm oil, Depeaseed oil, soyabecn oil and sun-flower oil, falling within chapter 15 of the First Schedule to the customs Tariff Act, 1975, when Imported into India.	
सा० का० नि० 27(अ) दिनांक 22 जनवरी, 1977 G.S.R. 27(E) Dated the 22nd Jan., 1977	—तदैव— Do.	सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की प्रथम अनुसूची के अध्याय 12 के अन्तर्गत सम्मिलित ताड़ के बीज, श्वेत सरसों, सोयाबीन के बीज, सूरजमुखी के बीज और मूंगफली के बीज को जब उनका आयात भारत में किया जाए, पर छूट। Exemption Palm seeds, represseed, soyabecn seeds, sun-flower seeds and groundnut seeds, falling within chapter 12 of the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975, when Imported into India.	
सा० का० नि० 28(अ) दिनांक 22 जनवरी, 1977 G.S.R. 28(E) Dated the 22nd Jan., 1977	—तदैव— Do.	भारत सरकार के राजस्व और बैंकिंग विभाग (राजस्व पक्ष) की अधिसूचना सं० 135 सी० शु० तारीख 2 अगस्त, 1976 में संशोधन। Amendment in the notification of the Govt. of India in the Department of Revenue and Banking (Revenue wing) No. 135-Customs dated the 2nd August, 1976.	
22. सा० का० नि० 29(अ) दिनांक 22 जनवरी, 1977 G.S.R. 29(E) Dated the 22nd Jan., 1977	—तदैव— Do.	सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की द्वितीय अनुसूची के शीर्ष सं० 21 के अन्तर्गत सम्मिलित और इससे उपाबद्ध मारणी में विनिर्दिष्ट पशु चारे को, जब उनका निर्यात भारत से किया जाए, पर छूट। Exemption animal feed, falling under Heading No. 21 of the Second Schedule to the Customs Tariff Act, 1975, when exported out of India.	
23. सा० का० नि० 30(अ) दिनांक 24 जनवरी, 1977 G.S.R. 30(E) Dated the 24th Jan., 1977	—तदैव— Do.	सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम 1975 की प्रथम अनुसूची के शीर्ष सं० 29.01/45 के उपशीर्ष सं० (20) के अन्तर्गत सम्मिलित कपरोलेक्टम को, जब उनका भारत में आयात किया जाए, पर छूट। Exemption Caprolactam, falling under Sub-Heading No. (20) of Heading No. 29.01/45 of the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975, when Imported into India.	
सा० का० नि० 31(अ) दिनांक 24 जनवरी, 1977 G.S.R. 31(E) Dated the 24th Jan., 1977	—तदैव— Do.	भारत सरकार के राजस्व और बैंकिंग विभाग की अधिसूचना सं० 170—सीमा-शुल्क, तारीख 2 अगस्त, 1976 में संशोधन। Amendment in the notification of the Govt. of India in the Department of Revenue and Banking No. 170—Customs, Dated the 2nd August, 1976.	

1

3

4

सा० का० नि० 32(अ) दिनांक 24 जनवरी, 1977	राजस्व और बैंकिंग विभाग	केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम 1944 की प्रथम अनुसूची की मद सं० 14कक की उप-मद (2) के अधीन कपरोलेक्टम को पोलि-मार्डिड (नाइलॉन) सूत के उत्पादन में प्रयोग के लिए आशयित है, पर छूट। परन्तु सूत का उपयोग टायर बोर्ड के विनिर्माण के लिए नहीं किया जाता।
G.S.R. 32(E) Dated the 24th Jan., 1977	Department of Revenue and Banking	Exemption Caprolactum, falling under sub-item (2) of Item No. 14AA of the First Schedule to the Central excises and Salt Act, 1944 and used for the production of Polyamide (Nylon) yarn, and not used in the manufacture of type Cord.
24 सा० का० नि० 33(अ) दिनांक 25 जनवरी, 1977 G.S.R. 33(E) Dated the 25th Jan., 1977	कृषि और सिंचाई मंत्रालय Ministry of Agriculture and Irrigation	केन्द्रीय सरकार एतद्वारा असम में इस अधिनियम के प्रवृत्त होने को तारीख 26 जनवरी, 1977 नियत करती है। Central Government hereby appoints the 26th Day of Jan., 1977, as the date on which the said Act shall come into force in the state of Assam.
सा० का० नि० 34(अ) दिनांक 25 जनवरी, 1977 G.S.R. 34(E) Dated the 25th Jan., 1977	—तदैव— Do.	इन नियमों का संक्षिप्त नाम असम वन्य प्राणी (स्टॉक-घोषणा) केन्द्रीय नियम 1977 है। These Rules may be called the Assam wild Life (stock Declaration) Rules, 1977.
सा० का० नि० 35(अ) दिनांक 25 जनवरी, 1975 G.S.R. 35(E) Dated the 25 Jan., 1977	—तदैव— Do.	इन नियमों का नाम असम वन्य प्राणी (सम्बन्धित और खसपूरण) नियम, 1977 है। These Rules may be called the Assam Wild Life (Transactions and Taxidermy) Rules, 1977.
25. सा० का० नि० 36(अ) दिनांक 25 जनवरी, 1977 G.S.R. 36(E) Dated the 25th Jan., 1977	राजस्व और बैंकिंग विभाग Department of Revenue and Banking	भारत सरकार के राजस्व और बैंकिंग विभाग को केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क (28वां संशोधन) नियम, 1976 से सम्बन्धित अधिसूचना सं० 291/76—केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क तारीख 21 दिसम्बर, 1976 में संशोधन। Amendment in the notification of the Govt. of India in the Department of Revenue and Banking No. 291/76—Central Excises, dated the 21st Dec., 1976 relating to the Central Excises (28th Amendment) Rule, 1976.
सा० का० नि० 37(अ) दिनांक 25 जनवरी, 1977 G.S.R. 37(E) Dated the 25th Jan., 1977	—तदैव— Do.	केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और सीमा शुल्क बोर्ड की अधिसूचना सं० 292/76 केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 21 दिसम्बर, 1976 में संशोधन। Amendment in the notification of the Central Board of Excise and Customs No. 292/76—Central Excises dated the 21st Dec., 1976.
सा० का० नि० 38(अ) दिनांक 25 जनवरी, 1977 G.S.R. 38(E) Dated the 25th Jan., 1977	—तदैव— Do.	केन्द्रीय सरकार 1 फरवरी, 1977 को उस तारीख के रूप में नियत करती है जिसको उक्त नियमों के नियम 2, 3 और 4 प्रवृत्त होंगे और 1 अप्रैल, 1977 को उस तारीख के रूप में नियत करती है। जिसको उक्त नियमों का नियम 5 प्रवृत्त होगा। Central Govt. hereby appoints the 1st day of February 1977 as the date on which rules 2, 3 and 4 of the said Rules shall come into force and the 1st day of April 1977 as the date on which Rules 5 of the said Rules shall come into force.
सा० का० नि० 39(अ) दिनांक 25 जनवरी, 1977 G.S.R. 39(E) Dated the 25th Jan., 1977	—तदैव— Do.	केन्द्रीय उत्पाद शुल्क 1 फरवरी, 1977 को उस तारीख के रूप में नियत करती है जिसको केन्द्रीय उत्पादन शुल्क और सीमा-शुल्क बोर्ड की अधिसूचना सं० 10/77 के उ० शु० तारीख 25 जनवरी 1977, द्वारा यथा संशोधित उक्त अधिसूचना प्रवृत्त होगी। Central Board of Excise and Customs hereby appoints the 1st day of Feb., 1977 as the date on which the said notification as amended by the notification on the Central Board of Excise and customs No. 10/77 Central Excise dated the 25th day of Jan., 1972 shall come into force.

1	2	3	4
सा० का० नि० 40(अ) दिनांक 25 जनवरी, 1977 G.S.R. 40(E) Dated the 25th Jan., 1977	राजस्व और बैंकिंग विभाग Department of Revenue and Banking	केन्द्रीय सरकार 1 अप्रैल, 1977 को उक्त तारीख के रूप में नियत करती है जिसकी उक्त अधिसूचना प्रवृत्त होगी। Central Govt. hereby appoints the 1st day of April, 1977 as the date on which the said notification shall come into force.	
सा० का० नि० 41(अ) दिनांक 25 जनवरी, 1977 G.S.R. 41(E) Dated the 25th Jan., 1977	—तदैव— Do.	केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और सीमा-शुल्क बोर्ड 1 फरवरी, 1977 को उस तारीख के रूप में नियत करती है जिसकी उक्त अधिसूचना प्रवृत्त होगी। Central Board of Excise and Customs hereby appoints the 1st day of Feb., 1977, as the date on which the said notification shall come into force.	
26 सा० का० नि० 42(अ) दिनांक 27 जनवरी, 1977 G.S.R. 42(E) Dated the 27th Jan., 1977	—तदैव— Do.	भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व और बीमा विभाग) की अधिसूचना सं० 89/76—केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क तारीख 16 मार्च, 1976 में संशोधन। Amendment in the notification of the Govt. of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue and Insurance) No. 89/76 Central Excises dated the 16th March, 1976.	
27. सा० का० नि० 43(अ) दिनांक 28 जनवरी, 1977 G.S.R. 43(E) Dated the 28th Jan., 1977	—तदैव— Do.	भारत सरकार के राजस्व और बैंकिंग विभाग की अधिसूचना सं० 165/76—केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 12 मई, 1976 में संशोधन। Amendment in the notification of the Govt. of India in the Department of Revenue and Banking No. 165/76—Central Excises, dated the 12th May, 1976.	
28. सा० का० नि० 44(अ) दिनांक 28 जनवरी, 1977 G.S.R. 44(E) Dated the 28th Jan., 1977	मन्त्रिमण्डल सचिवालय Cabinet Secretariat	इन नियमों का नाम भारतीय प्रशासन सेवा (संवर्ग में पद संख्या का नियतन) तीसरा संशोधन विनियम, 1977 है। These Regulations may be called the India Administrative Service (Fixation of cadre strength) third Amendment Regulations, 1977.	
सा० का० नि० 45(अ) दिनांक 28 जनवरी, 1977 G.S.R. 45(E) Dated the 28th Jan., 1977	—तदैव— Do.	इन नियमों का नाम भारतीय प्रशासन सेवा (वेतन) दूसरा संशोधन नियम, 1977 है। These Rules may be called the Indian Administrative Service (Pay) Second Amendment Rules, 1977.	
29. सा० का० नि० 46(अ) दिनांक 28 जनवरी, 1977 G.S.R. 46(E) Dated the 28th Jan., 1977	केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क सीमा-शुल्क बोर्ड Central Board of Excise and Customs	केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और सीमा-शुल्क बोर्ड की अधिसूचना सं० 292/76—केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क तारीख 21 दिसम्बर में संशोधन। Further Amendment in the notification of the Central Board of Excises and Customs 292/76—Central Excises, dated the 21st Dec., 1976.	
30. सा० का० नि० 47(अ) दिनांक 29 जनवरी, 1977 G.S.R. 47(E) Dated the 29th Jan., 1977	शिक्षा और समाज कल्याण मंत्रालय Ministry of Education and Social Welfare	निर्वाचन अधिकारी पत्रद्वारा नीचे दी गई सारणी के कॉलम 4 में तद्-नुरूपी प्रविष्टि में प्रयोजना हेतु सारणी के क्रमशः कॉलम 1, 2 और 3 में उल्लिखित तारीख, समय और स्थान निर्धारित। Returning officer hereby appoints the date, time and place as specified in columns 1, 2 and 3 respectively of Table given below for the purposes specified in the corresponding entry in column 4 thereof.	
31. सा० का० नि० 48(अ) दिनांक 29 जनवरी, 1977 G.S.R. 48(E) Dated the 29th Jan., 1977	पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय Ministry of Tourism and Civil Aviation	ये नियम वायुयान (संशोधन) नियम, 1977 कहे जा सकेंगे। These Rules may be called the Aircraft (Amendment) Rules, 1977.	
32. सा० का० नि० 49(अ) दिनांक 31 जनवरी, 1977 G.S.R. 49(E) Dated the 31st Jan., 1977	—तदैव— Do.	ये नियम वायुयान (दूसरा संशोधन) नियम, 1977 कहे जा सकेंगे। These Rules may be called the Aircraft (Second Amendment) Rules, 1977.	

## विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय

(न्याय विभाग)

नई दिल्ली, 1 मार्च, 1977

सां०का०नि० 477.—गणपति, संविधान के अनुच्छेद 304 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए न्याय विभाग, विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय में कुछ श्रेणी ग के पदों की भर्ती की पद्धति को विनियमित करने के लिए इसके द्वारा निम्नलिखित नियम बनाते हैं अर्थात् :—

- (1) संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ.—(1) ये नियम न्याय विभाग (श्रेणी 'ग' पद) भर्ती नियम, 1976 कहलाएंगे।  
(2) ये नियम राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रचलन में होंगे।  
2. संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान.—उक्त पदों की संख्या, उसका वर्गीकरण और उनसे संबद्ध वेतनमान संलग्न अनुसूची के कालम 2 से 4 में विनिर्दिष्ट हैं।

3. भर्ती की पद्धति, आयु सीमा और अर्हताएं.—उक्त पदों पर भर्ती की पद्धति, आयु सीमा, अर्हताएं और उनसे संबंधित अन्य बातें वे होंगी जो उक्त अनुसूची के कालम 5 से 13 तक में विनिर्दिष्ट हैं।

4. अनर्हताएं.—वह व्यक्ति,

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से विवाह किया हो, जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित हो या

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित रहते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया हो, उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा। परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार इस बात से आश्वस्त हो जाए कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू कानून के अधीन अनुज्ञेय है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार मौजूद हैं तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी।

5. छूट प्रदान करने की शक्ति.—जहां केन्द्रीय सरकार का यह मत है कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वहां वह आदेश द्वारा उसके कारण विपिबद्ध करके हुए किसी वर्ग या श्रेणी के व्यक्तियों को इन नियमों के किसी उपबन्ध से छूट प्रदान कर सकती है।

6. अन्वय.—केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर इस संबन्ध में जारी किए गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित आदिम जातियों और अन्य विशेष वर्गों के व्यक्तियों के संबन्ध में किए गए आरक्षणों और अन्य रियायतों पर इन नियमों में विहित किसी व्यवस्था का अर्थात् प्रभाव नहीं पड़ेगा।

## अनुसूची

पद नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	क्या प्रवर्णन पद है या अप्रवर्णन पद	सीधी भर्ती के लिए आयु सीमा	सीधी भर्ती वालों के लिए अपेक्षित शैक्षिक व अन्य अर्हताएं
1	2	3	4	5	6	7
1. कनिष्ठ अन्वेषक	1	सामान्य केन्द्रीय सेवाएं श्रेणी 'ग' अराजपक्षित अनुसूचिकीय	125-15-500-2-रो०- 15-560-20-700 50	अप्रवर्णन पद	30 वर्ष (सरकारी कर्मचारियों के लिए छूट)	1. अर्थशास्त्र, गणित या सांख्यिकी में से कोई एक विषय में किसी मान्यता प्राप्त महाविद्यालय से डिग्री। 2. किसी सांख्यिकीय संस्थान से प्रशिक्षण प्राप्त किया हो। या सांख्यिकीय संबन्धी कार्य का दो वर्ष का व्यावहारिक अनुभव हो।

क्या सीधी भर्ती किए परीक्षा की जाने वालों के लिए अवधि, यदि कोई निर्धारित आयु व हो शैक्षिक अर्हताएं पदोन्नत किए जाने वालों पर लागू होंगी	भर्ती की पद्धति क्या सीधी भर्ती द्वारा या पदोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति स्थानान्तरण द्वारा की जाएगी और विभिन्न पद्धतियों में भरी जाने वाली रिक्तियों का प्रतिशत	यदि पदोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की जाती हो तो किन श्रेणियों से पदोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया जाएगा	यदि कोई विभागीय पदोन्नति समिति हो तो, उसका गठन क्या है	भर्ती करने के लिए किम परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाना है	
8	9	10	11	12	13
आयु : नहीं अर्हताएं : हां	दो वर्ष	पदोन्नति द्वारा, ऐसा न हो सकने पर प्रतिनियुक्ति द्वारा और इन दोनों से न हो सकने पर सीधी भर्ती द्वारा	पदोन्नति न्याय विभाग के (वरिष्ठ) संगणकों में से जिन्होंने उस ग्रेड से 5 वर्ष की सेवा पूरी कर ली हो । प्रतिनियुक्ति केन्द्रीय सरकार के मंत्रालयों/विभागों के वे व्यक्ति जो समान या समरूप पदों के धारक हैं (प्रतिनियुक्ति की अवधि 4 वर्ष से अधिक नहीं होगी)	श्रेणी 'ग' विभागीय पदोन्नति समिति में निम्नलिखित सदस्य होंगे :— 1. उप सचिव : अध्यक्ष 2. अवर सचिव : सदस्य 3. वरिष्ठ अनुसंधान अधिकारी न्याय विभाग : सदस्य	लागू नहीं होता



1	2	3	4	5	6	7
2. कलाकार	1	सामान्य केन्द्रीय सेवाएं श्रेणी 'ग' अराजपत्रित अननुसूचित	330-10-380-५०० 12-500-15-560 ५०	लागू नहीं होता	25 वर्ष (सरकारी कर्मचारियों के लिए छूट)	1. मैट्रिक या उच्चतम माध्यमिक या समकक्ष परीक्षा 2. किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/ संस्थान में स्नातक कला या प्रायोगिक कला की डिग्री/डिप्लोमा या स्नातक कला या प्रयोगिक कला का प्रमाण-पत्र, सांख्यिकीय संबंधी कार्य करने का 3 वर्ष का अनुभव
3. संगणक (वरिष्ठ)	1	सामान्य केन्द्रीय सेवाएं श्रेणी 'ग' अराजपत्रित अननुसूचित	330-10-380-५०० 12-500-15-560- ५०	अप्रवर्ण पद	30 वर्ष (सरकारी कर्मचारियों के लिए छूट)	अनिवार्य : किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से अर्थशास्त्र, गणित या सांख्यिकी में से कोई एक विषय में डिग्री। वांछनीय : सांख्यिकी संबंधी कार्य का एक वर्ष का व्यावहारिक अनुभव हो।
4. संगणक (कनिष्ठ)	1	सामान्य केन्द्रीय सेवाएं श्रेणी 'ग' अराजपत्रित अननुसूचित	260-6-290-५०० 6-326-8-366-५० १००-8-390-10- 400 ५०	लागू नहीं होता	25 वर्ष	किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से अर्थशास्त्र, गणित या सांख्यिकी में से कोई एक विषय में डिग्री। या उच्चतम माध्यमिक और सांख्यिकीय संबंधी कार्य का दो वर्ष का व्या- वहारिक अनुभव हो।

8	9	10	11	12	13
लागू नहीं होता	दो वर्ष	सीधी भर्ती द्वारा	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता
आयु : नहीं अवकाश : हा	दो वर्ष	पदोन्नति द्वारा ऐसा न हो सकने पर, प्रतिनियुक्ति द्वारा, और इन दोनों से नहीं सकने पर सीधी भर्ती द्वारा	पदोन्नति : न्याय विभाग के (कनिष्ठ) संगणकों में से जिन्होंने उस ग्रेड में 5 वर्ष की सेवा पूरी कर ली हो। प्रतिनियुक्ति : केन्द्रीय सरकार के मंत्रालयों के वे व्यक्ति जो समान या समरूप पदों के धारक हैं। (प्रतिनियुक्ति की अवधि 4 वर्ष से अधिक नहीं होगी)	श्रेणी 'ग' विभागीय पदोन्नति समिति में निम्नलिखित सदस्य होंगे :— 1. उप सचिव—अध्यक्ष 2. अवर सचिव—सदस्य 3. वरिष्ठ अनुसंधान अधिकारी, न्याय विभाग —सदस्य	लागू नहीं होता
लागू नहीं होता	दो वर्ष	प्रतिनियुक्ति द्वारा ऐसा न हो सकने पर, सीधी भर्ती द्वारा	प्रतिनियुक्ति : केन्द्रीय सरकार के मंत्रालयों के वे व्यक्ति जो समान या समरूप पदों के धारक हैं। (प्रतिनियुक्ति की अवधि 4 वर्ष से अधिक नहीं होगी।)	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता

नोट.—कालम 6 में निर्धारित आयु-सीमा निश्चित करने की आवश्यक तारीख भारत में रहने वाले उम्मीदवारों के लिए आवेदन पत्र प्राप्त करने की अन्तिम तिथि होगी (अण्डमान व निकोबार तथा लक्षद्वीप के लिए यह लागू नहीं होगा)। उन पदों के संबंध में जिनमें नियुक्ति रोजगार कार्यालय के माध्यम से की जाती है प्रत्येक मामले में आयु-सीमा निश्चित करने के लिए निर्धारित तारीख रोजगार कार्यालय द्वारा नाम भेजने की अन्तिम तिथि मानी जायेगी।

[सं० ए-12018/2/77-प्रशासन-1(क)]

महेश नारंग, अवर सचिव

**MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY  
AFFAIRS**

(Department of Justice)

New Delhi, the 1st March, 1977

**G.S.R. 477.**—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to certain group 'C' posts in the Department of Justice, Ministry of Law, Justice and Company Affairs, namely:—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Department of Justice (Group 'C' posts) Recruitment Rules, 1977.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.

2. Number of posts, Classification and Scales of pay.—The number of posts, their classification and the scales of pay attached thereto, shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule hereto Annexed.

3. Method of recruitment, age limit, qualifications etc.—The method of recruitment to the said posts, age limits, qualifications and other matters connected therewith shall be as specified in columns 5 to 13 of the said Schedule.

4. Disqualification.—No person,

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person, shall be eligible for appointment to any of the said posts:

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax.—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reason to be recorded in writing, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons or posts.

6. Saving.—Nothing in these rules shall effect reservations and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

**SCHEDULE**

Name of Post	No. of Posts	Classification	Scale of Pay	Whether selection or non-selection post	Age limit for direct recruit	Educational and other qualifications required for direct recruits
1	2	3	4	5	6	7
1. Junior Investigator.	One	General Central Service Group 'C' (Non-Gazetted Non-Ministerial)	Rs. 425-15-500-EB-15-560-20-700	Non-selection	30 years (Relaxable for Government Servants)	1. Degree of a recognised University with Economics, Mathematics or Statistics/ as one of the subjects. 2. Training in a recognised Statistical Institution or 2 years practical experience in handling statistical data.
Whether age and educational qualifications required for direct recruits will apply in the case of promotees	Period of probation if any	Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion or by deputation/ transfer and percentage of vacancies to be filled by various methods	In case of recruitment by promotion/deputation/transfer grades from which promotion/deputation/transfer to be made	If a Departmental Promotion Committee exists what is its composition	Circumstances in which Union Public Service Commission is to be consulted in making recruitment	
8	9	10	11	12	13	
Age: N.A. Qualifications: Yes	Two years	By promotion failing which by deputation and failing both by direct recruitment.	1. <i>Promotion:</i> From amongst the Computers (Senior) in the Department of Justice who have rendered 5 years' service in the grade.  2. <i>Deputation:</i> Persons holding equivalent or analogous posts in Ministries or Department of the Central Government (Period of deputation shall not exceed 4 years).	Group 'C' Departmental Promotion committee comprising :- 1. Deputy Secretary—Chairman 2. Under Secretary—Member 3. Senior Research Officer in the Department of Justice—Member.	Not Applicable.	

1	2	3	4	5	6	7
2. Artist	One	General Central Service Group 'C' (Non-Gazetted Non-Ministerial).	Rs. 330-10-380-EB-12-500-15-560.	Not Applicable	25 years (Relaxable for Government Servants)	1. Matriculation or Higher Secondary or equivalent examination. 2. Diploma/Degree of a recognised University/Institution in Fine Arts or Applied Arts. OR Certificate in Fine Arts or Applied Arts with 3 years' experience in presentation of statistical data.
3. Computer (Senior)	One	General Central Service Group 'C' (Non-Gazetted Non-Ministerial)	Rs. 330-10-380-EB-12-500-15-560.	Non-selection.	30 years (Relaxable for Government Servants)	<i>Essential :</i> Degree of a recognised University with Economics, Mathematics or Statistics as one of the subjects.  <i>Desirable :</i> One years' practical experience in handling statistical data.
4. Computer (Junior)	One	General Central Service Group 'C' (Non-Gazetted Non-Ministerial).	Rs. 260-6-290-EB-6-326-8-366-EB-8-390-10-400.	Not Applicable.	25 years	Degree of a recognised University with Economics, Mathematics or Statistics as one of the subject. OR Higher Secondary with two years' practical experience in handling statistical data.
<hr/>						
8	9	10	11	12	13	
Not Applicable.	Two years	By Direct recruitment	Not applicable	Not applicable	Not Applicable.	
Age : No. Qualification: No.	Two years	By Promotion failing which by deputation and failing both by direct recruitment.	1. <i>Promotion:</i> From amongst the Computers (Junior) in the Department of Justice who have rendered 5 years' service in the grade. 2. <i>Deputation :</i> Persons holding equivalent or analogous posts in the Central Government.  (Period of deputation shall not exceed 4 years).	Group 'C' Departmental Promotion Committee comprising :- 1. Deputy Secretary—Chairman 2. Under Secretary—Member. 3. Senior Research Officer in the Department of Justice—Member.	Not Applicable.	
Not Applicable.	Two years	By deputation failing which by direct recruitment.	<i>Deputation:</i> Persons holding equivalent or analogous posts in the Central Government. (Period of Deputation shall not exceed 4 years).	Not applicable	Not Applicable	

NOTE :—The initial date for determining the age limit prescribed in column 6 shall be the closing date for receipt of application from candidate in India (other than those in the Andaman and Nicobar Islands and Lakshadweep). In respect of posts, the appointments to which are made through the Employment Exchange, the crucial date for determining the age limit in each case will be the last date up to which the Employment Exchanges are asked to submit the names.

[No. A—12018/2/77-Ad. I(A)]  
M. C. NARANG, Under Secy.

## (कम्पनी कार्य विभाग)

नई दिल्ली, 4 मार्च, 1977

सांका०वि० 478.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तु द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अन्वेषण निदेशक, एकाधिकार और निर्बंधकारी व्यापार प्रथा आयोग के कार्यालय में समूह क और समूह ख पदों पर भर्ती की पद्धति को विनियमित करने वाले निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ:—(1) इन नियमों का नाम अन्वेषण निदेशक, एकाधिकार और निर्बंधकारी व्यापार प्रथा आयोग, कार्यालय (समूह क और समूह ख पद) भर्ती नियम, 1977 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. लागू होना:—ये नियम, इन नियमों से उपाबद्ध अनुसूची के स्तम्भ 1 में विनिर्दिष्ट पदों का लागू होंगे।

3. पद संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान:—उक्त पदों की संख्या, उनका वर्गीकरण और उनके वेतनमान वे होंगे जो उक्त अनुसूची के स्तम्भ 2 से 4 तक में विनिर्दिष्ट हैं।

4. भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा और अन्य अर्हताएं:—उक्त पदों पर भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा अर्हताएं और उनसे संबंधित अन्य बातें वे होंगी जो पूर्वोक्त अनुसूची के स्तम्भ 5 से 13 तक में विनिर्दिष्ट हैं।

परन्तु बिहित की गई अधिकतम आयु-सीमा अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों तथा अन्य विशिष्ट प्रवर्गों के व्यक्तियों की दशा में केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किये गए आदेशों के अनुसार शिथिल की जा सकती है।

5. निरर्हताएं:—यह व्यक्ति—

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से, जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया हो। उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का समाधान हो जाए कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के अधीन अनुश्रेय है और ऐसा करने के लिए अथ्य आधार मौजूद है तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी।

6. शिथिल करने की शक्ति:—जहां केन्द्रीय सरकार की राय हो कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वहां वह, उसके लिए जो कारण है उन्हें लेखबद्ध करके तथा संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करके, इन नियमों के किसी उपबंध को किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों या पदों की भावना, आदेश द्वारा, शिथिल कर सकेगी।

7. व्याप्ति:—इन नियमों की कोई भी बात ऐसे आरक्षणों और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी, जिनका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में समय-समय पर निकाले गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य विशेष प्रवर्गों के व्यक्तियों के लिए उपबंध करना अपेक्षित है।

## अनुसूची

बिधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय (कम्पनी कार्य विभाग) के अन्तर्गत अन्वेषण निदेशालय (एकाधिकार और निर्बंधकारी व्यापार प्रथा आयोग) में अपर अन्वेषण निदेशक, संयुक्त निदेशक (अनुसंधान), सहायक निदेशक (अनुसंधान) और बरिष्ठ तकनीकी सहायक के पदों के भर्ती नियम

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	चयन पद अथवा अक्षयन पद	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु-सीमा	भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए शैक्षिक और अन्य अर्हताएं
1	2	3	4	5	6	7
1. अपर निदेशक, अन्वेषण।	1	साधारण केन्द्रीय सेवा, समूह 'क' राजपत्रित	1800-100-2000-125/2-2250 रु०	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता
सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए बिहित आयु और शैक्षिक अर्हताएं प्रोन्नति की दशा में लागू होंगी या नहीं	परिक्षा की अवधि यदि कोई हो	भर्ती की पद्धति/भर्ती सीधे होगी या प्रोक्षित द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों का प्रतिफल	5			
लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा	प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण : अश्विन भारतीय सेवाओं और केन्द्रीय सेवाओं समूह 'क' के ऐसे अधिकारी जो केन्द्रीय सचिवालय में निदेशक के रूप में नियुक्ति के पात्र हों और अन्वेषण के कार्यों का अनुभव रखते हों। (प्रतिनियुक्ति की अवधि साधारणतः 5 वर्ष से अधिक होगी)		लागू नहीं होता	जब तक भर्ती नियमों के उपबंधों को किसी समय शिथिल करने का आशय न हो संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श आवश्यक नहीं।

1	2	3	4	5	6	7
2. संयुक्त निदेशक, (अनुसंधान)	1	साधारण केन्द्रीय सेवा, समूह 'क' राजपत्रित	1300-50-1700 रु०	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता
8	9	10	11	12	13	
लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	प्रतिनियुक्ति पर (जिसमें अल्पकालिक संविदा भी सम्मिलित है)	स्थानान्तरण प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण (इसमें अल्पकालिक संविदा भी सम्मि- लित है) . (1) सर्वप्रथम पद धारण करने वाले अधिकारी या ऐसे अधिकारी जिनकी केन्द्रीय सरकार के अधीन 1100-1600 रु० के वेतनमान वाले पदों पर 3 वर्ष की नियमित सेवा हो या समतुल्य; (ii)-(i) के न हो सकने पर सर्वप्रथम पद धारण करने वाले अधिकारी या ऐसे अधिकारी जिनकी राज्य सरकारों/पब्लिक सेक्टर उपक्रमों/मान्यता प्राप्त अनुसंधान संस्थाओं/विश्व- विद्यालयों/भारतीय रिजर्व बैंक/ भारतीय स्टेट बैंक के अधीन 1100-1600 रु० वेतनमान वाले पदों पर 3 वर्ष की नियमित सेवा हो या समतुल्य। टिप्पण : अधिकारियों को व्यापार वाणिज्य, उद्योग और अर्थशास्त्र आदि और सामान्यतः कारपोरेट सेक्टर से संबंधित समस्याएँ निपटाने का पर्याप्त अनुभव होना चाहिए। (प्रतिनियुक्ति की अवधि साधारणतः 4 वर्ष से अनधिक होगी)	लागू नहीं होता	प्रतिनियुक्ति पर (इसमें अल्पकालिक संविदा सम्मिलित है) पर स्थानान्तरण द्वारा राज्य सरकार/पब्लिक सेक्टर उपक्रम/ विश्वविद्यालय/ मान्यता प्राप्त अनुसंधान संस्था आदि हों। किसी अधिकारी को नियुक्त करने समय संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श आवश्यक।	

1	2	3	4	5	6	7
3. सहायक निदेशक, (अनुसंधान)	2	सामान्य केन्द्रीय सेवा, समूह 'क' राजपत्रित अल्पिक वर्गीय	700-40-900-80 रो०-40-1100-50- 1300 रु०	लागू नहीं होता	30 वर्ष से अधिक (सरकारी सेवाओं के लिए निधननीय टिप्पण : आयु सीमा अवधारित करने की निर्णायक तारीख भारत में रहने वाले अभ्यर्थियों से (उन- से भिन्न जो अवमान और निको- वार द्वीप समूह और लक्षद्वीप में रहते हैं) आवेदन प्राप्त करने की श्रमिक तारीख होगी)	आवश्यक : (1) किसी मान्यता प्राप्त विश्व- विद्यालय की अर्थशास्त्र/वाणिज्य में कम से कम द्वितीय श्रेणी में मास्टर की उपाधि या सम- तुल्य। या किसी मान्यता प्राप्त विश्व- विद्यालय की वाणिज्य में कम से कम द्वितीय श्रेणी की उपाधि या समतुल्य। (2) साधारणतः केन्द्रीय/राज्य सर- कारों/अनुसंधान संस्थाओं/ पब्लिक सेक्टर उपक्रमों/व्यापार संस्थानों के अधीन व्यापार, वाणिज्य, उद्योग, अर्थशास्त्र आदि और कारपोरेट सेक्टर से संबं- धित समस्या संबंधी विषयों की वास्तविक कार्य करने का 3 वर्ष का अनुभव।

1	2	3	4	5	6	7
						(अर्हताएं, अन्यथा सुप्रसिद्ध अभ्यर्थियों की दशा में शिथिल की जा सकती है, विशेष रूप से अनुभव सम्बन्धी अर्हता, अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों की दशा में उन के लिए प्राक्कृत पदों के लिए शिथिल की जा सकती है।)
						बांणतीय :
						(1) कम्पनी बित्त और लेखा का अनुभव और जानकारी।
						(2) एम० ए० या एम० काम० की अर्हता रखने वालों की दशा में विधि में उपाधि।
8	9	10	11	12	13	
लागू नहीं होता	दो वर्ष	प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति (जिसमें अल्पकालिक सविदा सम्मिलित है) पर स्थानान्तरण जिसके तहत हो सकने पर सीधी भर्ती द्वारा।	प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति (इसमें अल्पकालिक सविदा सम्मिलित है) पर स्थानान्तरण।	लागू नहीं होता	चयन प्रत्येक अवसर पर संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाएगा।	
			(j) सदृश पद धारण करने वाले अधिकारी या ऐसे अधिकारी जिनकी केन्द्रीय सरकार के अधीन क्रमशः 650-1200 रु० 550-900 रु० के तनमान वाले पदों पर 3/5 वर्ष की नियमित सेवा हो और जिनके पास सीधी भर्ती के लिए स्लैब 7 में विहित किया गया अनुभव हो। निदेशक, अन्वेषण के कार्यालय के ऐसे विभागीय ज्येष्ठ तकनीकी सहायकों की आवक भी, जिन्होंने पद पर नियमित आधार पर नियुक्ति के पश्चात् उस श्रेणी में 5 वर्ष सेवा की हो, विचार किया जाएगा और यदि उस पद पर नियुक्ति के लिए इनका चयन हो भी जाए तो यह प्रोन्नति द्वारा भरा गया समझा जाएगा।			
			(ii) (i) के तहत हो सकने पर सदृश पद धारण करने वाले अधिकारी या ऐसे अधिकारी जिनकी राज्य सरकारों/पब्लिक सेक्टर उपक्रमों/मान्यता प्राप्त अनुसंधान संस्थाओं/विश्वविद्यालयों/भारतीय रिजर्व बैंक/भारतीय स्टेट बैंक के अधीन प्रमाणः 650—1200 रु०/550—900 रु० के तनमान वाले पदों पर 3/5 वर्ष की नियमित सेवा हो और जिनके पास स्लैब 7 में सीधी भर्ती के लिए विहित की गई अर्हताएं और अनुभव हो।			
			[प्रतिनियुक्ति (इसमें अल्पकालिक सविदा सम्मिलित है) की अवधि सामान्यतः 3 वर्ष से अधिक होगी]			

1	2	3	4	5	6	7
4. उपरोक्त तकसीकी महायक	1	सामान्य केन्द्रीय सेवा, समूह 'ख' अराज- पत्रित अलिपिक- वर्गीय	550-25-750-३० १००-30-१०० रु०	सागू नहीं होता	30 वर्ष से अनधिक (सरकारी सेवकों के लिए शिथिलनीय) टिप्पण : आयु सीमा अवधारित करने की निर्णायक तारीख भारत में रहने वाले अभ्यर्थियों से (उनसे भिन्न जो अण्डमान और निकोबार द्वीप समूह और लक्षद्वीप में रहते हैं) आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तारीख होगी।	आवश्यक : भारतीय चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट संस्थान या लागत तथा मंत्रालय भारतीय संस्थान के सदस्यों के रजिस्टर में नामांकन के लिए मान्यता प्राप्त अर्हता या समतुल्य या भारतीय कम्पनी मेम्बेरी संस्थान के सदस्यक सदस्य हों या किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय की अर्थशास्त्र या वाणिज्य में कम से कम द्वितीय श्रेणी में मास्टर की उपाधि या समतुल्य या (क) किसी मान्यताप्राप्त विश्व- विद्यालय की वाणिज्य में कम से कम द्वितीय श्रेणी में स्नातक उपाधि या समतुल्य या किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय की कम से कम द्वितीय श्रेणी में स्नातक उपाधि या समतुल्य जिसके साथ अर्थ- शास्त्र अथवा अर्थशास्त्र के रूप में होना चाहिए, और (ख) किसी मान्यताप्राप्त विश्व- विद्यालय की विधि में उपाधि या समतुल्य (अन्यथा सुप्रसिद्ध अभ्यर्थियों की दशा में आयोग के विवेकानुसार अर्हताएं शिथिल की जा सकती हैं) वाछनीय : (1) किसी मान्यताप्राप्त विश्व- विद्यालय की विधि में उपाधि या समतुल्य सिवाय उन, जिनके लिए यह आवश्यक है। (2) पठित सेक्टर या प्राइवेट सेक्टर में कम्पनी लेखा का अनुभव।
8	9	10	11	12	13	
सागू नहीं होता	दो वर्ष	सीधी भर्ती द्वारा	सागू नहीं होता	सागू नहीं होता	चयन संघ लोक सेवा आयोग के परामर्श से किया जाएगा	

## (Department of Company Affairs)

New Delhi, the 4th March, 1977

**G.S.R. 478.**—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to Group A and Group B posts in the Office of the Director of Investigation, Monopolies and Restrictive Trade Practices Commission, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Office of the Director of Investigation, Monopolies and Restrictive Trade Practices Commission (Group A and Group B Posts) Recruitment Rules, 1977.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Application.—These rules shall apply to the posts specified in column 1 of the Schedule annexed to these rules.

3. Name of posts, classification and scale of pay.—(1) The number of the said posts, their classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the said Schedule.

4. Method of recruitment, age limit and other qualifications.—The method of recruitment, age limit, qualifications and other matters relating to the said posts, shall be as specified in columns 5 to 13 of the Schedule aforesaid :

Provided that the upper age limit prescribed may be relaxed in the case of candidates belonging to the

Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued from time to time by the Central Government.

5. Disqualification.—No person,

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to any of the said posts.

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

6. Power to relax.—Where the Central Government is of the opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, for reasons to be recorded in writing, and in consultation with the Union Public Service Commission, relax any of the provisions or these rules with respect to any class or category of persons or posts.

7. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservations and other concessions required to be provided for the candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

## SCHEDULE

Recruitment Rules for the Posts of Additional Director of Investigation, Joint Director (Research), Assistant Director (Research) and Senior Technical Assistant in the Office of the Director of Investigation (Monopolies and Restrictive Trade Practices Commission) in the Ministry of Law, Justice and Company Affairs  
(Department of Company Affairs)

Name of Post	No. of posts	Classification	Scale of Pay	Whether selection post or Non-selection post	Age limit for direct recruits	Educational and other qualifications required for direct recruits	
1	2	3	4	5	6	7	
1. Additional Director of Investigation	1	General Central Services Group A Gazetted	Rs. 1800-100-2000-125/2-2250	Not applicable	Not applicable	Not applicable.	
Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees	Period of probation if any	Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion or by deputation/transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods	In case of recruitment by promotion/deputation/transfer, grades from which promotion/deputation/transfer to be made		If a DPC exists what is its composition	Circumstances in which UPSC is to be consulted in making recruitment	
8	9	10	11		12	13	
Not applicable	Not applicable	By transfer on deputation	Transfer on deputation : Officers of All India Services and Central Services Group A eligible for appointment as Director in the Central Secretariat and having experience in investigation work. (Period of deputation shall ordinarily not exceed 5 years)		Not applicable	Consultation with the Union Public Service Commission not necessary unless it is intended to relax, at any time, the provisions of the recruitment rules.	



1	2	3	4	5	6	7
2' Joint Director (Research)	1	General Central Service Group A Gazetted	Rs. 1300-50-1700	Not applicable	Not applicable	Not applicable.

8	9	10	11	12	13	
Not applicable	Not applicable	Transfer on (including contract)	deputation short-term	Transfer on deputation (including short-term contract): (i) Officers holding analogous posts or with 3 years regular service in posts in the scale of Rs. 1100-1600 or equivalent under the Central Government; (ii) Failing (i), officers holding analogous posts or with 3 years regular service in posts in the scale of Rs. 1100-1600 or equivalent under the State Governments Public Sector Undertakings /Recognised Research Institutions/Universities/Reserve Bank of India/State Bank of India.	Not applicable	Consultation with the Union Public Service Commission necessary while appointing an officer from a State Government/Public Sector Undertaking/ University / Recognised Research Institution etc. on transfer on deputation (including short-term contract)
				<p>Note: The Officers should possess adequate experience of handling problems relating to trade, commerce, industry, economics etc. and the Corporate Sector generally. (Period of deputation shall ordinarily not exceed 4 years).</p>		

1	2	3	4	5	6	7
3. Assistant Director (Research)	2	General Central Service Group A Gazetted Non-Ministerial	Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300	Not applicable	Not exceeding 30 years (Relaxable for Government servants) Note : The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (other than those in Andaman & Nicobar Islands and Lakshadweep)	Essential : (i) At least Second Class Masters Degree in Economics/Commerce of a recognised University or equivalent OR At least Second Class Bachelor's Degree in Commerce and a Degree in Law from a recognised university or equivalent (ii) 3 years experience of dealing with matters concerning problems relating to trade, commerce, industry, economics etc. and corporate Sector generally under the Central/State Governments/Research Institutions/Public Sector Undertakings/concerns of repute.

1	2	3	4	5	6	7
						(Qualifications relaxable at Commission's discretion in case of candidates otherwise well qualified; in particular, the qualification regarding experience is relaxable in case of candidates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes for posts reserved for them)
						Desirable :
						(i) Experience and knowledge of Company Finance and Account;
						(ii) Degree in law in case of those possessing educational qualifications of M.A. or M.Com.
8	9	10	11	12	13	
Not applicable	2 years	Promotion/transfer on deputation (including short-term contract) failing which by direct recruitment.	Promotion/transfer on deputation (including short-term contract) : (i) Officers holding analogous posts or with 3/5 years regular service in posts in the scale of Rs. 650-1200/550-900 or equivalent respectively under the Central Government and possessing the qualifications and experience prescribed for direct recruits in column 7. The departmental Senior Technical Assistant in the office of the Director of Investigation with 5 years' service in the grade rendered after appointment there-to on a regular basis will also be considered and in case he is selected for appointment to the post, it will be treated as having been filled by promotion. (ii) Failing (i), officers holding analogous posts or with 3/5 years' regular service in posts in the scale of Rs. 650-1200/550-900 or equivalent respectively under the State Governments/ Public Sector Undertakings/ Recognised Research Institutions/Universities/Reserve Bank of India/State Bank of India and possessing the qualifications and experience prescribed for direct recruits in column 7. [Period of deputation (including short-term contract) shall ordinarily not exceed 3 years]	Not applicable	Selection on each occasion shall be made in consultation with the Union Public Service Commission.	

1	2	3	4	5	6	7
4. Senior Technical Assistant	1	General Central Service Group B Non-Gazetted Non-Ministerial	Rs. 550-25-750-EB-30-900	Not applicable	Not exceeding 30 years (Relaxable for Government servants) Note: The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India other than those in Andaman & Nicobar Islands and Lakshadweep)	Essential A qualification recognised for enrolment in the Register of Members of the Institute of Chartered Accountants of India or of the Institute of Cost & Works Accountant of India or equivalent. OR Associate Member of the Institute of Company Secretaries of India. OR At least Second Class Master's Degree in Economics or Commerce of a recognised University or equivalent.  OR (a) At least Second Class Bachelor's Degree in Commerce of a recognised University or equivalent or at least Second Class Bachelor's Degree of a recognised University or equivalent with Economics as an elective subject, and (b) Degree in law of a recognised University or equivalent.  (Qualifications relaxable at Commission's discretion in case of candidates otherwise well qualified).  Desirable :  (i) Degree in law of a recognised University or equivalent except in the case of those for whom it is essential.  (ii) Experience in Company Accounts in Public or Private Sector.
8	9	10	11	12	13	
Not applicable	2 years	By direct recruitment	Not applicable	Not applicable	Selection shall be made in consultation with the Union Public Service Commission.	

## गृह मंत्रालय

(राजभाषा विभाग)

नई दिल्ली, 26 फरवरी, 1977

सा० का० नि० 479.—संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति एतद्द्वारा गृह मंत्रालय, अन्वेषक और लेखाकार (राजभाषा प्रभाग) भर्ती नियम, 1975, में और आगे संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

(1) इन नियमों का नाम गृह मंत्रालय (राजभाषा प्रभाग) अन्वेषक तथा लेखाकार भर्ती (संशोधन) नियम, 1977 है।

(2) ये नियम सरकारी राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

गृह मंत्रालय, अन्वेषक और लेखाकार (राजभाषा प्रभाग) भर्ती नियम, 1975 की अनुसूची के कालम 2 में लेखाकार के पद के सामने वर्तमान प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाए, अर्थात्:—

“प्रतिनियुक्ति उन व्यक्तियों की जो—

(क) स्थापित लेखा विभागों में अधीनस्थ लेखा सेवा से संबन्धित हों ;

(ख) सहायक (केन्द्रीय सचिवालय सेवा के ग्रेड-IV) हों जिन्होंने सचिवालय प्रशिक्षण और प्रबन्ध संस्थान, नई दिल्ली में रोकड़ व लेखा प्रशिक्षण सफलता पूर्वक पूरा कर लिया हो ;

और इन्हें हिन्दी का अच्छा ज्ञान हो।

(प्रतिनियुक्ति की अवधि समान्यतः 3 वर्ष से अधिक नहीं होगी)।”

[सं० ए-12018/5/76-प्रशामन-1(क)]

बी०के० वशिष्ठ, अवर सचिव

## MINISTRY OF HOME AFFAIRS

(Department of Official Language)

New Delhi, the 26th February, 1977

G.S.R. 479.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Ministry of Home Affairs, Investigator and Accountant (Official Language Division) Recruitment Rules, 1975, namely :—

1. (1) These rules may be called the Ministry of Home Affairs, (Official Language Division) Investigator and Accountant Recruitment (Amendment) Rules, 1977.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Ministry of Home Affairs, Investigator and Accountant (Official Language Division) Recruitment Rules, 1975, in the Schedule against the post of Accountant, in column 11 for the existing entry, the following shall be substituted, namely :

“Deputation of persons—

(a) belonging to Subordinate Accounts Service in established Accounts Department;

(b) Assistants (Grade IV of Central Secretariat Service, who have successfully completed Cash and Accounts training from the Institute of Secretariat Training and Management, New Delhi.

and having sound knowledge of Hindi.

(Period of deputation ordinarily not exceeding 3 years).”

[No. A-12018/5/76-Ad. I(A)]

V. K. VASISHTHA, Under Secy.

नई दिल्ली, 21 मार्च, 1977

सा० का० नि० 480.—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल अधिनियम, 1949 (1949 का 66) की धारा 18 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल नियम, 1955 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्:—

1. (1) इन नियमों का नाम केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (संशोधन) नियम, 1977 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल नियम, 1955 में, नियम 43 में, खण्ड (क) के स्थान पर निम्नलिखित खण्ड रखा जाएगा, अर्थात्:—

“(क) बल के किसी सदस्य को सेवा निवृत्ति उस मास के अन्तिम दिन के अपराह्न से प्रभावी होगी जिस मास में ऐसा सदस्य 55 वर्ष की आयु का हो जाता है। ऐसी दशा में जब सदस्य का जन्म दिन किसी मास की पहली तारीख को पड़ता हो उसकी सेवा निवृत्ति ऐसे मास के, जिसमें बल का सदस्य 55 वर्ष की आयु का हो जाता है, पूर्ववर्ती मास के अन्तिम दिन से प्रभावी होगी।”

[सं० पी-7/1-प्रशा०जी०पी०ए-1]

चरनजीत सिंह चड्ढा, उप सचिव

New Delhi, the 21st March, 1977

G.S.R. 480.—In exercise of the powers conferred by section 18 of the Central Reserve Police Force Act, 1949 (LXVI of 1949), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Central Reserve Police Force Rules, 1955, namely :—

(1) These rules may be called the Central Reserve Police Force (Amendment) Rules, 1977.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In rule 43 of the Central Reserve Police Force Rules, 1955, for clause (a), the following clause shall be substituted, namely :—

“(a) Retirement of a member of the Force shall take effect from the afternoon of the last day of the month in which such member attains the age of 55 years. In case, the date of birth of a member of the Force falls on the first day of a month, his retirement shall take effect from the afternoon of the last day of the month, preceding the month in which the member of Force attains the age of 55 years.”

[No. F. 7/1/-Adm./GPA. I]

C. S. CHADHA, Dy. Secy.

## वित्त मंत्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

नई दिल्ली, 5 मार्च, 1977

सा० का० नि० 481.—विदेशी मुद्रा विनियमन अधिनियम, 1973 (1973 का 46 वां) की धारा 13 की उप-धारा (1) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा निर्देश देती है कि इसकी समय-समय पर यथा-संशोधित विनियम 4 मई, 1956 की अधिसूचना संख्या एफ० 3(84)-ई०एफ० VII 56 (का०नि०आ० संख्या 1059), को तत्काल रद्द कर दिया गया है।

[संख्या 1/28/ई०सी०/77]

एम० एल० शर्मा, अवर सचिव

**MINISTRY OF FINANCE****(Department of Economic Affairs)**

New Delhi, the 5th March, 1977

**G.S.R. 481.**—In pursuance of sub section (1) of Section 13 of the Foreign Exchange Regulation Act, 1973 (46 of 1973) the Central Government hereby directs that its Notification No. F 3(84)-FF.VII/56 (S.R.O. No. 1059) dated the 4th May 1956, as amended from time to time, shall stand cancelled forthwith.

[No. 1/28/EC/77]

M. L. SHARMA, Under Secy.

**MINISTRY OF INDUSTRY****(Department of Industrial Development)****(Central Boilers Board)**

New Delhi, the 19th March, 1977

**G.S.R. 482.**—The following draft of certain regulations further to amend the Indian Boiler Regulations, 1950 which the Central Boilers Board proposes to make in exercise of the powers conferred by section 28 of the Indian Boilers Act, 1923 (5 of 1923), is published as required by sub-section (1) of section 31 of the said Act, for the information of all persons likely to be affected thereby, and notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration after the expiry of three months from the date of publication of this notification in the Official Gazette.

Any objections or suggestions which may be received from any person with respect to the said draft within the period so specified will be considered by the Central Boilers Board. Such objections or suggestions should be addressed to the Secretary, Central Boilers Board, Ministry of Industry, Department of Industrial Development, Udyog Bhavan, New Delhi.

**DRAFT REGULATIONS**

1. These Regulations may be called the Indian Boiler (.....Amendment) Regulations, 1977.

2. In the Indian Boiler Regulations, 1950, for the Appendix I, the following shall be substituted, namely :—

**APPENDIX I**

Inspection and Testing of Boilers during construction.

**GENERAL**

The Inspecting Authority shall have access to the works of the manufacturer at all reasonable times and shall be at liberty to inspect during the manufacture of boiler at any stage and to reject any part that does not comply with the requirements of the Indian Boiler Regulations, 1950. Inspection shall be made at least at the following stages of construction and the manufacturer shall give at least 4 days notice to the Inspecting Authority of reaching the stages. These stages may be combined to suit convenience of the Inspecting Authority.

**I. AT THE STEEL WORKS**

When the billets, plates, angles, bars, skelps or any other parts to be used in the construction of the boiler are ready for examination and marking off of the mechanical test specimen and before they are cut from the parent plate or plates, and when test specimen have been machined and are ready for testing.

**II. AT THE PIPE/TUBE MAKERS AND FABRICATORS WORKS**

(a) When the billets or skelps are ready for identification;

(b) When the pipes/tubes are ready for examination and selection of mechanical test pieces;

(c) When the test specimens are ready for testing;

(d) When the pipes/tubes are ready for hydraulic test. For parts manufactured from tubes/pipes at Fabricator's works either by manipulation or fabrication as may be required by the Inspecting Authority and in all cases of fabrication by welding after the weld preparation has been made, the components have been assembled and tack welded in position for final welding, and hydraulic test after completion of fabrication.

**III. AT THE BOILER MANUFACTURER'S WORKS**

(1) Water Tube Boilers :

(A) Fusion welded Drums and Headers

(B) Seamless Drums and Headers

(C) Riveted Drums

(D) Headers for Water Tube Boilers of Riveted construction

(E) Tubes and integral piping

A. Fusion Welded Drums and Headers :

(i) When cylindrical shell plates are ready for identification with plate mill certificates at boiler maker's works and cut to size ready for forming to cylindrical shape. The inspecting authority shall also identify weld test plate material.

(ii) When the cylindrical shell plates are formed to shape with the edges prepared for welding and set up in readiness for commencement of welding.

(iii) When the Welding of main cylindrical shell is completed and the shell checked for circularity.

(iv) When the radiographs or ultrasonic test records are available for scrutiny.

(v) When the end-plates are ready for identification with the mill certificates and cut for the end-shape forming operation.

(vi) When the end-plates are formed to shape with weld edges prepared and set on to the cylindrical shell in readiness for the circumferential welding operation.

(vii) When the welding of the end-plates to the cylindrical shell is complete.

(viii) When each plain shell drums or header is prepared to receive compensation plates and attachments, and a representative number of stand pipes, tubes or tube stubs, are set up ready for welding.

(ix) When all welding on each drum is complete, the inspecting authority shall check the record of heat treatment and the marking off, preparation and testing of specimens from the test plates.

(x) At hydraulic test, followed by external and internal examinations and stamping. On thick drums of high carbon or alloy material further non-destructive examination shall be done on drum, nozzle and stub welds after stress relief.

(xi) Any drum having tube-holes drilled subsequently to the hydraulic test shall be further examined on completion of this work and prior to despatch from the manufacturer's works.

B. Seamless Drums and Headers :

(i) When material is ready for identification with the steel makers certificates of manufacture and test, also when each cylinder is prepared for forming, or welding of separate end closures and to identify test plate material.

(ii) When each plain shell drum or header is prepared to receive compensation plates and attachments and a representative number of standpipes, tubes or tube stubs, are set up ready for welding.

- (iii) When all welding on each drum is complete and the radiographs or ultrasonic test records are available. The inspecting authority shall check the record of heat treatment and the marking off, preparation and testing of specimens from the test plates.
- (iv) At hydraulic test, followed by external and internal examination and stamping. On thick drums of high carbon or alloy material further non-destructive examination shall be done on drum nozzle and stub welds after stress relief.
- (v) Any drum having tube holes drilled subsequently to the hydraulic test shall be further examined on completion of this work and prior to despatch from the manufacturer's works.

#### C. Riveted Drums :

- (i) When cylindrical shell plates are ready for identification with plate mill certificates at boiler maker's works and cut to size ready for forming to cylindrical shape.
- (ii) When the drum shell plates are bent to the circular form and drum ends are flanged.
- (iii) When the drum shell and drum ends are drilled and when rivets are ready for testing.
- (iv) When the drum seams are in process of riveting.
- (v) When the boiler drums are ready for hydraulic test.

#### D. Headers for water tube Boilers of Riveted construction :

- (i) When cylindrical shell plates are ready for identification with plate mill certificates at boiler maker's works and cut to size ready for forming to cylindrical shape.
- (ii) When the test ring is ready for stamping and marking off of the test specimens for identification and before they are cut from header.
- (iii) When the test specimens are ready for testing.
- (iv) When the header is ready for hydraulic test.

#### E. Tubes and integral piping :

- (i) When the tubes are ready for identification with the tube maker's certificate at the boiler maker's works and a representative number of tubes and pipes are prepared at the ends and set up ready for welding.
- (ii) When records of non-destructive tests on a percentage of butt welds is made available and all attachments have been welded to the tubes and piping.

#### 2. Shell Type Boilers :

##### (a) Welded construction :

- (i) When plates have been received at the boiler maker's works, to compare identification markings with those recorded on the steel maker's certificate of manufacture and test and to check the test results furnished by the steel makers in respect of mechanical and chemical properties, and when the test plates are ready for marking for identification before they are cut from the parent plate or plates.
- (ii) When drum or shell plates and end-plates have been formed with the plate edges prepared for welding and when test plates are attached.
- (iii) When the first run has been deposited along with principal seams and test plates, when these seams have been completed on one side and prepared for welding on the other side, and on completion of welding.
- (iv) When radiographic or ultrasonic test records are available for scrutiny.

- (v) When weld test specimens have been prepared from the test plate previously selected, to witness the required test.
- (vi) When openings have been prepared, and when stand-pipes and similar connections have been tack-welded in position and subsequently on completion.
- (vii) On completion of manufacture during hydraulic testing and again after testing, to inspect internally and externally.

##### (b) Riveted construction.

#### (1) Lancashire, Cornish and Multitubular Horizontal Boilers :

- (i) When cylindrical shell plates are ready for identification with plate mill certificates at boiler maker's works and cut to size ready for forming to cylindrical shape, the Inspecting Authority shall also identify weld test plate material.
- (ii) When the shell and flue plates are bent to the circular form and before the latter are welded and flanged.
- (iii) When the weld grooves are machined and flue sections are being welded.
- (iv) When the end-plates have been dished and flanging operations completed.
- (v) When the shell and end-plates are being drilled and the flue sections have been welded, flanged and drilled and when the rivets are ready for testing.
- (vi) When the shell and flue seams are in process of riveting and the tube holes are ready for the reception of tubes.
- (vii) When the boiler is completed and filled with water in readiness for the hydraulic test.
- (viii) When the boiler has been prepared for a final internal and external examination.

#### 2. Vertical cross tube and Multitubular Boilers.

- (i) When cylindrical shell plates are ready for identification with plate mill certificates at boiler maker's works and cut to size ready for forming to cylindrical shape. The inspecting authority shall also identify weld test plate material.
- (ii) When the shell and flue plates are bent to the circular form and before the latter are welded and flanged.
- (iii) When the end grooves are machined and flue sections are being welded.
- (iv) When the end plates have been dished and flangings operation completed.
- (v) When the shell and end plates are being drilled and the flue sections have been welded, flanged and drilled and when the rivets are ready for testing.
- (vi) When the shell flue seams are in process of riveting and the tube holes are ready for the reception of tubes.
- (vii) When the boiler is completed and filled with water in readiness for the hydraulic test.
- (viii) When the boiler is prepared for a final internal and external examination.

#### c. Headers for Boilers of riveted construction.

- (i) When cylindrical shell plates are ready for identification with plate mill certificates at boiler maker's works and put to size ready for forming to cylindrical shape.
- (ii) When the test ring is ready for stamping and the marking off of the test specimens for identification and before they are cut from the header.
- (iii) When the test specimens are ready for testing.
- (iv) When the header is ready for hydraulic test.

## IV. VALVES AND MOUNTINGS

- (i) When the steel castings, steel forgings, iron castings, bronze castings, etc., are ready for examination and selection of test specimens.
- (ii) When the test specimens are ready for test.
- (iii) When the parts are machined and ready for dimensional check in accordance with the drawings approved by the Inspecting Authorities.
- (iv) When the fittings are ready for hydraulic test.

## V. Identification Marks

Each boiler shall be permanently and clearly marked on the front end plate with :—

- (a) Manufacturers' Identification Mark.
- (b) Inspecting Authority's stamps.
- (c) Date of hydraulic test and the year of manufacture.
- (d) Hydraulic Test Pressure.
- (e) Permissible Working Pressure.

2. The following stages may be entrusted to manufacturers themselves at the discretion of the Inspecting Authority.

## AT THE BOILER MANUFACTURES WORKS

## 1. WATER TUBE BOILERS

## A. Fusion Welded Drums and Headers.

Stage (iii) when the welding of the main cylindrical shell seam is completed and the shell checked for circularity.

Stage (vii) when the welding of the end plates to the cylindrical shell is completed.

## 2. SHELL TYPE BOILERS

## (a) Welded construction.

Stage (iii) when the first run has been deposited along with Principal seams and test plates, when these seams have been completed on one side and prepared for welding on the other side, and on completion of welding.

NOTE.—If and when relaxation in respect of inspection is granted by the Inspecting Authority to the manufacturers, the same shall be intimated to the Central Boilers Board.

[F. No. BL-9(12)/68-Boilers]

S. C. DEY, Secy.

## इस्पात और खान मंत्रालय

(इस्पात विभाग)

नई दिल्ली, 24 मार्च, 1977

सांकांनि० 483—इंडियन आयरन एण्ड स्टील कम्पनी (प्रबन्ध ग्रहण) अधिनियम, 1972 (1972 का 50) की धारा 8 की उपधारा (2) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, अधि-सूचनाओं को विखण्डित करती है :—

- (1) सांकांनि० 446(प्र) तारीख 19 सितम्बर, 1973
- (2) सांकांनि० 390(प्र) तारीख 13 सितम्बर, 1974
- (3) सांकांनि० 278 तारीख 6 फरवरी, 1976

[म० उद्योग -II(131)/76]

शिवराज देव प्रसाद, अपर सचिव

## MINISTRY OF STEEL &amp; MINES

(Department of Steel)

New Delhi, the 24th March, 1977

G.S.R. 483.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 8 of the Indian Iron and Steel Company (Taking over of Management) Act, 1972 (50 of 1972), the Central Government hereby rescinds the following notification of the Government of India in the Ministry of Steel and Mines (Department of Steel):—

- (i) GSR. 446(E) dated the 19th September, 1973.
- (ii) GSR. 390(E) dated the 13th September, 1974.
- (iii) GSR. 278 dated the 6th February, 1976.

[No. IND. II. 8(131)/76]

S. D. PRASAD, Addl. Secy.

## स्वास्थ्य व परिवार नियोजन मंत्रालय

(स्वास्थ्य विभाग)

नई दिल्ली, 2 मार्च, 1977

सांकांनि० 484—संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति एतद्वारा केन्द्रीय अनुसंधान संस्थान, कसौली में वर्ग 'ग' के कतिपय पदों पर भर्ती करने की विधि को विनियमित करते हुए निम्नलिखित नियम बनाते हैं :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ :—(1) इन नियमों का नाम केन्द्रीय अनुसंधान संस्थान, कसौली (वर्ग 'ग' पद) भर्ती नियम, 1976 है ।

(2) ये सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से प्रवृत्त होंगे ।

2. उपायोजन :—ये नियम संलग्न अनुसूची के कालम 1 में निविष्ट पदों पर लागू होंगे ।

3. संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान :—पदों की संख्या उनका वर्गीकरण तथा वेतनमान वही होंगे जैसा कि अनुसूची के स्तम्भ 2 से 4 में निविष्ट है ।

4. भर्ती की विधि, आयु सीमा, अर्हताएं आदि :—उक्त पदों पर भर्ती की विधि, आयु-सीमा, अर्हताएं तथा अन्य बातें वही होंगी जैसा कि उक्त अनुसूची के स्तम्भ 5 से 13 में निविष्ट है ।

5. अर्हता :—कोई व्यक्ति—

(क) जो किसी ऐसे व्यक्ति से विवाह करता/करती है अथवा विवाह की संविदा करता/करती है जिसका कि पति या जिसकी पत्नी जीवित हो, अथवा (ख) जो व्यक्ति एक पति/एक पत्नी के जीवित रहते हुए किसी व्यक्ति के साथ विवाह करता/करती है अथवा विवाह की संविदा करता/करती है,

मेरा में नियुक्त होने का पात्र नहीं है/होगा :

परन्तु केन्द्रीय सरकार को यह समाधान होने पर कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के दूसरे पक्षकार पर लागू होने वाली स्वीय विधि के अधीन अनुशेष है, और ऐसा करने के अन्य आधार हैं, किसी भी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकती है ।

6. छूट देने की शक्ति :—जहाँ केन्द्रीय सरकार का यह विचार हो कि छूट देना आवश्यक या उचित है वहाँ संघ लोक सेवा आयोग के परामर्श से और लिखित कारणों के आधार पर आदेश द्वारा किसी श्रेणी या वर्ग से संबंधित व्यक्तियों को इन नियमों के किसी उपबन्ध से छूट दे सकती है।

7. व्यावृत्ति :—इस संबंध में केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किये गये आदेशों के अनुसार अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति तथा विशेष वर्गों के व्यक्तियों के लिये जिन आचरणों और अन्य रियायतों की व्यवस्था करना अपेक्षित है, उन पर इन नियमों को किसी बात का प्रभाव नहीं पड़ेगा।

### अनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	चयन पद अथवा अभ्ययन पद	सीधे भर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों के लिये आयु सीमा	सीधे भर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों के लिये शैक्षिक और अन्य अर्हताएं
1	2	3	4	5	6	7
1. आर्मेडर वार्डर कम वैल्डर	1	सामान्य केन्द्रीय सेवा, ग्रुप 'ग', अराज-पत्रित, अनुसूचि-वीय	260-6-290-द०रो०-6-326-8-366-द०रो०-8-390-10-400 रु०	लागू नहीं होता	25 वर्ष से अधिक नहीं	(1) मैट्रिक या समतुल्य अर्हता (2) आर्मेडर वार्डरिंग में औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान का प्रमाण पत्र, अथवा अपने काम में दो वर्ष के अनुभव वाला बिजली मिस्त्री।
2. बायलर अटेंडेंट	4	सामान्य केन्द्रीय सेवा, ग्रुप 'ग', अराज-पत्रित, अनुसूचि-वीय	260-6-290-द०रो०-6-326-8-366-द०रो०-8-390-10-400 रुपये	अभ्ययन	25 वर्ष से अधिक नहीं	बायलर पर काम करने के दो वर्ष के अनुभव के साथ-साथ द्वितीय श्रेणी का बायलर अटेंडेंट का प्रमाणपत्र।

सीधे भर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों के लिये आयु और शैक्षिक अर्हताएं प्रोन्नति की दशा में लागू होंगी या नहीं

परिबीधा की अर्हता, यदि कोई हो

भर्ती की पद्धति/भर्ती सीधे होंगी या पदोन्नति द्वारा या स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों का प्रतिफल

प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की दशा में वे श्रेणियाँ जिनसे प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण की जायेगी/किया जायेगा

यदि विभागीय प्रोन्नति सम्मति है तो उसकी संरक्षता

भर्ती करने में किन परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जायेगा

8	9	10	11	12	13
लागू नहीं होता	दो वर्ष	रोजगार कार्यालय के माध्यम से सीधे भर्ती द्वारा अन्यथा विज्ञापन द्वारा।	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता।
आयु—नहीं योग्यता—हां	दो वर्ष	पदोन्नति द्वारा या सीधे भर्ती द्वारा	किसी संस्थान के फिटर जिनकी अपने ग्रेड में 3 वर्ष की सेवा हो।	(क) निदेशक अथवा उनके द्वारा मनोनित किया गया अधि-कारी—अध्यक्ष (ख) उपनिदेशक/सहायक निदेशक—सदस्य (ग) स्थानीय सैनिक अस्पताल का एक अधिकारी—सदस्य (घ) प्रशासन अधि-कारी—सदस्य सचिव	लागू नहीं होता।



1	2	3	4	5	6	7
3. मुख्य काष्ठकार	1	सामान्य केन्द्रीय सेवा, गुप 'ग', अराज- पत्रित अनुसूचि- वीर ।	260-6-290-२०००- 6-326-8-386- २०००-8-390- 10-400 रुपये	चयन	25 वर्ष से अधिक नहीं	अनिवार्य : एक वर्ष के अनुभव के साथ साथ किसी मान्यता प्राप्त संस्थान से बड़ईगिरी में प्रमाणपत्र अथवा जिन उम्मीद- वारों के पास यह प्रमाणपत्र न हो उनके लिये बड़ईगिरी में पांच वर्ष का अनुभव ।  वांछनीय : मिडल स्कूल अर्थात् आठवीं पास
4. पुस्तकालय परिचर	1	सामान्य केन्द्रीय सेवा, वर्ग 'ग', अराज- पत्रित, अनुसूचिवीय ।	260-6-326-२०००- 8-350 रुपये ।	चयन	25 वर्ष से अधिक नहीं	मिडल स्कूल अर्थात् आठवीं पास के साथ साथ पुस्तकालय के काम का अनुभव ।

8	9	10	11	12	13
लागू नहीं होता	दो वर्ष	पदोन्नति द्वारा अन्यथा सीधी भर्ती द्वारा ।	किसी संस्थान का काष्ठकार जिसकी अपने प्रेड में 3 वर्ष की सेवा हो ।	(क) निदेशक या उसके द्वारा मनोनीत किया गया अधि- कारी—अध्यक्ष (ख) उपनिदेशक/ सहायक निदेशक— सदस्य (ग) स्थानीय सैनिक अस्पताल का एक अधिकारी—सदस्य (घ) प्रशासन अधि- कारी—सदस्य-सचिव	लागू नहीं होता
लागू नहीं होता ।	दो वर्ष	पदोन्नति द्वारा अन्यथा सीधी भर्ती द्वारा ।	किसी संस्थान का दफ्तरी अथवा अमा- वार अथवा चपरासी जिसकी अपने प्रेड में 3 वर्ष की सेवा हो ।	(क) निदेशक या उसके द्वारा मनोनीत किया गया अधि- कारी—अध्यक्ष (ख) उपनिदेशक/ सहायक निदेशक— सदस्य (ग) स्थानीय सैनिक अस्पताल का एक अधिकारी—सदस्य (घ) प्रशासन अधि- कारी—सदस्य-सचिव	लागू नहीं होता ।

[सं० जैड० 28015/2/72-सम०सी०]

एस० श्रीनिवासन, उप-सचिव

## MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY PLANNING

(Department of Health)

New Delhi, the 2nd March, 1977

G.S.R. 484.—In exercise of the powers conferred by the proviso to Article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the certain Group C posts at the Central Research Institute, Kasauli, namely :—

I GI/77—4

1. Short title and commencement.—(i) These rules may be called the Central Research Institute, Kasauli (Group C posts) Recruitment Rules, 1977.

(ii) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Application.—These rules shall apply to the posts specified in column 1 of the Schedule annexed hereto.

3. Number, classification and scale of pay.—The number of posts, their classification and the scale of pay attached

thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the said Schedule.

4. Method of recruitment, age limit and other qualifications.—The method of recruitment, age limit, qualifications and other matters connected therewith shall be as specified in Columns 5 to 13 of the Schedule aforesaid.

5. Disqualifications.—No person,—

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or
- (b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person.

shall be eligible for appointment to the above post :

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the Personal Law applicable to such person and the other party to marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

6. Power to relax.—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may by order, for reasons to be recorded in writing, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

7. Savings.—Nothing in these rules shall affect reservations and other concessions required to be prescribed for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes, and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

#### SCHEDULE

Name of post	No. of posts	Classification	Scale of pay	Whether Selection post or Non-selection post	Maximum age limit for direct recruits	Educational and other qualification required for direct recruitment	
1	2	3	4	5	6	7	
1. Armature Winder cum-Welder	1	General Central Service, Group C (Non-Gazetted) (Non-Ministerial).	Rs.260-6-290-EB-6-326-8-366-EB-8-390-10-400.	Not applicable.	Not exceeding 25 years.	(i) Matriculation or equivalent qualifications. (ii) Industrial Training Institute certificate in Armature-Winding or Electrician with professional experience of 2 years.	
2. Boiler Attendant	4	General Central Service, Group C (Non-Gazetted) (Non-Ministerial).	Rs.260-6-290-EB-6-326-8-366-EB-8-390-10-400.	Non-selection.	Not exceeding 25 years.	IInd Class Boiler Attendant certificate with 2 years' experience of attending the Boiler.	
Whether age and educational qualifications prescribed for Direct recruits will apply in the case of promotees	Period of probation, if any	Method of recruitment either by direct recruitment or by promotion or by deputation or transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods	In case of recruitment by promotion or deputation or transfer, grades from which promotions or deputation or transfer to be made		If a Departmental Promotion Committee exists what is its composition	Circumstances in which Union Public Service Commission is to be consulted in making recruitment	
8	9	10	11		12	13	
Not applicable	2 years	By direct recruitment through Employment Exchanges, failing which by open advertisement.	Not applicable		Not applicable	Not applicable	
Age : No Qualification.: yes	2 years	By promotion, failing which by direct recruitment.	Fitters of the Institute with 3 years' service in the grade.		(a) Director or an officer nominated by him —(Chairman). (b) Deputy Director/Assistant Director —(Member). (c) An Officer of the Local Military Hospital—(Member) (d) Administrative Officer—(Member Secretary).	Not applicable	

1	2	3	4	5	6	7
3. Head Carpenter	1	General Central Service Group C, Non-Gazetted (Non-Ministerial)	Rs. 260-6-290-EB-6-326-8-366-EB-8-390-10-400.	Selection	Not exceeding 25 years.	Essential; Certificate of Carpentry from a recognised Institution with 1 year experience or 5 years experience in the case of those having no certificate. Desirable; Middle school i.e. passed VIII Standard.
4. Library Attendant.	1	General Central Service Group C, Non-Gazetted, (Non-Ministerial)	Rs. 260-6-326-EB-8-350.	Selection.	Not exceeding 25 years.	Middle School i.e. passed VII Standard with experience in Library work.
8	9	10	11	12	13	
Not applicable.	2 years	By promotion, failing which by direct recruitment.	Carpenter of the grade.	Institute of the service in the	(a) Director or an officer nominated by him (Chairman). (b) Deputy Director/Assistant Director (Member). (c) An Officer of the Local Military Hospital (Member). (d) Administrative Officer (Member Secretary).	Not Applicable.
4. Not applicable	2 years.	By promotion, failing which by direct recruitment.	Daftri or Jamadar Peon of the Institute with 3 years service in the grade.		(a) Director or an officer nominated by him (Chairman) (b) Deputy Director/Assistant Director (Member). (c) An Officer of the Local Military Hospital (Member) (d) Administrative Officer (Member Secretary).	Not Applicable.

[No. Z. 28015/2/72-MC]  
S. SRINIVASAN, Dy. Secy.

**कृषि व सिंचाई मंत्रालय**  
(खाद्य विभाग)

नई दिल्ली, 5 मार्च, 1977

सांकांमि० 485.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए खाद्य विभाग (वर्ग 1 और वर्ग 2 असंचितालयी पद) भर्ती नियम, 1963 में और संशोधन करने के लिये निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

1. (1) इन नियमों का नाम खाद्य विभाग (वर्ग 1 और वर्ग 2 असंचितालयी पद) भर्ती (संशोधन) नियम, 1977 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. खाद्य विभाग, (वर्ग 1 और वर्ग 2 असंचितालयी पद) भर्ती नियम, 1963 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त नियम कहा गया है) में शब्द और अक्षर 'वर्ग 1' और 'वर्ग 2', जहाँ कहीं भी वे पाये हों, के स्थान पर क्रमशः "समूह क" और "समूह ख" शब्द और अक्षर रखे जायेंगे।

3. उक्त नियमों की अनुसूची में, सहायक इंजीनियर (सिविल) के पद से सम्बन्धित मद 28 और उससे सम्बन्धित प्रविष्टियों के पश्चात् निम्नलिखित मद और प्रविष्टियाँ रखी जायेंगी, अर्थात् :—

## अनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वर्तमान	जयन पद अथवा अजयन पद	सीधे भर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों के लिये आयु सीमा	सीधे भर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों के लिये शैक्षिक और अन्य अर्हताएं
1	2	3	4	5	6	7
"28. उप-प्रायुक्त (संचालन)	1	साधारण केन्द्रीय सेवा समूह 'क'	1100-50-1600 रु०	लागू नहीं होता।	35 वर्ष से अधिक (सरकारी सेवकों के लिये शिथिल की जा सकती है)। टिप्पण : आयु-सीमा अवधारित करने की निर्णायक तारीख भारत में रहने वाले अभ्यर्थियों से (उनसे भिन्न जो अण्डमान और निकोबार द्वीप समूह और लक्षद्वीप में रहते हैं) आवेदन प्राप्त की अन्तिम तारीख होगी।	आवश्यक :— (1) किसी मान्यताप्राप्त विश्व-विद्यालय से उपाधि या समतुल्य। (2) किसी सरकारी विभाग/उपक्रम या किसी ख्यातिप्राप्त वाणिज्यिक समुदाय में रेल और सड़क द्वारा (यात्रा) यातायात के परिवहन से सम्बन्धित किसी उत्तरदायित्वपूर्ण स्थिति में 5 वर्ष का अनुभव। (अर्हताएं, अग्रन्था सुगृहीत अभ्यर्थियों की वृत्ति में संघ लोक सेवा आयोग के विवेकानुसार शिथिल की जा सकती हैं; विशेषकर अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के अभ्यर्थियों के लिये आरक्षित पदों की दशा में अनुभव सम्बन्धी अर्हता शिथिल की जा सकती है)।

सीधे भर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों के लिये विहित आयु और शैक्षिक अर्हताएं प्रोन्नति की दशा में लागू होंगी या नहीं।

परिबीधा की अवधि यदि कोई हो

भर्ती की पद्धति/भर्ती सीधे होगी या प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों का प्रतिपात

प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की वृत्ति में वे श्रेणियाँ जिनसे प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया जायेगा

यदि विभागीय प्रोन्नति समिति है तो उसकी संरचना

भर्ती करने में किन परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जायेगा

8	9	10	11	12	13
लागू नहीं होता	2 वर्ष	स्थानान्तरण/प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा, जिसके न होने पर सीधी भर्ती द्वारा।	स्थानान्तरण/प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण : ऐसे अधिकारी, जिन्होंने समूह 'क' पदों पर 5 वर्ष सेवा की हो, जिसके न होने पर ऐसे अधिकारी जिन्होंने समूह 'क' और समूह 'ख' में कुल मिलाकर 8 वर्ष सेवा की हो, और दोनों के न होने पर, ऐसे अधिकारी जिन्होंने परिवहन (यातायात) और वाणिज्यिक विभागों और भारतीय रेल की कामिक शाखा में समूह 'ख' (राजपक्षित) पदों पर आठ वर्ष सेवा की हो।	लागू नहीं होता	सीधी भर्ती के लिये और उस वृत्ति में जब किसी समूह 'ख' के अधिकारी का नियुक्ति के लिये खयन किया जाता है।"
			टिप्पण :—प्रतिनियुक्ति की अवधि साधारणतया 3 वर्ष से अधिक नहीं होगी।		

## MINISTRY OF AGRICULTURAL AND IRRIGATION

## (Department of Food)

New Delhi, the 5th March, 1977

G. S. R. 485.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Department of Food (Class I and Class II Non-Secretariat Posts) Recruitment Rules, 1963, namely:—

1. (i) These rules may be called the Department of Food (Class I and Class II Non-Secretariat Posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1977.

(ii) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Department of Food (Class I and Class II Non-Secretariat Posts) Recruitment Rules, 1963, (hereinafter referred to as the said rules) for the words and figures "Class I" and "Class II" wherever they occur, the words and letters "Group A" and "Group B" shall respectively be substituted.

3. In the Schedule to the said rules, after item 28 relating to the post of Assistant Engineer (Civil) and the entries thereto, the following item and entries shall be inserted, namely:—

1	2	3	4	5	6	7
"29. Deputy Commissioner (Movement)	1	General Central Service Group 'A'.	Rs. 1000-50-1600	Not applicable.	Not exceeding 35 years (Relaxable for Government Servants). Note:—The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (Other than those in Andaman and Nicobar Islands and Lakshadweep)	Essential : (i) A degree of a recognised University or equivalent. (ii) 5 years' experience in a responsible position relating to the transportation of Traffic (goods) by rail and by road in a Government Department/ Undertaking or a commercial concern of repute. (Qualifications relaxable at Commission's discretion in case of candidates otherwise well qualified in particular, the qualification regarding experience is relaxable in case of candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes candidates for posts reserved for them).

8	9	10	11	12	13
Not applicable.	2 years	By transfer/transfer on deputation, failing which by direct recruitment.	Transfer/Transfer on deputation : Officers with 5 years service in Group 'A' posts, failing which, officers with a combined service of 8 years in Group 'A' and 'B' posts and failing both, officers with 8 years service in Group 'B' (Gazetted) posts in Transportation (Traffic) and Commercial Departments and the Personnel Branch of the Indian Railways. NOTE: —The period of deputation shall ordinarily not exceed 3 years.	Not applicable	For direct recruitment and in case a Group 'B' Officers is selected for appointment."

[A-12018/4/76-E.I.]

U.V.V.L. NARASIMHAM, Under Secy.,

नई दिल्ली, 21 मार्च, 1977

सांकां० 486.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, भारतीय अनाज भण्डारकरण संस्थान, हापड़ (अराजपक्षित पद) भर्ती नियम, 1969 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाने हैं, अर्थात् :—

1. इन नियमों का संक्षिप्त नाम भारतीय अनाज भण्डारकरण संस्थान, हापड़ (अराजपक्षित पद) भर्ती (संशोधन) नियम, 1977 है।

2. ये राजपत्र में अपने प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2 भारतीय अनाज भण्डारकरण संस्थान (अराजपक्षित पद) भर्ती नियम, 1969 की अनुसूची में,

(1) जहाँ कहीं भी “वर्ग 3” शब्द और अंक आये हों उनके स्थान पर “समूह ग” शब्द और अक्षर रखे जायेंगे;

(2) “मेकैनिक-एवं-ऑपरेटर” के पद से संबंधित मद 2 के सामने की प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित रखा जायेगा, अर्थात् :—

## अनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	जयन पद अथवा अजयन पद	सीधे भर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु-सीमा	भर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों के लिए शैक्षिक और अन्य अर्हताएं
1	2	3	4	5	6	7
मैकेनिक-एवं-ऑपरेटर	8	साधारण केन्द्रीय सेवा, वर्ग 3 (अराजपक्षित, अभिप्रेतवर्गीय)	260-6-290-द०रो०-6-326-8-366-द०रो०-8-390-10-400 रुपए	जयन	30 वर्ष	आवश्यक (क) मिडिल कक्षा स्तर उत्तीर्ण। (ख) चावरी धातु और संरचना कर्मशाला में विद्युत और हस्त औजारों/लोहारी तकनीकों/विद्युत वेल्डन और कर्तन/काष्ठकर्म सहित, पांच वर्ष का व्यवहारिक अनुभव।
सीधे भर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित आयु और शैक्षणिक अर्हताएं प्रोन्नति की दशा में लागू होंगी या नहीं	परिबीक्षा की अवधि यदि कोई हो	भर्ती की पद्धति/भर्ती सीधे होगी या प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों की प्रतिशतता	प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की दशा में वे श्रेणियां जिनसे प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया जायेगा	यदि विभागीय प्रोन्नति समिति है तो उसकी संरचना	भर्ती करने में किन परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जायेगा	
8	9	10	11	12	13	
आयु—नहीं शैक्षिक अर्हताएं—हां	दो वर्ष	75 प्रतिशत प्रोन्नति द्वारा, जिसके न हो सकने पर सीधी भर्ती द्वारा, और 25 प्रतिशत सीधी भर्ती द्वारा। रोजगार कार्यालय के माध्यम से सीधी भर्ती।	ऐसे आवेदनियों की प्रोन्नति, जिन्होंने उस श्रेणी में तीन वर्ष सेवा की हो, और जिनके पास चावरी धातु और संरचना कर्मशाला में, विद्युत और हस्त औजारों/लोहारी तकनीकों/विद्युत वेल्डन और कर्तन/काष्ठकर्म सहित लगभग पांच वर्ष का व्यावहारिक अनुभव।	समूह 'ग' विभागीय प्रोन्नति समिति में निम्नलिखित होंगे:— (i) निदेशक (भारतीय अनाज भण्डारकरण संस्थान)—अध्यक्ष (ii) प्रशासन अधिकारी (भारतीय अनाज भण्डारकरण संस्थान)—सदस्य (iii) अवर सचिव, खाद्य विभाग—सदस्य	लागू नहीं होता	

8	9	10	11	12	13
				(4) निदेशक, भारतीय अनाज भण्डारकरण संस्थान द्वारा नाम- निर्दिष्ट अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन- जाति का एक राज- पत्रित अधिकारी, परन्तु यह नब, जबकि ऊपर वर्णित अधि- कारियों में से कोई इन समुदायों का न हो।	
				टिप्पणः—किसी भवस्थ की अनुपस्थिति में निदेशक समिति में सेवा करने के लिए किसी अन्य राजपत्रित अधिकारी की नियुक्ति कर सकता है) — सदस्य	

[सं० ए-12015/10/76/ई-6]

जानन राम, प्रवर सचिव

New Delhi, the 21st March, 1977

**G.S.R. 486.**—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Indian Grain Storage Institute, Hapur (Non-Gazetted Posts) Recruitment Rules, 1969, namely :—

- (1) These rules may be called the Indian Grain Storage Institute, Hapur (Non-Gazetted Posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1977.

- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Schedule to the Indian Grain Storage Institute, Hapur (Non-Gazetted Posts) Recruitment Rules, 1969,

- (i) for the word and figures "Class III" wherever it occurs the word and letter "Group C" shall be substituted ;
- (ii) against item 2 relating to the post of "Mech-cum-Operator", for the entries, the following shall be substituted, namely :—

## SCHEDULE

Name of post	No. of posts	Classification	Scale of pay	Whether selection post or non-selection post	Age Limit for direct recruits	Educational & other qualifications for direct recruits
1	2	3	4	5	6	7
Mech-cum-operator	8	General Central Service Class III (Non-Gazetted, Non-Ministerial)	Rs. 260-6-290-EB-6-326-8-366-EB-8-390-10-400	Selection	30 years	Essential : (a) Middle Class standard pass. (b) About 5 years practical experience in sheet metal and structural workshop; with power and hand tools/blacksmithing techniques/electrical welding and cutting/woodwork.

Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of Promotion	Period of probation if any	Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion or transfer percentage of the vacancies to be filled by various methods.	In case of recruitment by promotion/transfer, grades from which promotion to be made	If a DPC exists, what is its composition	Circumstances in which U.P.S.C. is to be consulted in making recruitment.
8	9	10	11	12	13
Age : No. Educational Qualification : Yes	2 years	75 % by promotion failing which by direct recruitment and 25 % by direct recruitment, Direct recruitment through employment Exchange.	Promotion from Khalasis with 3 years experience in the grade and having about 5 years practical experience in sheets metal and structural workshop with power and hand tools blacksmithing techniques/electrical welding and cutting/woodwork	Group 'C' Departmental Promotion Committee consisting of:— (i) Director (Indian Grain Storage Institute : —Chairman. (ii) Administrative Officer, (Indian Grain Storage Institute) : Member. (iii) Under Secretary, Department of Food : Member (iv) A Gazetted Officer nominated by the Director, Indian Grain Storage Institute belonging to Scheduled Caste/Scheduled Tribe, provided none of the above-mentioned officers belong to these Communities. (Note: In the absence of any member, Director may nominate any other Gazetted Officer to serve on the Committee : Member	Not applicable

[No. A-12015/10/76-E.V]  
CHANAN RAM, Under Secy.

(कृषि विभाग)

नई दिल्ली, 18 मार्च, 1977

सा.का.वि. 487.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, कृषि और मिठाई मंत्रालय (कृषि विभाग) में मुख्य इंजीनियर (जल प्रबन्ध) के पद पर भर्ती की पद्धति को विनियमित करने वाले निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ:—(1) इन नियमों का नाम कृषि विभाग, मुख्य इंजीनियर (जल प्रबन्ध) भर्ती नियम, 1977 है।
- (2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।



2. पद संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान :—उक्त पद की संख्या, उसका वर्गीकरण और उसका वेतनमान वे होंगे जो इन नियमों से उपाबद्ध अनुसूची के स्तम्भ 2 से 4 तक में विनिर्दिष्ट हैं।

3. भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, अर्हताएं आदि :—उक्त पद पर भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, अर्हताएं और उनसे संबंधित अन्य बातें वे होंगी जो पूर्वोक्त अनुसूची के स्तम्भ 5 से 13 तक में विनिर्दिष्ट हैं।

निरर्हताएं :—वह व्यक्ति—

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से, जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया हो,

उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा :

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का समाधान हो जाये कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के अधीन अनुज्ञेय है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार मौजूद है तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी।

5. व्यवृत्ति :—इन नियमों की कोई भी बात ऐसे आरक्षणों और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी, जिनका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में समय-समय पर निकाले गए आदेशों के अनुसार अनुमति प्राप्त जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य विशेष प्रवर्गों के व्यक्तियों के लिए उपबन्ध करना अपेक्षित है।

6. नियम शिथिल करने की शक्ति :—जहां केन्द्रीय सरकार की राय हो कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वहां वह, उसके लिए जो कारण हैं उन्हें लेखबद्ध करके तथा संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करके इन नियमों के किसी उपबन्ध को किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों की बाबत, आदेश द्वारा, शिथिल कर सकेगी।

#### अनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	चयन पद अथवा अचयन पद	सीधे भर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु-सीमा	भर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों के लिए शैक्षिक और अन्य अर्हताएं
1	2	3	4	5	6	7
मुख्य इंजीनियर (जल प्रबन्ध)	1 (एक)	साधारण केन्द्रीय सेवा, समूह 'क' राजपत्रित	2250-125/2-2500 रु०	लागू नहीं होना	लागू नहीं होना	लागू नहीं होना
सीधे भर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित आयु और शैक्षिक अर्हताएं प्रोत्तति की वशा में लागू होंगी या नहीं	परिपोषा की अवधि यदि कोई हो	भर्ती की पद्धति/भर्ती सीधे होगी या प्रोत्तति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों की प्रतिशतता	प्रोत्तति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की वशा में वे श्रेणियां जिनसे प्रोत्तति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया जायेगा	यदि विभागीय प्रोत्तति समिति है तो उसकी संरचना	भर्ती करने में किन परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाएगा	
8	9	10	11	12	13	
लागू नहीं होना	लागू नहीं होता	प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा	प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण : केन्द्रीय सरकार/राज्य सरकारों के अधीन मुख्य इंजीनियर या अधीक्षण इंजीनियर की पंक्ति के ऐसे अधिकारी, जिन्होंने उस रूप में 5 वर्ष सेवा की हो और जिनके पास सिबाई कार्य का (लघु सिबाई परियोजनाओं/बहुती नहरों सहित) अनुभव हो। (प्रतिनियुक्ति की अवधि साधारणतया 5 वर्षों से अधिक नहीं होगी)	लागू नहीं होता	किसी राज्य सरकार के अधिकारी की नियुक्ति के समय संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करना आवश्यक है।	

[सं० ए.120118/14/76 स्पा-5]

रूप राम, अवर सचिव

## (Department of Agriculture)

New Delhi, the 18th March, 1977

**G.S.R. 487.**—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Chief Engineer (Water Management) in the Ministry of Agriculture and Irrigation (Department of Agriculture), namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Department of Agriculture Chief Engineer (Water Management) Recruitment Rules, 1977.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number of the post, its classification and scale of pay.—The number of the said post, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed to these rules.

3. Method of recruitment, age limit, qualifications etc.—The method of recruitment, age limit, qualifications and other matters relating to the said post, shall be as specified in columns 5 to 13 of the Schedule aforesaid.

4. Disqualifications.—No person,—

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any persons shall be eligible for appointment to the said post :

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such persons and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservation and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

6. Power to relax.—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may by order, for reasons to be recorded in writing and in consultation with the Union Public Service Commission relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

## SCHEDULE

Name of Post	No. of posts	Classification	Scale of pay	Whether selection post or non-selection Post	Age limit for direct recruits	Educational and other Qualifications required for direct recruits
1	2	3	4	5	6	7
Chief Engineer (Water Management.	1 (One)	General Central Service Group 'A' Gazetted.	Rs. 2250-125/2-2500	Not applicable	Not applicable.	Not applicable.
Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of Promotees	Period of probation, if any	Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion or by deputation/transfer & percentage of the vacancies to be filled by various methods.	In case of recruitment by promotion/deputation/transfer, grades from which promotion/deputation/transfer to be made	If a DPC exists, what is its composition	Circumstances in which U.P.S.C. is to be consulted in making recruitment	
8	9	10	11	12	13	
Not applicable	Not applicable	By transfer on deputation	Transfer on deputation : Officers under the Central/ State Governments of the rank of Chief Engineers, or Superintending Engineers with 5 years' service as such, and possessing experience of irrigation works (including minor irrigation projects/ running canals). (Period of deputation shall ordinarily not exceed 5 years).	Not applicable	Consultation with the Union Public Service Commission is necessary while appointing a State Government officer.	

[No. A-12018/14/76-E.V.]  
RUP RAM, Under Secy.

नई दिल्ली, 21 मार्च, 1977

सं० का० वि० 488.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परम्परा द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए बनस्पति रक्षण, संगरोध तथा संवयन निदेशालय में केयर टेकर के पद पर भर्ती की पद्धति को विनियमित करने वाले निम्नलिखित नियम बनाते हैं अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ :—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम बनस्पति रक्षण, संगरोध तथा संवयन निदेशालय, (केयर टेकर) भर्ती नियम, 1977 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. पद संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान :—उक्त पद की संख्या, उसका वर्गीकरण और उसका वेतनमान वे होंगे जो इन नियमों में उपाबद्ध अनुसूची के स्तम्भ 2 से 4 तक में विनिर्दिष्ट हैं :

3. भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा और अर्हताएं आदि :—उक्त पद पर भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, अर्हताएं और उससे संबंधित अन्य बातें वे होंगी जो पूर्वोक्त अनुसूची के स्तम्भ 5 से 13 तक में विनिर्दिष्ट हैं :

परन्तु स्तम्भ 6 में विहित अधिकतम आयु-सीमा, केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर निकाले गए आदेशों के अनुसार, किसी भी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति या किसी अन्य विशेष प्रवर्ग के अभ्यर्थियों के संबंध में शिथिल की जा सकती।

4. निरर्हताएं :—वह व्यक्ति—

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से, जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया हो,

उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा :

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का समाधान हो जाए कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के अधीन अनुज्ञेय है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार मौजूब हैं तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकती।

6. शिथिल करने की शक्ति :—जहां केन्द्रीय सरकार की राय है कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वहां वह, उसके लिए जो कारण हैं उन्हें बढ़ा करके इन नियमों के किसी उपबंध को किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों की बाबत, आदेश द्वारा, शिथिल कर सकती।

7. व्याप्ति :—इन नियमों की कोई भी बात ऐसे आरक्षणों और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी, जिनका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में समय-समय पर निकाले गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य विशेष प्रवर्गों के व्यक्तियों के लिए उपबंध करना अपेक्षित है।

#### अनुसूची

कृषि विभाग बनस्पति रक्षण, संगरोध तथा संवयन निदेशालय, में केयर टेकर के पद के लिए भर्ती नियम

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	चयन पद अथवा अधचयन पद	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु-सीमा	भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए शैक्षिक और अन्य अर्हताएं
1	2	3	4	5	6	7
केयर टेकर	1	साधारण केन्द्रीय सेवा, समूह 'ग'	425-15-500-ब० रो०-15-560-20- 700 ब०	चयन	30 वर्ष	आवश्यक : किसी माध्यमताप्राप्त विश्वविद्यालय से कला या विज्ञान या वाणिज्य में स्नातक की उपाधि या सम-तुल्य। वांछनीय : किसी माध्यमताप्राप्त होस्टल/होटल/गैस्ट हाऊस के प्रबन्ध और वेधभाल का कुछ अनुभव।

सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित आयु और शैक्षिक प्रवृत्ताएं प्रोन्नति की वषा में लागू होंगी या नहीं	परिबीक्षा की अवधि यदि कोई हो	भर्ती की पद्धति/भर्ती सीधे होगी या प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जानी वाली रिक्तियों की प्रतिशतता	प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की दशा में वे श्रेणियां जिनसे प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया जाएगा	यदि विभागीय प्रोन्नति समिति है तो उसकी संरचना	भर्ती करने में किन परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाएगा
---	------------------------------	---	---	---	---

8	9	10	11	12	13
आयु—अनही शैक्षिक प्रवृत्ताएं—हां	2 वर्ष	प्रोन्नति द्वारा, जिसके न होने पर सीधी भर्ती द्वारा।	ऐसे उच्च श्रेणी लिपिक/भण्डार-रक्षक एवं लिपिक, जिन्होंने उस श्रेणी में पांच वर्ष सेवा की हो।	समूह 'ग' बनस्पति रक्षण, संगरोध तथा संचयन निदेशालय में निम्नलिखित होंगे— सचिव, केन्द्रीय कीट-नाशी बोर्ड—अध्यक्ष मुख्य प्रशासनिक अधिकारी—सदस्य सहायक निदेशक (बनस्पति संगरोध) —सदस्य प्रशासन निदेशक, बिपणन और निरीक्षण, निदेशालय—सदस्य प्रशासन अधिकारी— सदस्य सचिव	

[सं० 13-10/75-पी० पी० एस०]

New Delhi, the 21st March, 1977

**G.S.R. 488.**—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Caretaker in the Directorate of Plant Protection, Quarantine and Storage, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Directorate of Plant Protection, Quarantine and Storage (Caretaker) Recruitment Rules, 1977.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number, classification and scale of pay.—The number of the said post, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed to these rules.

3. Method of recruitment, age-limit, qualifications etc.—The method of recruitment, age-limit, qualifications and other matter relating to the said post shall be as specified in columns 5 to 13 of the Schedule aforesaid :

Provided that the upper age limit prescribed in column 6 may be relaxed in the case of the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

#### 4. Disqualification.—No person,—

- who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or
- who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to the said post :

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax.—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservations and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other Special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

## SCHEDULE

Recruitment Rules for the post of Caretaker in the Directorate of Plant Protection, Quarantine and Storage Department of Agriculture

Name of post	No. of posts	Classification	Scale of pay	Whether selection post or non-selection Post	Age limit for direct recruits	Educational and other Qualifications required for direct recruits
1	2	3	4	5	6	7
Caretaker	One	General Central Service, Group 'C'	Rs. 425-15-500-EB-15-560-20-700.	Selection	30 years.	Essential : Graduate in Arts or Science or Commerce from a recognised University or equivalent. Desirable : Some experience in the management and up-keep of recognised Hostel/Hotels/Guest Houses.
Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees	Period of probation, if any	Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion or by deputation/transfer & percentage of the vacancies to be filled by various methods	In case of recruitment by promotion/deputation/transfer grades from which promotion/deputation/transfer to be made	If a DPC exists, what is its composition	Circumstances in which UPSC is to be consulted in making recruitment	
8	9	10	11	12	13	
Age : No, Educational Qualifications : Yes.	Two years	By promotion, failing which, by direct recruitment.	Upper Division Clerks/Store-Keeper-cum-Clerks with five years' regular service in the grade	Group 'C'	Departmental Promotion Committee, in the Directorate of Plant Protection, Quarantine and Storage, consisting of Secretary, Central Insecticides Board —Chairman. Chief Administrative Officer —Member. Assistant Director (Plant Quarantine) —Member. Director of Administration, Directorate of Marketing and Inspection —Member. Administrative Officer —Member Secretary.	

नई दिल्ली, 22 मार्च, 1977

सा० ना० वि० 489.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, कृषि विमानन निदेशालय में ज्येष्ठ उपकरण यांत्रिक के पद पर भर्ती की पद्धति को विनियमित करने वाले निम्नलिखित नियम बनाते हैं अर्थात् :—

- संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ :—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम कृषि विमानन निदेशालय (ज्येष्ठ उपकरण यांत्रिक) भर्ती नियम, 1977 है।  
(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
- संख्या, वर्गीकरण और बेतनमान :—उक्त पद की संख्या, उसका वर्गीकरण और उसके बेतनमान वे होंगे जो इससे उपाबद्ध अनुसूची के स्तम्भ 2 से 4 तक में विनिर्दिष्ट हैं।
- भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा और अर्हताएं आदि :—उक्त पद पर भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, अर्हताएं और उससे संबंधित अन्य बातें वे होंगी जो पूर्वोक्त अनुसूची के स्तम्भ 5 से 13 तक में विनिर्दिष्ट हैं :

परन्तु स्तंभ 6 में विनिर्दिष्ट अधिकतम आयु-सीमा, अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और व्यक्तियों के अन्य विशेष प्रवर्गों के अभ्यर्थियों की दशा में केन्द्रीय सरकार द्वारा इस सम्बन्ध में समय-समय पर जारी किए गए आदेशों के अनुसार शिथिल की जा सकेगी।

4. निरर्हताएं :—वह व्यक्ति—

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से, जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया हो,

उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा :

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का समाधान हो जाए कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के अधीन अनुसंधेय है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार मौजूब हैं तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी।

5. शिथिल करने की शक्ति :—जहां केन्द्रीय सरकार की राय हो कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वहां वह, उसके लिए जो कारण हैं उन्हें लेखबद्ध करके तथा संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करके, इन नियमों के किसी उपबंध को किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों की बाबत, आदेश द्वारा, शिथिल कर सकेगी।

6. व्यावृत्ति :—इन नियमों की कोई भी बात ऐसे आरक्षणों और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी, जिनका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में समय-समय पर निकाले गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य विशेष वर्गों के व्यक्तियों के लिए उपबंध करना अपेक्षित है।

अनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	बेतनमान	चयन पद अथवा अचयन पद	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु-सीमा	भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए शैक्षिक और अन्य अर्हताएं
1	2	3	4	5	6	7
ज्येष्ठ उपकरण यांत्रिक	1	साधारण केन्द्रीय सेवा, समूह 'ख' भराज-पत्रित अलिपिक-वर्गीय	550-25-750-द० रो०-30-900 रु०	चयन	30 वर्ष से अधिक (सरकारी सेवकों के लिए शिथिल की जा सकती है) टिप्पणी :—आयु-सीमा अवधारित करने की निर्णायक तारीख, भारत में रहने वाले अभ्यर्थियों से (उनसे भिन्न जो अण्डमान और निकोबार द्वीप समूह और लक्षद्वीप में रहते हैं) आवेदन प्राप्त करने की अन्तिम तारीख होगी।	आवश्यक : (क) (1) किसी मान्यता प्राप्त संस्था से यंत्रीकरण/यांत्रिकी वैद्युत इंजीनियरी में डिप्लोमा (2) किसी मान्यताप्राप्त विमानन संगठन में यांत्रिक और वैद्युत उपकरणों को ओवरहाल करने का 3 वर्ष का अनुभव। या (ख) (1) भारतीय वायु सेवा में समूह 1. अपकरण मरम्मतकर्ता या भारतीय नौसेना में समतुल्य दस्तकार

1	2	3	4	5	6	7
						(2) वायुयान उपकरणों को भीषण-हाल करने में 3 वर्ष के अनुभव सहित उपर्युक्त श्रेणी में 8 वर्ष सेवा। (अर्हताएं अन्यथा सुअर्हित अभ्यर्थियों की दशा में संघ लोक सेवा आयोग के विवेकानुसार गिथिल की जा सकती है, विशेषकर अनुभव संबंधी अर्हता अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जनजातियों के अभ्यर्थियों के मामले में उनके लिए आरक्षित पदों के लिए शिथिल की जा सकती है)।

सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित आयु और शैक्षिक अर्हताएं प्रोन्नति की दशा में लागू होगी या नहीं	परिक्षा की अवधि, यदि कोई हो	भर्ती की पद्धति/भर्ती सीधे होगी या प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों का प्रतिफल	प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की दशा में वे श्रेणियां जिनसे प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया जाएगा	यदि विभागीय प्रोन्नति समिति है तो उसकी संरचना	भर्ती करने में किन परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाएगा
---	-----------------------------	---	---	---	---

8	9	10	11	12	13
नहीं	2 वर्ष	प्रोन्नति द्वारा, जिसके न होने पर सीधी भर्ती द्वारा	प्रोन्नति : ऐसे उपकरण यांत्रिक (380-560 व०) जिन्होंने उस श्रेणी में नियमित आधार पर नियुक्ति के उपरान्त 7 वर्ष सेवा की हो।	समूह 'ख' विभागीय प्रोन्नति समिति में निम्नलिखित होंगे:— 1. संयुक्त सचिव (प्रशासन)—अध्यक्ष 2. निदेशक, कृषि विमानन—सदस्य 3. उप सचिव (प्रशासन समन्वय) —सदस्य 4. अवर सचिव (प्राजपतित) स्थापना) —सदस्य टिप्पण :—जब विभागीय प्रोन्नति समिति को उस श्रेणी में पुष्टिकरण के मामले पर विचार करना हो तब संघ लोक सेवा आयोग के सदस्य या अध्यक्ष को सहयुक्त किया जाएगा और वह उसकी बैठक की अध्यक्षता करेगा।	सीधी भर्ती करते समय और सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्ति की पुष्टिकरण के समय संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श अवश्य किया जाएगा।

[सं० 25-5/75-पी० पी० एस०]

सी० सोहीनी, अवर सचिव

New Delhi, the 22nd March, 1977

**G.S.R. 489.**—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Senior Instrument Mechanic in the Directorate of Agricultural Aviation, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Directorate of Agricultural Aviation (Senior Instrument Mechanic) Recruitment Rules, 1977.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number, classification and scale of pay.—The number of the said post, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed to these rules.

3. Method of recruitment, age limit, qualifications, etc.—The method of recruitment, age limit, qualifications and other matters relating to the said post shall be as specified in columns 5 to 7 of the Schedule aforesaid :

Provided that the upper age limit specified for direct recruits in column 6 of the said schedule may be relaxed in the case of the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other

special categories of persons in accordance with orders issued by the Central Government from time to time.

4. Disqualification.—No persons,—

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person.

shall be eligible for appointment to the said post :

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax.—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing, and in consultation with the Union Public Service Commission, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservations and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

#### SCHEDULE

Name of post	No. of posts	Classification	Scale of pay	Whether selection post or non-selection post	Age limit for direct recruits	Educational and other qualifications required for direct recruits
1	2	3	4	5	6	7
Senior Instrument Mechanic.	1	General Central Service, Group 'B', Non-Gazetted, Non-Ministerial.	Rs. 550-25-750-EB-30-900.	Selection	Not exceeding 30 years. (Relaxable for Government Servants). Note : The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (other than those in Andaman and Nicobar Islands and Lakshadweep).	Essential : A. (i) Diploma in Instrumentation/Mechanical/Electrical Engineering of a recognised Institution. (ii) 3 years' experience in overhaul of Mechanical and Electrical Instruments in a recognised Aviation Organisation. Or B. (i) Group I Instruments Repairer in Indian Air Force or equivalent tradesman in Indian Navy. (ii) 8 years' service in the above grade, including a minimum of three years' experience in overhaul of aircraft instruments. (Qualifications relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in case of candidates otherwise well qualified; in particular, the qualification regarding experience is relaxable in case of candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes for posts reserved for them).



Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of Promotees	Period of probation, if any	Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion or by deputation/transfer & percentage of the vacancies to be filled by various methods	In case of recruitment by promotion, deputation/transfer, grades from which promotion/deputation/transfer to be made	If a DPC exists, what is its composition	Circumstances in which U.P.S.C. is to be consulted in making recruitment
8	9	10	11	12	13
No	2 years.	By promotion, failing which, by direct recruitment.	Promotion : Instrument Mechanic (Rs. 380-560) with 7 years' service in the grade rendered after appointment thereto on a regular basis.	Group 'B' Departmental Promotion Committee consisting of Joint Secretary (Administration)—Chairman Director of Agricultural Aviation —Member. Deputy Secretary (Administration Coordination) —Member Under Secretary (Non-Gazetted Establishment) —Member. Note : Whenever the Departmental Promotion Committee is to consider the case of confirmation in the grade, Chairman or a Member of the Union Public Service Commission shall be associated and he shall preside over the meeting of the Departmental Promotion Committee.	Consultation with the Union Public Service Commission necessary while making direct recruitment and confirmation of a direct recruit.

[No. 25-5/75-P.S.]  
C. S. SOHANI, Under Secy.

सं०को०नि० 490:—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, और सहायक निदेशक (उर्वरक संभलन) भर्ती नियम, 1968 को अधिकांश करने हुए, कृषि और सिंचाई मंत्रालय (कृषि विभाग) में सहायक निदेशक (उर्वरक संभलन) के पद पर भर्ती के पद्धति को विनियमित करने वाले निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ:—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम कृषि विभाग सहायक निदेशक (उर्वरक संभलन) भर्ती नियम, 1977 है।
- (2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
2. पद संख्या, उसका वर्गीकरण और वेतनमान:—उक्त पद की संख्या, उसका वर्गीकरण और उसका वेतनमान वे होंगे जो उक्त अनुसूची के स्तम्भ 2 से 4 में विनिर्दिष्ट हैं।

3. भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, अर्हताएं आदि:—उक्त पद पर भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, अर्हताएं और उससे सम्बन्धित अन्य बातें वे होंगी जो पूर्वोक्त अनुसूची के स्तम्भ 5 से 13 में विनिर्दिष्ट हैं।

4. निरर्हताएं:—वह व्यक्ति—

- (क) जिसे ऐसे व्यक्ति से, जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या
- (ख) जिसे अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया हो,

उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा :

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का समाधान हो जाए कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के अधीन अनुज्ञेय है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार मौजूद हैं तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी।

5. व्यावृत्ति:—इन नियमों की कोई भी बात ऐसे धारकों और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी, जिनका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस सम्बन्ध में समय-समय पर निकाले गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य विशेष प्रवर्गों के व्यक्तियों के लिए उपबन्ध करना अपेक्षित है।

6. शिथिल करने की शक्ति:—जहाँ केन्द्रीय सरकार की राय हो कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वहाँ वह, उसके लिए जो कारण हैं उन्हें लेखबद्ध करके तथा सच लोक सेवा आयोग से परामर्श करके, इन नियमों के किसी उपबन्ध को किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों की बावत, आदेश द्वारा शिथिल कर सकेगी।

## अनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	भर्तीकरण	वेतनमान	क्या केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियमों के नियम 30 के अधीन श्रुतश्रय सेवा के बाकी वर्षों का लाभ इस पद को लागू होगा	चयन पद्धति	सीधे भर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों के लिए शैक्षणिक और अन्य अर्हताएं	सीधे भर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों के लिए शैक्षणिक और अन्य अर्हताएं
1	2	3	4	5	6	7	8
सहायक निदेशक (उर्वरक संवर्धन)	तीन (कलकत्ता, मद्रास और नई दिल्ली, प्रत्येक स्थान पर एक एक)	साधारण केन्द्रीय सेवा समूह 'ख' राजपत्रित	650-30-740-35-810-६००-35-880-40-1000-६००-40-1200 रुपये	लागू नहीं होता	चयन	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता
सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित श्रुतश्रय और शैक्षणिक अर्हताएं प्रोन्नति की दशा में लागू होंगी या नहीं	परिवर्धन की अवधि यदि कोई हो	भर्ती की पद्धति/भर्ती सीधे होगी या प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों का प्रतिशत	प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की दशा में वे श्रेणियाँ जिनसे प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया जाएगा	यदि विभागीय प्रोन्नति सम्मति है तो उसकी संरचना	भर्ती करने में किन परिस्थितियों में सच लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाएगा		
9	10	11	12	13	14		
लागू नहीं होता	2 वर्ष	66 2/3 % प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा और 33 1/3 % प्रोन्नति द्वारा, जिसके न हो सकने पर प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा।	प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण : केन्द्रीय सरकार के अधीन मद्रास पद धारण करने वाले अधिकारी या ऐसे अधिकारी जिन्होंने 550-900 रु./425-700 रुपये के वेतनमान में क्रमशः 3/8 वर्ष नियमित सेवा की हो और जिन्हें रेल/सड़क/जल द्वारा कार्यों पर्यटन के संचालन/निकासी का क्रमशः 3/5 वर्ष का अनुभव हो (प्रतिनियुक्ति की अवधि 3 वर्ष से अधिक नहीं होगी) प्रोन्नति : संचालन निरीक्षक (गैर-प्रतिनियुक्ति, जिसमें उस श्रेणी में 3 वर्ष नियमित सेवा की हो)	समूह 'ख' विभागीय प्रोन्नति सम्मति, जिसमें निम्नलिखित होंगे : 1. प्रशासन का प्रभारी संयुक्त सचिव—अध्यक्ष 2. संयुक्त आयुक्त (उर्वरक/नोबलन और वितरण) या उसका नामित—सदस्य 3. आन्तरिक प्रशासन का प्रभारी निदेशक/उप-सचिव—सदस्य 4. आन्तरिक प्रशासन का प्रभारी अवसर सचिव—सचिव	आवश्यक नहीं		

[सं० ग० 12018/7/72-स्थापना-1]

रूप राम, प्रवर सचिव

G.S.R. 490.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution and in pursuance of Assistant Director (Fertilizer Movement) Recruitment Rules, 1968 the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the posts of Assistant Director (Fertiliser Movement) in the Ministry of Agriculture and Irrigation (Department of Agriculture), namely :—

## 1. Short title and commencement —

- (1) These rules may be called the Department of Agriculture [Assistant Directors (Fertiliser Movement)] Recruitment Rules, 1977.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.

2. Number of the posts, its classification and scale of pay.—The number of said post, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the said Schedule.

3. Method of recruitment, age limit, qualification etc.—The method of recruitment, age limit, qualifications and other matters relating to the said post, shall be as specified in columns 5 to 13 of the Schedule aforesaid.

## 4. Disqualifications.—No person,

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or
- (b) who having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to the said post.

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such persons and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservations and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

6. Power to relax :—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing and in consultation with the Union Public Service Commission, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

## SCHEDULE

Name of Post	No. of posts	Classification	Scale of pay	Whether the benefit of added years of service admissible under rule 30 of CCS (Pension) Rules is applicable to the post in question.	Whether Selection or Non-selection post	Age limit for direct recruits	Educational and other qualifications required for direct recruits
1	2	3	4	5	6	7	8
Assistant Director (Fertiliser Movement)	Three (One each at Calcutta, Madras and New Delhi).	General Central Service Group 'B' Gazetted.	Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200.	Not applicable	Selection	Not applicable	Not applicable

Whether age and educational qualifications prescribed for the direct recruits will apply in case of promotees	Period of probation, if any	Method of rectt. whether by direct rectt. or by promotion or by deputation/transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods	In case of recruitment by promotion/deputation/transfer, grades from which promotion/deputation/transfer to be made	If a Departmental Promotion Committee exists what is its composition	Circumstances in which U.P.S.C. is to be consulted in making recruitment
9	10	11	12	13	14
Not applicable	2 years	66½% by transfer on deputation/transfer, and 33½% by promotion failing which by transfer on deputation.	Transfer on deputation/transfer : Officers holding analogous posts or with 3/8 years' regular service in the scale of Rs. 550-900/Rs. 425-700 or equivalent respectively under the Central Government and having at least 3/5 years' experience respectively of movement/clearance of Cargo/Consignment by Railway/Road/Water. (Period of deputation shall ordinarily not exceed 3 years). Promotion : Movement Inspector (non-deputation with 3 years' regular service in the grade.	Group 'B' Departmental Promotion Committee, composed of :— 1. Joint Secretary incharge of Administration—Chairman 2. Joint Commissioner (Fertiliser Shipping & Distribution) or his nominee—Member 3. Director/Deputy Secy. incharge of internal Administration—Member 4. Under Secretary incharge of Internal Administration —Secretary.	Not necessary.

[No. A 12018/7/72—Estt.I]  
RUP RAM, Under Secy.

नई दिल्ली, 23 मार्च, 1977

New Delhi, the 23rd March, 1977

सांकांनि० 491.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, समन्वेषी मातृसकी परियोजना और उसके बेस (समूह क और समूह ख पदों पर भर्ती) नियम, 1959 में और संशोधन नियम, 1977 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. समन्वेषी मातृसकी परियोजना और उसके बेस (समूह क और समूह ख पदों पर भर्ती) नियम, 1959 की अनुसूची में, निदेशक के पद से संबंधित सद संख्या 1 के सामने, स्तम्भ 12 में की प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएगी, अर्थात् :—

“(1) संघ लोक सेवा आयोग का अध्यक्ष या सदस्य . . . . . अध्यक्ष

प्रशासन प्रभारी संयुक्त सचिव . . . . . सदस्य  
संयुक्त सचिव (मातृसकी) . . . . . सदस्य

[सं०-347/73-मा०(प्र०)]

भगन सिंह, अवर सचिव

**G.S.R. 491.**—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Exploratory Fisheries Project and its Bases (Recruitment to Group A and Group B Posts) Rules 1959, namely :—

1. (1) These rules may be called the Exploratory Fisheries Project and its Bases (Recruitment to Group A and Group B posts) Amendment Rules, 1977.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Schedule to Exploratory Fisheries Project and its Bases (Recruitment to Group A and Group B posts) Rules, 1959, against item No. 1 relating to the Post of Director, in

column 12 for the entry, the following entry shall be substituted, namely :—

“(i) Chairman or a Member Union Public

Service Commission .....Chairman

(ii) Joint Secretary in charge of Administration.....Member  
(iii) Joint Secretary (Fisheries).....Member.”

[No. 3-47/73-Fy (Admn)]

BHAGAT SINGH, Under Secy.

नई दिल्ली, 24 मार्च, 1977

सां. कां. निं. 492—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए साधारण केन्द्रीय सेवा, वर्ग 3 और वर्ग 4 पद (ट्रेक्टर प्रशिक्षण और परीक्षण केन्द्र, बुदनी) भर्ती नियम, 1962 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. (1) नियमों का नाम साधारण केन्द्रीय सेवा, वर्ग 3 और वर्ग 4 पद (ट्रेक्टर प्रशिक्षण और परीक्षण केन्द्र, बुदनी) भर्ती (संशोधन) नियम, 1976 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. साधारण केन्द्रीय सेवा, वर्ग 3 और वर्ग 4 पद (ट्रेक्टर प्रशिक्षण और परीक्षण केन्द्र, बुदनी) भर्ती नियम, 1962 की अनुसूची में निम्न श्रेणी लिपिक के पद के सामने स्तम्भ 3, 4 और 7 में की प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टियाँ रखी जाएँगी, अर्थात् :—

स्तम्भ 3 “समूह ‘ग’ ”  
स्तम्भ 4 “260-6-290-द०रो०-6-326-8-366-द०रो०-8-390-10-400 द०”  
स्तम्भ 7 “18 से 25 वर्ष”

1	2	3	4	5	6
क्रम संख्या	पद का नाम	वर्गीकरण	वेतनमान	चयन अथवा अचयन (केवल प्रोन्नति पद के लिए)	भर्ती की पद्धति/सीधी भर्ती/ भर्ती सीधे होगी या प्रोन्नति या स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों का प्रतिशत
चार	निम्न श्रेणी लिपिक	समूह ‘ग’	260-290-द०रो०-6-326- 8-366-द०रो०-8-390- 10-400 द०	—	केवल सीधी भर्ती के लिए
आयु सीमा	शैक्षिक योग्यता	परीक्षा की अवधि	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु और शैक्षिक अर्हताएं प्रोन्नत व्यक्तियों की दशा में लागू होगी या नहीं	प्रोन्नति/स्थानान्तरण की दशा में वे श्रेणियाँ जिनसे प्रोन्नति/ स्थानान्तरण किया जाएगा।	
7	8	9	10	11	
18 से 25 वर्ष	(क) मैट्रिकुलेशन या इस के समतुल्य (ख) टंकण 30 शब्द की गति। विकलांक व्यक्तियों को गृह मंत्रालय के कां० आ० सं० 15/8/61 स्था० (घ) तारीख 23-12-61 में यथा अधिकृत टंकण परीक्षण से छूट दी गई है।	2 वर्ष	—	—	

सं० 10-16/76-सं० (एस०)

पी० उ० टामग, अवर सचिव

New Delhi, the 24th March, 1977

G. S. R. 492—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the General Central Service Class III and Class IV posts (Tractor Training and Testing Station, Budni) Recruitment Rules, 1962, namely :—

1. (1) These rules may be called the General Central Service Class III and Class IV posts (Tractor Training and Testing Station, Budni) Recruitment (Amendment) Rules, 1977.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Schedule to the General Central Service Class III and Class IV posts (Tractor Training and Testing Station, Budni) Recruitment Rules, 1962, against the post of Lower Division Clerk, for the entries in column 3, 4 and 7 the following entries shall be substituted namely :—

Col.3—“Group ‘C’”

Col. 4—“Rs. 260-6-290-EB-6-326-8-366-EB-8-390-10-400”

Col. 7—“18 to 25 years.”

## SCHEDULE

Sl. No.	Name of post	Classification	Scale of pay	Whether selection or non-selection (for promotion post only)	Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion or transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods For direct recruitment only	Age limit
1	2	3	4	5	6	7
4.	Lower Division Clerks.	Group 'C'	Rs. 260-6-290-EB-6-326-8-366-EB-8-390-10-400	—	Direct recruitment	18 to 25 year
Educational qualification		Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees		Period of probation	In the case of promotion/transfer grade from which promotion/transfer to be made.	
8		9		10	11	
Essential :—		—		Two years	—	
(a) Matriculation or its equivalent.						
(b) 30 words speed in typewriting. Physically handicapped persons exempted from typing test as laid down in Ministry of Home Affairs P.M. No. 15/8/61-Estt. (D), dated 23-12-1961.						

नई दिल्ली, 25 मार्च, 1977

सं० का० नि० 493—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परमपुत्र द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, दिल्ली दुग्ध योजना (वर्ग 3 और वर्ग 4 पद) भर्ती नियम 1963, में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम दिल्ली दुग्ध योजना (वर्ग 3 और वर्ग 4 पद) भर्ती (संशोधन) नियम 1976 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. दिल्ली दुग्ध योजना (वर्ग 3 और वर्ग 4 पद) भर्ती नियम, 1963 की अनुसूची में अपराधी के पद से सम्बन्धित प्रविष्टियों के सामने :—

(i) स्तंभ 5 में, विद्यमान प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएगी, अर्थात् :—

“18-25 वर्ष (सरकारी सेवकों के लिए शिथिल की जा सकती है)”

(ii) स्तंभ 8 में विद्यमान प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएगी, अर्थात् :—

“2 वर्ष”

(iii) स्तंभ 9 में विद्यमान प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएगी, अर्थात् :—

“25 प्रतिशत स्थानान्तरण द्वारा जिसके न हों सकने पर सीधी भर्ती द्वारा; 75 प्रतिशत सीधी भर्ती द्वारा”

[No. 10-16/76-MY(S)]

P. U. THOMAS, Under Secy.

(iv) स्तंभ 10 में विद्यमान प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएगी अर्थात् :—

“25 प्रतिशत रिक्तियाँ ऐसे मेट, झाड़ूकण आदि में से स्थानान्तरण द्वारा भरी जाएंगी जिन्होंने दिल्ली दुग्ध योजना में उस श्रेणी में 5 वर्ष सेवा की हो, और जो सीधी भर्ती के लिए निर्धारित योग्यताएँ न भी रखते हों, किन्तु प्रारम्भिक रूप में साक्षर हों और हिन्दी पढ़ने की योग्यता रखते हों, उन्हें साधारण लिखित परीक्षा अवश्य पास करनी होगी।

[सं० 3-17/76-एल० जी० 1]

जगदीश प्रकाश भटनागर, अवर सचिव

New Delhi, the 25th March, 1977

**G.S.R. 493.**—In exercise of powers conferred by the proviso to Article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rule further to amend the Delhi Milk Scheme (Class III and Class IV posts) Recruitment Rules, 1963, namely :—

1. (1) These rules may be called the Delhi Milk Scheme (Class III and Class IV posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1976.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Schedule to the Delhi Milk Scheme (Class III and Class IV posts) Recruitment Rules, 1963, against the entries relating to the post of Peons,—

(i) in column 5, for the existing entry, the following entry shall be substituted, namely :—

“18-25 years (Relaxable for Government servants)”;

(ii) in column 8, for the existing entry, the following entry shall be substituted, namely :—

“2 years”;

(iii) in column 9, for the existing entry, the following entry shall be substituted, namely :—

“25% by transfer, failing which, by direct recruitment; 75 per cent by direct recruitment”;

(iv) in column 10, for the existing entry, the following entry shall be substituted, namely :—

“25 per cent of the vacancies shall be filled by transfer of Mates, Sweepers etc. with 5 years' service in the grade in Delhi Milk Scheme, who may not be possessing the qualifications prescribed for direct recruitment to the post but who may be possessing elementary literacy and have ability to read in Hindi, subject to the passing of simple written test”.

[No. 3-17/76-L.D.I.]

J. P. BHATNAGAR, Under Secy.

सा० का० नि० 494.—राष्ट्रपति, सविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, दिल्ली दुग्ध योजना (वर्ग 1 और वर्ग 2 पद) भर्ती नियम, 1963 में और संशोधन करने के लिए, निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम दिल्ली दुग्ध योजना (वर्ग 1 और वर्ग 2 पद) भर्ती (संशोधन) नियम, 1976 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. दिल्ली दुग्ध योजना (वर्ग 1 और वर्ग 2 पद) भर्ती नियम, 1963 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त नियम कहा गया है) में, “वर्ग 1” और “वर्ग 2” शब्दों और श्रंको के स्थान पर, जहाँ कहीं वे आए हैं, क्रमशः “समूह ‘क’” “वर्ग 2” शब्दों और श्रंको के स्थान पर, जहाँ कहीं वे आए हैं, क्रमशः “समूह ‘क’” और “समूह ‘ख’” शब्द और अक्षर रखे जायेंगे।

3. उक्त नियमों की अनुसूची में, प्रशासन अधिकारी के पद से संबंधित मद 3 और उससे सम्बन्धित प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित सब और प्रविष्टियाँ रखी जाएंगी, अर्थात् :—

1	2	3	4	5	6	7
3 प्रशासन अधिकारी	दो	साधारण केन्द्रीय सेवा, समूह 'ख' राज-पत्रित	840-40-1000-ब० रो०-40-1200ब०	जयन	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता
8	9	10	11	12	13	
नहीं	2 वर्ष	प्रोन्नति द्वारा, जिसके न हो सकने, पर प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण	प्रोन्नति : ऐसा सहायक प्रशासन अधिकारी, जिसने उस श्रेणी में 3 वर्ष नियमित सेवा की हो, जिसके न हो सकने पर सहायक प्रशासन अधिकारी और कार्यालय अधीक्षक की श्रेणियों में सम्मिलित रूप से 6 वर्ष नियमित सेवा की हो, और सहायक प्रशासन अधिकारी तथा अधीक्षक के प्रथम निजी सहायक की श्रेणियों में सम्मिलित रूप से 8 वर्ष नियमित सेवा की हो। प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण : केन्द्रीय सचिवालय सेवा के वे अधिकारी, जिन्होंने अनुभाग अधिकारी की श्रेणी में 5 वर्ष नियमित सेवा की हो। (प्रतिनियुक्ति की अवधि साधारणतया 3 वर्ष से अधिक नहीं होगी)	समूह 'ख' विभागीय प्रोन्नति समिति, जिसमें निम्नलिखित होंगे : 1. सदस्य, संघ लोक सेवा आयोग-अध्यक्ष 2. प्रशासन प्रभारी संयुक्त सचिव (वह संघ लोक सेवा आयोग के सदस्य की अनु-स्थिति में अध्यक्ष के रूप से भी कार्य करेंगे)-सदस्य 3. संबंधित प्रभाग का उप सचिव-सदस्य 4. संलग्न/अधीनस्थ कार्यालय का प्रधान या उसका नामनिर्दि-शित, जब पद ऐसे कार्यालय के हो-सदस्य 5. प्रशासन प्रभारी, उप सचिव-सदस्य 6. संबंधित स्थापन का प्रभारी और सचिव-सचिव	संघ लोक सेवा आयोग (परामर्श में छूट) 1958 के अधीन यथापेक्षित	

[स० 3-34/74-एल० डी० 1]

ज० पी० भटनागर, अवर सचिव

**G.S.R. 494.**—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Delhi Milk Scheme (Class I and Class II posts) Recruitment Rules, 1963, namely:—

1. (1) These rules may be called the Delhi Milk Scheme (Class I and Class II Posts (Recruitment) Amendment) Rules, 1977.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.

2. In the Schedule of the Delhi Milk Scheme (Class I and Class II Posts) Recruitment Rules, 1963, for item 3 relating to the post of Administrative Officer and the entries relating thereto, the following item and entries shall be substituted, namely :—

1	2	3	4	5	6	7
3. Administrative Officer	Two	General Central Service, Group 'B' Gazetted.	Rs. 840-40-1000-EB-40-1200	Selection	Not applicable	Not applicable
8	9	10	11	12	13	
No	Two years	By promotion, failing which, by transfer on deputation.	<p>Promotion :</p> <p>Assistant Administrative Officers with 3 years' regular service in the grade, failing which, with 6 years regular service in the grade of Assistant Administrative Officer and Office Superintendent combined together and 8 years' regular service in the grade of Assistant Administrative Officer and First Personal Assistant to Chairman combined together.</p> <p>Transfer on deputation :</p> <p>Officers of the Section Officers' Grade of the Central Secretariat Service with 5 years' regular service in the grade (period of deputation ordinarily not exceeding 3 years).</p>	<p>Group 'B' Departmental Promotion Committee consisting of :—</p> <p>1. Member, Union Public Service Commission.</p> <p>—Chairman</p> <p>2. Joint Secretary, Incharge of Administration (He shall also act as Chairman when Member, Union Public Service Commission does not attend)</p> <p>—Member</p> <p>3. Deputy Secretary of the Division concerned—Member</p> <p>4. Head of the Attached/Subordinate Office or his nominee when post belongs to such Office.</p> <p>—Member</p> <p>5. Deputy Secretary, In-charge of Administration—Member</p> <p>6. Under Secretary, Incharge of establishment concerned</p> <p>—Secretary.</p>	As required under the Union Public Service Commission (Exemption from Consultation) Regulations 1958.	

## (सिवाई विभाग)

नई दिल्ली, 26 मार्च, 1977

सांकांनि० 495.—संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति एतद्वारा केन्द्रीय जल इंजीनियरी (श्रेणी-एक) सेवा नियम, 1965 में और आगे संशोधन करते हैं, अर्थात्—

1. (1) इन नियमों को केन्द्रीय जल इंजीनियरी (श्रेणी-एक) सेवा संशोधन) नियम, 1977 कहा जाएगा।

(2) ये नियम उनके सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

2. केन्द्रीय जल इंजीनियरी (श्रेणी-एक) सेवा नियम, 1965 में (जिन्हें एतस्मिन् पश्चात् उक्त नियम कहा गया है)

(क) नियम 2, खण्ड (क) में "केन्द्रीय जल और विद्युत आयोग (जल स्कन्ध)" शब्दों और कोष्ठकों के स्थान पर "केन्द्रीय जल आयोग" शब्द रखे जाएंगे ;

(ख) नियम 6, उप-नियम (1) से (4) तक की क्रम संख्या को बदल कर उप-नियम (2) से (5) तक कर दिया जाएगा, और इस प्रकार बदल कर बनाए गए उप-नियम (2) से पहले निम्नलिखित उप-नियम रखा जाएगा, अर्थात्—

"(1) अध्यक्ष, गंगा बाढ़ नियंत्रण आयोग और सदस्य, केन्द्रीय जल आयोग के पद एक ही ग्रेड के होंगे और उन्हें परस्पर अदला-बदला जा सकेगा।"

उक्त नियमों की अनुसूची 1 में, क्रम संख्या 10 के सामने, पदों के नाम से संबंधित दूसरे कालम की प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि की जाएगी अर्थात्—

"सदस्य, केन्द्रीय जल आयोग/अध्यक्ष, गंगा बाढ़ नियंत्रण आयोग"

[सं० 4/77-एफ-39/3/76-प्रशा०-1]

मुकेश चन्द, अवसर सचिव

## (Department of Irrigation)

New Delhi, the 26th March, 1977

G.S.R. 495.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Central Water Engineering (Class I) Service Rules, 1965, namely :—

1. (1) These rules may be called the Central Water Engineering (Class I) Service (Amendment) Rules, 1977.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Central Water Engineering (Class I) Service Rules, 1965 (hereinafter referred to as said rules),

(a) in rule 2, in clause (a), for the words and brackets "Central Water and Power Commission (Water Wing)", the words "Central Water Commission" shall be substituted;

(b) in rule 6, sub-rules (1) to (4) shall be renumbered as sub-rules (2) to (5) thereof, and before sub-rule

(2), as so re-numbered, the following sub-rule shall be inserted, namely :—

"(1) The posts of Chairman, Ganga Flood Control Commission and Member, Central Water Commission shall be of one grade and inter-changeable with each other."

3. In Schedule 1 to the said rules, against Serial No. 10, for the entry in the second column pertaining to the name of posts, the following entry shall be substituted, namely :—

"Member, Central Water Commission/Chairman, Ganga Flood Control Commission."

[No. 4/77-F. 39/3/76-Adm. I]  
MUKESH CHAND, Under Secy.

## संस्कृति विभाग

नई दिल्ली, 29 जनवरी, 1977

सांकांनि० 496.—संविधान के अनुच्छेद 309 के उपबन्धों द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति एतद्वारा राष्ट्रीय संग्रहालय (श्रेणी-3 और श्रेणी-4) पद भर्ती नियम, 1971 को और आगे संशोधित करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्—

1. (1) इन नियमों को राष्ट्रीय संग्रहालय (श्रेणी-3 तथा श्रेणी-4 पद) भर्ती (संशोधन) नियम, 1977 कहा जाए।

(2) सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से ये लागू होंगे।

2. राष्ट्रीय संग्रहालय (श्रेणी-3 तथा श्रेणी-4 पद) भर्ती नियम, 1971 की अनुसूची में, कालम 12 में अपराधियों के पदों से संबंधित प्रविष्टि के बीच क्रम संख्या 43 के सामने निम्नलिखित शामिल किया जाएगा, अर्थात्—

"वर्षों कि रिक्त स्थानों में से 25 प्रतिशत स्थान उन ब्राह्मणों, कर्माओं और चौकीदारों से स्वतन्त्रता द्वारा भरा जाएगा, जिन्होंने कम से कम 5 वर्ष की सेवा पूरी कर ली हो और जिनके पास प्रारम्भिक साक्षरता हो तथा जो हिन्दी पढ़ने की सक्षमता का प्रमाण दे"।

[सं० एफ० 2-15/75-सी०ए० 1(5)]  
जे० एम० गुप्तानी, महायुक्त शिक्षा सलाहकार

## DEPARTMENT OF CULTURE

New Delhi, the 29th January, 1977

G.S.R. 496.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the National Museum (Class III and Class IV posts) Recruitment Rules, 1971, namely :—

1. (1) These rules may be called the National Museum (Class III and Class IV posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1977.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.



2. In the Schedule to the National Museum (Class III and Class IV posts) Recruitment Rules, 1971, against serial No. 43 relating to the posts of peons below the entry in column 12, the following shall be inserted, namely:—

“Provided that 25% of the vacancies shall be filled up by transfer from sweepers, farashes, chowkidars who have put in a minimum of 5 years' service and possess elementary literacy and give proof of ability to read in Hindi”.

[No. F. 2-15-75-CAI(5)]

J. M. GUGNANI, Asstt. Educational Adviser.

### पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय

नई दिल्ली, 11 मार्च, 1977

सांकांनि० 497.—राष्ट्रपति, मंत्रिपरिषद् के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, पर्यटन संगठन (समूह 'क' पद) भर्ती नियम, 1971 में श्रीर संशोधन करने के लिये निम्नलिखित नियम बनाने हैं, अर्थात्:—

1. (1) इन नियमों का नाम पर्यटन संगठन (समूह 'क' पद) भर्ती (संशोधन) नियम, 1977 होगा।
- (2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
2. पर्यटन संगठन (समूह 'क' पद) भर्ती नियम, 1971 में स्पष्ट 11 में प्रतिनिधित्व पर स्वातन्त्र्य शीर्ष के अन्तर्गत 'भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी' के स्थान पर 'श्रेष्ठ भारतीय सेवाओं के अधिकारी' शब्द प्रतिस्थापित किए जाएंगे।

[सं० 7-टी०ए०II 1/69(पर्यटन)]

बानु राम अग्रवाल, उप सचिव

### MINISTRY OF TOURISM AND CIVIL AVIATION

New Delhi, the 11th March, 1977

**G.S.R. 497.**—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Tourist Organisation (Group 'A' post) Recruitment Rules, 1971, namely:—

1. (1) These rules may be called the Tourist Organisation (Group 'A' post) Recruitment (Amendment) Rules, 1977.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
2. In the Tourist Organisation (Group 'A' post) Recruitment Rules, 1971, in column 11, under the heading "Transfer on deputation, for the words "Officers of I.A.S." the words "Officers of the All India Services" shall be substituted.

[No. 7-TAII (1)-69(Tourism)]

BANU RAM AGGARWAL, Dy. Secy.

### नौवहन व परिवहन मंत्रालय

(परिवहनपक्ष)

नई दिल्ली, 19 मार्च, 1977

सांकांनि० 498.—राष्ट्रपति, मंत्रिपरिषद् के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, नव मंगलौर पत्तन (चिकित्सा अधिकारी, सिविल महायुक्त सर्जन की श्रेणी) भर्ती नियम, 1976 में संशोधन करने के लिये निम्नलिखित नियम बनाने हैं, अर्थात्:—

1. (1) इन नियमों का मक्षिप्य नाम नव मंगलौर पत्तन (चिकित्सा अधिकारी सिविल महायुक्त सर्जन की श्रेणी) भर्ती (संशोधन) नियम, 1977 है।
- (2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

1GI/77—7

2 नव मंगलौर पत्तन (चिकित्सा अधिकारी, सिविल महायुक्त सर्जन की श्रेणी) भर्ती नियम, 1976 में अनुसूची के स्तंभ 4 में "एवं पुनर्शिक्षित दर्जे पर व्यवसाय निषेध भत्ता" शब्दों पर "एवं इस विषय पर भारत सरकार के आदेश के अनुसार व्यवसाय निषेध भत्ता" शब्द रखे जाएंगे।

[सं० पी०ई०एल०(15)/77]

डी०सी० अहिर, अवर सचिव

### MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT

(Transport Wing)

New Delhi, the 19th March, 1977

**G.S.R. 498.**—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules to amend the Port of New Mangalore (Medical Officer—of Civil Assistant Surgeon's Grade) Recruitment Rules, 1976, namely:—

1. (1) These rules may be called the Port of New Mangalore (Medical Officer—of Civil Assistant Surgeon's Grade) Recruitment (Amendment) Rules, 1977.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
2. In the Port of New Mangalore (Medical Officer—of Civil Assistant Surgeon's Grade) Recruitment Rules, 1976, in the entry in Column 4 of the Schedule, for the words "plus non-practising Allowance at revised rates" the words "plus non-practising allowance as per the orders of the Government of India on the subject", shall be substituted.

[No. PEI(15)/77]

D. C. AHIR, Under Secy.

नई दिल्ली, 25 मार्च, 1977

सांकांनि० 499.—नव तूतीकोरिन महा पत्तन नियम, 1976 के प्राक्क, भारतीय पत्तन अधिनियम, 1908 (1908 का 15) की धारा 6 की उपधारा (2) की अपेक्षानुसार, भारत सरकार के नौवहन और परिवहन मंत्रालय (परिवहन पक्ष) की अधिसूचना संख्या सांकांनि० 728, तारीख 7 मई, 1976 के अन्तर्गत, भारत के राजपत्र, भाग 2 खण्ड 3, उपखण्ड (1), तारीख 29 मई, 1976 में पृष्ठ 1416 से 1434, पर प्रकाशित किया गया था, जिसमें उक्त अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से साठ दिन की अवधि की समाप्ति तक उन सभी व्यक्तियों से आक्षेप और सुझाव मांगे गये थे, जिनके उक्तमें प्रभावित होने की सम्भावना थी।

और उक्त राजपत्र 14 जून, 1976 को जनता की उपलब्ध करा दिया गया था।

और उक्त अवधि की समाप्ति के पृथक् उक्त प्राक्क की बाबत किसी व्यक्ति ने कोई आक्षेप या सुझाव प्राप्त नहीं हुए थे,

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम, की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निम्नलिखित नियम बनाने हैं, अर्थात्:—

### भाग —1 प्रारम्भिक

1. मक्षिप्य नाम, प्रारम्भ और शीर्ष शीर्ष (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम नव तूतीकोरिन महा पत्तन नियम, 1977 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

(3) ये नियम, जब तक कि इन नियमों में अन्यथा उपबन्धित न हो, नव तूतीकोरिन महा पत्तन की स्थानीय सीमाओं के भीतर ही लागू होंगे।

2. परिभाषाएँ :—इन निदर्शों में, जब तक कि संदर्भ में अन्यथा प्रवेष्टित न हो,—

- (क) "अधिनियम" से भारतीय पत्तन अधिनियम, 1908 (1908 का 15) अभिप्रेत है,
- (ख) "संरक्षक" से अधिनियम के अधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा नव तृतीकोरित महापत्तन के लिये नियुक्त किया गया संरक्षक अभिप्रेत है,
- (ग) "खतरनाक माल" से भारतीय वाणिज्य पोत परिवहन (खतरनाक माल का वहन) नियम, 1954 में यथा परिभाषित माल अभिप्रेत है,
- (घ) "खतरनाक पैट्रोलियम" से ऐसा पैट्रोलियम अभिप्रेत है, जिसका प्रज्वलन बिन्दु 24.4 डिग्री सेंटीग्रेड से कम हो,
- (ङ) "उपसंरक्षक" से पत्तन का समुद्री विभाग का प्रधान अभिप्रेत है और इसमें इस निमित्त समुद्री विभाग के प्रधान द्वारा सम्यक्तः प्राधिकृत वन्दरगाह मास्टर या पायलट भी है,
- (च) "हैथन तेल" से ऐसा पैट्रोलियम तेल अभिप्रेत है जिसका प्रज्वलन बिन्दु 65.6 डिग्री सेंटीग्रेड से कम न हो और जिसका प्रयोग सामान्य रूप से इंजनों और मट्टियों में हैथन के रूप में किया जाता है,
- (छ) माल के संबंध में "स्वामी" में कोई पोषक, परेषिती, ऐसे माल के विक्रय, अभिरक्षा, लदान या उतगई के लिये पोषक या अधिकर्ता भी हैं, और उत्तन का प्रयोग करने वाले किसी जलयान के संबंध में स्वामी में कोई भागिक स्वामी, भाड़े पर लेने वाला, परिषिती या एकत्रा बन्धकदान भी है,
- (ज) "पैट्रोलियम" से द्रव हाइड्रोकार्बन या हाइड्रोकार्बन मिश्रण और ऐसे ज्वलनशील मिश्रण (द्रव, गंधान या टोम) अभिप्रेत है उसमें द्रव, हाइड्रोकार्बन हों किन्तु जिसमें स्नेहक प्रयोजन के लिये साधारणतः प्रयुक्त होने वाला कोई तेल नहीं है और जिसका प्रज्वलन बिन्दु 93.3 डिग्री सेंटीग्रेड पर या उससे ऊपर है,
- (झ) "पत्तन" से नव तृतीकोरित महापत्तन अभिप्रेत है,
- (ञ) "पत्तन प्राधिकारी" से केन्द्रीय सरकार द्वारा नियुक्त नव तृतीकोरित महापत्तन का संरक्षक अभिप्रेत है और इसमें पत्तन का अन्य कोई अधिकारी भी आता है, जो संरक्षक, नव तृतीकोरित महापत्तन, के प्राधिकार के अधीन कार्य कर रहा हो,
- (ट) "टैंकर" ऐसा स्थोरा पोत है जिसे ज्वलनशील प्रवृत्ति के द्रव स्थोराओं की प्रपञ्चमात्रा से वहन करने के लिये निमित्त किया हो या अनुकूल बनाया हो,
- (ठ) "यातायात प्रबन्धक" से ऐसा अधिकारी अभिप्रेत है जो पत्तन के यातायात प्रचालन का भारमाधन अधिकारी हो और इसमें उप यातायात प्रबन्धक और सहायक यातायात प्रबन्धक और ऐसे अन्य कोई अधिकारी भी हैं जो यातायात प्रबन्धक के प्राधिकार के अधीन कार्य कर रहे हों।

#### भाग 2—पत्तन में जलयानों का प्रवेश

3. किसी जलयान की प्रत्याशित आगमन की सूचना :—(1) (क) जब किसी जलयान के आगमन की प्रत्याशा है, तब आगमन के प्रत्याशित समय से कम से कम 48 घंटे पूर्व उसके अधिकर्ता एक सूचना यातायात प्रबन्धक को भेजेंगे तथा उसकी एक प्रति उपसंरक्षक को भेजेंगे,

(ख) ऐसी सूचना के (विशिष्ट बर्थों, भारी लिफ्ट क्रैनों अथवा धनुषों की बाबत विशेष प्रेषण उपदेशित की जायेगी। पत्तन पर उतारे जाने वाले स्थोरा तथा विशेष स्थोरा के मर्दों और भारी लिफ्टों की बाबत विस्तृत विनिर्दिष्टों उनके नौभाड़े सहित पृथक्तः दक्षित किये जायेंगे और प्रत्येक बान्ध-बार पर स्थोरा के घिनरण के बारे में सूचना या तो जलयानों की आगमन सूचना के साथ संलग्न की जायेगी या जलयान के आगमन के कम से कम 24 घंटे पूर्व भेजी जायेगी और यह सूचना तीन प्रतिधियों में होगी।

(2) प्रत्याशित जलयानों के अधिकर्ता, स्वयं अपने हित में, यातायात प्रबन्धक से समय पर सम्पर्क स्थापित करेंगे और यातायात प्रबन्धक को ऐसे स्थोरा की जिसकी बाबत वे कार्य करना चाहते हैं, प्रकृति, मात्रा या भाड़े आदि के संबंध में सभी जानकारी तथा जलयान की बाबत ऐसी जानकारी भी जो उसे उपयुक्त बर्थ पर लगाने के लिये आवश्यक हो, की बाबत अवगत करायेंगे।

4. बर्थ का आबंटन :—(1) कोई जलयान, पत्तन में किसी बर्थ का बाधा तब तक नहीं करेगा जब तक कि यातायात प्रबन्धक द्वारा उसे यह विशेषतया आबंटित नहीं किया गया हो और उपसंरक्षक द्वारा ऐसे आबंटन की सूचना न दी गयी हो।

(2) पत्तन के किसी बर्थ का आबंटन तब तक अनन्तित माना जायेगा जब तक कि जलयान अस्तुतः पत्तन में प्रवेश करने के लिये तैयार नहीं हो जाता है और यातायात प्रबन्धक के समाधान प्रथम में ऐसे बर्थ के लिये उसकी उपयुक्तता और अधिकार स्थापित नहीं हो जाता है।

5. कतिपय जलयानों के लिये पूर्विकता :—बर्थों का आबंटन यातायात प्रबन्धक के विवेकानुसार होगा और अत्यावश्यकता के अनुसार संकेतक केन्द्र द्वारा पहने देखे गये और पहचाने गये जलयान को पूर्विकता दी जायेगी :

परन्तु सरकारी जलयान जो सैन्यदल को चढ़ा रहा हो या उतार रहा हो, यात्री जलयान और अन्य वर्ग के जलयान जिन्हें संरक्षक समय-समय पर इस निमित्त घोषित करे, घाट पर लगाने के लिये अत्यन्त पूर्विकता के लिये पात्र होंगे।

6. बर्थ आबंटित करने से इनकार :—यदि यातायात प्रबन्धक यह समझता कि पत्तन में किसी जलयान को प्रवेश न करने के लिये अच्छा और पर्याप्त कारण है, तो वह मामले को उपसंरक्षक को निविष्ट कर सकेगा और उपसंरक्षक के विनिश्चय होने तक वह बर्थ आबंटित करने से इनकार कर सकेगा।

7. जलयान मास्टर के समदिशन में होंगे :—किसी जलयान को पत्तन में प्रवेश करने या उसे छोड़ने के लिये या उसे पत्तन में एक बर्थ से दूसरे बर्थ पर ले जाये जाने के लिये तब तक अनुज्ञात नहीं किया जायेगा जब तक कि मास्टर पर फलक न हो :

परन्तु विशेष परिस्थितियों में, अर्थात् मास्टर की मृत्यु या संभोग बीमारी की वशा में, उपसंरक्षक से परामर्श करके विशेष इन्तजाम किये जा सकेंगे।

8. उपसंरक्षक के आदेशों आदि का पालन किया जायेगा :—जलयानों के मास्टर और स्वामी चक्रातुक्क के संबंध में तथा जलयान कितनी बार पत्तन द्वार पर पहुँचते हैं और उसमें प्रवेश करने हैं या उसके बाहर जाते हैं, इस संबंध में, उपसंरक्षक के सभी निदेशों का पालन करेंगे।

9. पत्तन में प्रवेश करना या उसे छोड़ना :—सूर्योदय और सूर्यास्त के बीच पत्तन में प्रवेश करने वाले या उसे छोड़ने वाले सभी समुद्र

गामी जलयान अपने राष्ट्रीय ध्वज फहरायेगे और जब वे पत्तन में प्रवेश कर रहे हों तब प्रत्येक जलयान अपना संकेत अक्षर फहरायेगा।

10. जलयानों का मार्गदर्शन :—(1) अधिनियम के उपबन्धों और उपनियम (2) में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए, मार्गदर्शन सभी जलयानों के लिये अनिवार्य है जिसमें वे जलयान नहीं आते हैं जिन्हें उप संरक्षक द्वारा या इस निमित्त उसके द्वारा विनियमन सशक्त किसी अन्य अधिकारी द्वारा विनिर्दिष्टता छूट दे दी गयी हो।

(2) उप नियम (1) में विनिर्दिष्ट शर्तें निम्नलिखित रूप में हैं, अर्थात् :—

(क) मास्टर, पायलट की क्वालिफिकेशन फलक पर खतरनाक माल, पोत का डाफ्ट और पोत में कार्यकरण संबंधी बातों की वास्तव सभी जानकारी देगा और मार्गदर्शन और घाट लगाने या घाट से हटाने का कार्य पूरा होने पर, पायलट द्वारा प्रस्तुत किये गये विनिर्दिष्ट प्राहपो में प्रमाणपत्र पूरा करेगा और उन्हें हस्ताक्षरित करेगा।

(ख) बाहर जाने वाले ऐसे जलयान की वषा में, जो अपरिहार्य कारणों से खण्ड (क) में विनिर्दिष्ट सीमाओं के बाहर, पायलट को ले जा रहा हो, मास्टर पायलट को ठीक अगले निकटतम पत्तन पर छोड़ने के लिये बाध्य होगा और इस कारण उपगत किये गये सभी खर्च को वेत का दायी होगा।

(ग) किसी जलयान का स्वामी, अधिनियम के उपबन्धों के अनुगणन में, ऐसे संकेत संप्रदर्शन करेगा जो पायलट द्वारा प्रयुक्त किये जाने के लिये अपेक्षित हों या जो पायलट द्वारा निर्दिष्ट किये जायें।

(घ) (i) पत्तन में प्रवेश करने वाला या छोड़ने वाला प्रत्येक जलयान भारतीय वाणिज्य पोत परिवहन (पायलट सौंपान) नियम, 1953 के अनुपालन में एक प्रभावशाली पायलट सौंपान की व्यवस्था की जायेगी।

(ii) यदि जलयान में जिस रज्जु सौंपान या जहाज की रस्मी की व्यवस्था की गयी है, उसे पायलट असुरक्षित समझता हो, तो वह, यथास्थिति, तब तक उसे उम पर चढ़ाने या उसे उतारने से इन्कार कर सकेगा जब तक कि यथा अपेक्षित सज्जत और कार्य प्रभावशाली सौंपान और सज्जत जहाज की रस्मियों की व्यवस्था नहीं की जाती है।

(ङ) जलयान, प्रवेश मार्गों के पार नाव्य जलपथ बोया से समान दूरी पर नाव्य जलपथ बोया के बाह्य मार्गों के भीतर या किसी प्रतिषिद्ध लंगर स्थान पर लंगर नहीं डालेंगे और न ही मास्टर किसी पायलट को लेने के लिये मार्गों में प्रवेश करने का प्रयास करेगा।

(च) (i) यदि फलक पर पायलट के रहने समय कोई दुर्घटना हो जाती है और यदि जलयान के मास्टर को पायलट के कमान में जलयान के सम्भालने या कर्तव्य पर नैनात पायलट द्वारा दी गयी सूचना की बाबत कोई शिकायत है तो वह दुर्घटना की बाबत तुरन्त उपसंरक्षक को रिपोर्ट करेगा जो गीत ही विभागीय जांच करेगा।

(ii) यदि दुर्घटना तब होती है जब कि जलयान पोत छोड़ रहा हो तो मास्टर पूरी रिपोर्ट अगले पत्तन पर पहुँच कर सीधे ही उपसंरक्षक को भेजेगा।

(iii) इस रिपोर्ट के साथ प्रथमचल घटना के किसी गायी का हस्ताक्षरित कथन भी होगा।

(छ) कोई जलयान, मौसम की खराबी के कारण उपसंरक्षक से पत्तन छोड़ने का प्राधिकार अधिप्राप्त करने का तथा ऐसा करने के अपने आशय की बाबत पत्तन संकेत केन्द्र को सूचित करके फलक पर पायलट के बिना पत्तन छोड़ सकेगा।

11. पत्तन कर्नाव का प्रयोग :—जलयान के मास्टर के लिये यह आवश्यक होगा कि पत्तन की सीमाओं के भीतर नौवहन करते समय पत्तन कर्नाव की सेवायें उपलब्ध करे।

12. फोटोचित्र आदि का लिया जाना :—कोई भी व्यक्ति, यातायात प्रबन्धक द्वारा अनुमत लिखित अनुज्ञापत्र के प्राधिकार के अधीन के सिवाय :—

(क) फोटोचित्र लेने के लिये अपने साथ कैमरा या खाका, रेखांक, माडल या अन्य आकृति बनाने के लिये कोई सामग्री नहीं रखेगा, या ले जायेगा,

(ख) पत्तन सीमाओं के भीतर किसी जंगम या स्थावर वस्तु या भवन या प्रतिस्थान का फोटोचित्र नहीं लेगा या उसका खाका, रेखांक या माडल नहीं बनायेगा, या ऐसे अन्य क्षेत्र में प्रवेश नहीं करेगा जो समय-समय पर संरक्षक द्वारा घोषित किया जाये।

13. तारों, हाजिरों आदि का प्रदाय किया जाना :—पोत में प्रवेश करने वाले जलयान घाट के पार्श्व में लगाने में मूकर बनाने के लिए अपेक्षित इस्पात तार, रस्मियाँ और अन्य हाजिर प्रदाय के लिए तैयार रखेंगे।

14. जलयान का कर्मचाल और उपकरणों का तैयार रखा जाना :—

(1) जलयानों के मास्टर या स्वामी, पर्याप्त संख्या में कर्मचाल नियोजित करेंगे और फलक पर ऐसे उपकरण तैयार रखेंगे जो उनकी जलयानों को पत्तन जलमार्गों और प्रवेश पत्र के अन्दर लाने या बाहर ले जाने के लिए आवश्यक हों।

(2) व्यक्तिगत की वषा में या जब कभी आवश्यक हो, उप संरक्षक मास्टर या स्वामी के व्यय पर, कर्मियों को इतनी संख्या में नियोजित करेगा और ऐसे उपकरण उपलब्ध कराएगा जो वह आवश्यक समझे।

15. अस्य पूर्वाधिधानियाँ :—(1) जलयान, जब तक वे पत्तन में प्रवेश कर रहे हों, उसे छोड़ रहे हों या पत्तन से हटाए जा रहे हों या जब कि वे किसी जैट्टी या, घट्टि या बोया में सुरक्षित किया गया हो, उनके रस्मे अलग करने पर दोनों लंगर किसी भी समय खाना होने के लिए तैयार रहेंगे।

(2) जब कि जलयान पत्तन में घट्टियों या जैट्टियों के पार्श्व में प्रवेश कर रहे हों, उसे छोड़ रहे हों, हटाए जा रहे हों या उसमें पड़े रहते हों, तब उनकी बगले सभी प्रक्षेपणों से मुक्त होंगी और उनकी लौकाएँ, डेविटों और डेरिकों को फलक पर लटकाया जाएगा और जहाज से तट पर जाने का सौंपान की फलक पर संझारकृत किया जाएगा।

(3) जलयानों के मास्टर और स्वामी उन सभी दुर्घटनाओं के लिए उत्तरदायी होंगे जो उपनियम (1) और (2) में विनिर्दिष्ट पूर्वाधिधानियों में से किसी पूर्वाधिधानी का पालन करने में असफल रहने के परिणामस्वरूप हो।

16. जो जलयान पत्तन प्रवेश जलमार्गों के बाहर पड़े हों उनका हटाया जाना :—(1) ऐसे जलयान को, जो पत्तन में प्रवेश के निकट बदमगाह में या जलमार्गी जल प्रवाह में या अंबगगाह के कन्हारी समुद्र में जलमार्गी में प्रवेश के निकट पड़ा हो, मास्टर या स्वामी द्वारा उम दशा में हटाया जाएगा, जब कि उप संरक्षक द्वारा उसकी अपेक्षा की जाए।

(2) यदि ऐसा हटाया जाना तुरंत नहीं किया जाता है, तो उपसंरक्षक के आदेशों और निर्देशों के अधीन यह कार्य ऐसे जलयान के मास्टर या स्वामी की जोखिम और खर्च पर किया जाएगा।

#### भाग 3—पल्लन के जलयानों के लिए विनियम

17. मास्टर/आदि अपने जलयान उनके लिए स्थित वर्ष पर रखेंगे:—

(1) पल्लन के भीतर सभी जलयान ऐसे बर्थों को सम्भालेंगे जो यातायात प्रबंधक या उप संरक्षक द्वारा उन्हें दिए गए हों और वे अपनी बर्थों को सभी परिस्थित करेंगे या हटाएंगे जब कि उक्त अधिकारियों से वे किसी अधिकारी द्वारा ऐसी अपेक्षा की जाए।

(2) कोई भी जलयान, पायलेट या हटाए जाने वाले जलयान के भारमापक बन्दरगाह मास्टर द्वारा ऐसा करने की अपेक्षा किए बिना, उस गन को नहीं फेंकेगा जो कि जलयान के हटाने में सहायता देने के लिए कम कर उधारा हुआ है।

18. जब विपट द्वारा टोक में काम न कर रहा हो तब उनका बन्द किया जाना :—जलयानों के, जब कि वे स्थिर न हो रहे हों, सभी विपट द्वारा बन्द रखे जाएंगे या अभीष्टादि सुरक्षित रखे जाएंगे।

19. उप संरक्षक के आदेशों के अधीन पल्लन में लंगर डालने वाले लंगर उठाने वाले और हटाए जाने वाले जलयान :—(1) जलयानों के मास्टर या स्वामी, पल्लन के किसी जलयान के लंगर डालने, लंगर उठाने या हटाए जाने की बाबत उप संरक्षक के निर्देशों का पालन करेंगे और उसमें कोई बाधा नहीं पहुंचाएंगे।

(2) किसी जलयान को, उप संरक्षक के लिखित पुरखत आदेशों के बिना, उसकी बर्थ से हटाए जाने की अपेक्षा नहीं की जाएगी।

(3) यदि यह आवश्यक हो जाए, तो उप संरक्षक ऐसी कार्यवाही कर सकेगा जो उसके आदेशों का प्रवर्ण करने के लिए आवश्यक हो और ऐसी कार्यवाही करने में उपगत व्यय, ऐसी गारंटी पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना जिसके लिए मास्टर या स्वामी व्यक्तिगत की दशा में बांधी हो, ऐसे मास्टर या स्वामी द्वारा भरे जायेंगे।

(4) जलयानों के मास्टर उप संरक्षक से उन अधिकतम भारों की बाबत अभिलिखित करेंगे जिनका लदान वे अपने जलयानों में कर सकेंगे।

20. अनुचित ढंग से लंगर डालना :—पल्लन में जलयानों के मास्टर या स्वामी अपने जलयानों की रस्मियों या होजरो को उप प्रयोजन के लिए विशेष रूप से उपबंधित जहाजों, लंगर स्तम्भ या अन्य उपकरणों से भिन्न, पल्लन में किसी स्थान पर नहीं बंधने देंगे।

21. जलयान सक्षम व्यक्तियों के भारमापन से रखे जाएंगे :—जब कि पल्लन में कोई जलयान रहता है, तब मास्टर या कोई अन्य उत्तरदायी अधिकारी और पर्याप्त संख्या में कमीदल सदैव फायर पर रहेंगे।

22. डेक पर खोकीदारों का रखा जाना :—पल्लन में किसी जलयान के लिए डेक पर हथौड़ी के लिए सदैव एक क्वाटर्स मास्टर या चौकीदार रखा जाएगा जो जलयान से तट पर आने-जाने की गीडी का भारमापक होगा और जलयान के लंगर, रस्मियों और लाईनों को देखेगा और वह उनके समायोजन करने के लिए भी उत्तरदायी होगा और अतिरिक्त की दशा में, जलयान का मास्टर या स्वामी ऐसे व्यक्तिगत के परिणामस्वरूप होने वाली किसी नुकसान के लिए दायी होगा।

23. जलयान का नौदक नहीं चलाया जाएगा :—(1) जब कि कोई जलयान पल्लन में बर्थ पर लगाया गया है या लंगर से हो तो उप संरक्षक की पूर्वतन लिखित अनुज्ञा के बिना और ऐसी शर्तों के अधीन रहने हुए और यह निश्चित करें, विद्युत द्वारा उमका कोई नौदक नहीं चलाएगा।

(2) ऐसी अनुज्ञा के होने भी, मास्टर और स्वामी ऐसे किसी नुकसान के लिए उत्तरदायी होंगे जो विद्युत द्वारा या हाथ से चलाए जाने के कारण किसी नौदक को हो।

24. पल्लन में जो लंगर या अन्य गिअर आदि डाले गए हैं उनकी पुनः प्राप्ति :—मास्टर किसी लंगर या अन्य गिअर के, जो पल्लन में उनके जलयानों के फायर पर से गिराए जाएं, तुरन्त वापस करने के लिए उत्तरदायी होंगे और वे ऐसे लंगर या गिअर को जल से हटाने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाएंगे।

25. जहाजों को उचित रूप से स्थिर किया जाएगा :—पल्लन के जलयानों को इस प्रकार खादा जाएगा या स्थिर किया रखा जाएगा कि आग लगने या किसी अन्य आपात की दशा में खतरे के बिना उन्हें अपने बर्थों से हटाया जा सके।

26. जलयानों की मरम्मत :—मरम्मत करने का आशय रखने वाले मास्टरों से यह अपेक्षा की जाती है कि वे निम्नलिखित शर्तें ध्यान में रखें, अपातः :

- (i) जलयानों को, उप संरक्षक से पूर्व अनुज्ञा लिए बिना गतिहीन नहीं किया जाएगा,
- (ii) जलयानों को बर्थों से उस दशा में हटाया जा सकेगा जबकि अन्य जलयानों द्वारा स्थिरा लेने के लिए उनकी अपेक्षा की जाए,
- (iii) उप संरक्षक, यदि बांझनीय समझा जाए, 10.00 और 17.00 घण्टों के बीच अधिक शोरगुल करने वाले छीलन या मरम्मतों को प्रतिपिद्ध कर सकेगा।

(iv) ऐसी मरम्मतों को, जिनमें ईंधन तेल भंडार टैंक या ईंधन प्रणाली के सामीप्य में खुली बर्तियाँ, गैस से काटने वाले और

सलाई गांधियों का प्रयोग किया जा रहा हो या जिनमें किसी ईंधन, भंडार टैंक या ऐसे जलयान जिसमें पैट्रोलियम का भंडार-करण किया गया हो, में किसी व्यक्ति को प्रवेश करना पड़ता है, तब तक नहीं प्रारम्भ की जा सकेगी जब तक सम्बन्धित प्राधिकारी से ऐसा प्रमाणपत्र न अभिप्राप्त कर लिया गया कि वह गैस-मुक्त है।

27. माल आदि को पल्लन में गिरने नहीं दिया जाएगा :—किसी स्थिरा, माल या अन्य पदार्थ को किसी जलयान, घट्टि या बेगसार से पल्लन जलवाणी या पल्लन में गिरने नहीं दिया जाएगा।

28. स्थिरा माल आदि के जल में गिरने की बाबत सूचना का दिया जाना :—ऐसा व्यक्ति या किसी जलयान या मास्टर या स्वामी या नौधरक जो किसी जलयान में लदान या उतराई में लगा हुआ हो और किसी जलयान, बेगसार या घट्टि से किसी स्थिरा, माल या पदार्थ को पानी में गिरने देता है, तो घटना की सूचना और उसमें सम्बन्धित अन्य बिशष्टियां तुरन्त यातायात प्रबंधक और उप संरक्षक को देगा तथा वे अपने खर्च पर जल से उक्त स्थिरा, माल या पदार्थ हटाने के लिए तुरन्त कदम उठाएंगे।

29. जल में गिरने वाले माल, कड़ा आदि का निकाला जाना :—यदि ऐसा व्यक्ति किसी जलयान का मास्टर या स्वामी या नौधरक जिसमें जल में किसी स्थिरा माल या अन्य पदार्थ हटाने की अपेक्षा नियम 28 के अधीन की गयी है, ऐसे समय के भीतर जो उप संरक्षक से आई हुई उस सूचना में विनिर्दिष्ट है जिसमें उसमें ऐसा करने के लिए कहा गया है, अग्रफल रहता है, तो उप संरक्षक ऐसे स्थिरा, माल या पदार्थ को हटा सकेगा और ऐसे हटाए जाने में उपगत किसी व्यय को, ऐसे व्यक्ति, मास्टर, स्वामी या नौधरक से किसी ऐसी अन्य गारंटी पर प्रतिकूल प्रभाव डाले

बिना जिसके लिए वह व्यक्ति, स्वामी या नौभरक दायीं हों, बसूय किया जाएगा।

30. अनुज्ञा के बिना राख, कूड़ा करकट आदि को घट्टि आदि पर जमा नहीं किया जाएगा :—कोई भी व्यक्ति यातायात प्रबन्धक के अधिकार के बिना, किसी घट्टि, बैगसार, शेड में या पत्तन के किसी भाग में कोई राख, रोड़ी-पत्थर, टीकरिया, गीशियां, मिडर, धूल, उपले, कचरा, कूड़ा करकट, हीलन सामग्री या किसी प्रकार की अन्य खुली सामग्री या पदार्थ जमा नहीं करेगा।

31. सामग्री का पत्तन में गिरने से रोकना, राख आदि का व्ययन : (1) जलयानों के ऐसे मास्टर या स्वामी या नौभरक जो राख, रोड़ी पत्थर, ईट, मिडर, कोयला, रूने की धूल, कूड़ा करकट, बजरी, पत्थर, खपरैल या अन्य प्रकार की खुली सामग्री का लदान या उतराई कर रहे हों ऐसे लदान या उतराई के लिए उपसंरक्षक के समाधानप्रद रूप या उतराई कर रहे हों। ऐसे लदान या उतराई के लिए उपसंरक्षक के समाधानप्रद रूप में किरमिष के कपड़े या काष्ठ बर्णिका का प्रयोग करेंगे।

(2) राख, मिडर, धूल और कूड़ा करकट घट्टि पर ऐसे स्थानों पर उतारा जाएगा जैसे यातायात प्रबन्धक द्वारा निर्दिष्ट किया जाए और यथास्थिति, मास्टर, स्वामी या नौभरक उनको ऐसे स्थान से हटा सकेंगे।

32. तेलयुक्त गंदे जल आदि को पत्तन में नहीं निकाला जाएगा (1) किसी भी बेलाष्ट जल को जिसमें तेल हो और जो जल को दूषित करने के योग्य हो, किसी जलयान से पत्तन में नहीं निकाला जाएगा।

(2) यदि पोत के चारों ओर तेल तैरता दृश्य पाया जाए तो मास्टर का यह उत्तरदायित्व होगा कि वह यह मिट्ट करे कि वह तेल उसके पोत से नहीं निकला है।

33. जलयानों की सफाई : किसी व्यक्ति को ऐसे समय के अंतर के सिवाय जो संरक्षक द्वारा इस निमित्त नियत किया जाए, किसी जलयान की सफाई या रंग रोगन के लिए या तुरंत, आयतनों या पत्तन के जलयान की दोहरे तल में काम करने के लिए नियोजित नहीं किया जाएगा।

34. किसी जलयान के डेक में प्रक्षेपण : किसी जलयान के डेक में ऐसे प्रक्षेपणों को, जो पत्तन में किसी जलयान के लदान या उतराई में बाधा पहुंचाते हैं, यातायात प्रबन्धक की अध्यक्षता पर तुरंत हटाया जा सकेगा।

35. प्रतिरक्षक : घट्टि, जेट्टी, बंधों पर पत्तन द्वारा व उपसंरक्षक किए गए प्रतिरक्षकों की, स्वामियों या उनके नौभरकों द्वारा उठाया या हटाया नहीं जाएगा।

36. ध्वनि संकेत जलयानों के फलक पर, जब कि वे पत्तन की सीमाओं के भीतर हों, समुद्र में टक्कर के निवारण के लिए अन्तर्राष्ट्रीय ध्वनियम, 1972 के ध्वनियम 34 से 37 में विनिर्दिष्ट एयोजनों और ऐसे आपात की दशा में जब कि जलयान की सुरक्षा के हित में तब से तुरंत सहायता अपेक्षित हो या जब कि भारमात्रक पायलेट ऐसा करना ठीक समझे, के सिवाय ध्वनि आकापित करने के लिए ध्वनि संकेतों का प्रयोग प्रतिबिद्ध है।

37. नाव आदि का डूबना : ऐसे बहरगाह में जिनके पार्श्व में स्थोरा या यात्री लेने समय या स्थोरा या यात्री उतारने समय, कोई स्थोरा, मसूला या अन्य नौका डूब गयी है, किसी जलयान का मास्टर या स्वामी इस प्रकार डूब जाने के तथ्य या उस स्थान जहां यह घटित हुआ है, की बाबत तुरन्त रिपोर्ट उप संरक्षक को करेगा।

38. खतरनाक पशुओं और अग्न्यायुद्ध : पान में किसी जलयान के फलक पर खतरनाक पशुओं और भारी बस्तु या अग्न्यायुद्ध गद्दा रखे जाएंगे या नहीं रखने दिए जाएंगे।

39. खतरनाक स्थोरा आदि वाले जलयान : उपसंरक्षक ऐसे सभी जलयानों को जिनके फलक पर पशु, खाद या अन्य आश्रयक या खतरनाक स्थोरा है या सशस्त्रक रंगों से भूत व्यक्ति है, पत्तन से तुरन्त हटाए जाने के लिए आदेश करेगा।

40. जलयानों के मास्टर आदि का नुकसानों के लिए उत्तरदायी होना :—जलयानों के मास्टर और स्वामी अपने सेवाओं की उपेक्षा के कारण पत्तन के प्रतिष्ठान या सम्पत्ति की होने वाली किसी हानि या नुकसान के लिए उत्तरदायी होंगे और उप संरक्षक को उनके जलयानों की तब तक रोकें रखने का अधिकार होगा जब तक कि हानि या नुकसान का मूल्य मदान नहीं किया जाता है या ऐसे संदाय के लिए प्रतिभूति नहीं दी जाती है।

41. पत्तन में जलयान आदि मास्टर आदि का जोखिम पर रहना : पत्तन में सभी जलयान अपने उन मास्टरों या स्वामी की जोखिम पर रहते हैं जो उनके दायित्वपूर्ण नौपरिवहन या लगरों या नौबन्ध से भटकने परिणामस्वरूप उत्पन्न होने वाले किसी हानि या नुकसान के लिए उत्तरदायी होंगे।

42. मास्टर आदि का कर्मोदल आदि के कार्यों के लिए उत्तरदायित्व :—जलयानों के मास्टर और स्वामी कर्मोदल के और उनके द्वारा अपने जलयानों के बाहर या फलक पर नियोजित किसी व्यक्ति के कार्यों के लिए दायीं या उत्तरदायी ठहराए जाएंगे।

43. पत्तन प्राधिकारी का विवस्व आदि की बाबत शायित्वग्रहण न करना :—पत्तन प्राधिकारी, पत्तन में प्रवेश करने वाले, उसमें ठहरने वाले या उसके बाहर जाने वाले किसी जलयान की बाबत विवस्व के लिए या उनके नियन्त्रण के बाहर परिस्थितियों के कारण माल के लदान या उतराई के विवस्व के लिए दायीं नहीं होंगे।

44. जलयानों में आग लगने की बाबत सूचना का मास्टरों आदि द्वारा दिया जाना :—

(1) वह व्यक्ति जो किसी पोत में आग देख रहा हो,—

(क) तुरन्त पोत के ऐसे अधिकारी को सूचित करेगा जो उपनियम (2) के उपबन्धों के अनुसरण में खतरे का संकेत देने के लिए उत्तरदायी होगा।

(ख) यदि पोत घट्टि के पार्श्व में हो, आग को तब तक दबाया हुआ समझे और तुरन्त उपनियम (2) के अनुसार अपेक्षित खतरे का संकेत देगा और पोत के किसी अधिकारी को सूचित करेगा और वह भी उपनियम (2) के उपबन्धों के अनुसरण में खतरे का संकेत देगा।

(2) खतरे का संकेत देने के लिए निम्नलिखित पद्धतियां अपनाई जाएंगी, अर्थात् :—

1. दिन में निरन्तर हुआ :—अन्तर्राष्ट्रीय ध्वज 'डीक्यू' फहराया जाए और पोत की सीटी या सायरन पर तब तक लगातार सीटी देगा जब तक कि अग्नि बंदा नहीं पहुंच जाता है।

2. रात्रि के समय निरन्तर हुआ :—उपरोक्त रूप में सीटी और सायरन की ध्वनि करेगा और 6 (छह) फीट की दूरी पर दो लाल बत्ती दिखलाएगी जिनमें एक दूसरे के ऊपर होंगी। जब पोत पार्श्व में हो तो उपरोक्त प्रक्रिया के अनतिरिक्त टेलीफोन द्वारा भी खतरे का संकेत दिया जा सकता है।

3. दिन या रात्रि के समय तब पर :—(1) निम्नतम टेलीफोन कोड के पास जाएगा और पत्तन एक्सचेंज को टेलीफोन करेगा और सम्पर्क स्थापित होने पर स्पष्ट रूप से बताएगा कि :

.....पर पोत पर आग लग गयी है।

.....तट पर आग लग गयी है।

(2) पत्तन पी० बी० एक्स० आपरेटर यह सावधानी बरतेगा कि वह किसी भी प्रकार के विलम्ब के बिना, पत्तन अग्नि कार्यालय से सम्पर्क स्थापित करे।

45. जल के नीचे अक्षारण या मरम्मत करने पर प्रतिषेध :—कोई भी व्यक्ति उप संरक्षक या उसके द्वारा प्राधिकृत किसी अधिकारी की पूर्वन अनुज्ञा के बिना, किसी खंगरी, कैबिलो, भंडार सामग्री या पानी में खोए गए या खाए गए समस्त गए स्थोरा का उद्धारण नहीं करेगा या जलयानों की पानी के नीचे मरम्मत नहीं करेगा।

भाग 4—जलयानों में लदान या उतराई के लिए धट्टियों और मोड़ों और माल के परिचालन और पोत लदान की बाबत नियम :

46. पत्तन में कार्य यातायात प्रबन्ध के अधीन होगा :—(1) पत्तन में जलयानों का लदान या उतराई यातायात प्रबन्धक के नियन्त्रण के अधीन होगा और वह अपने विवेकानुसार पत्तन में ऐसे माल के उतारे जाने की प्रतिषेध कर सकेगा जिसमें उसकी राय में यातायात में बाधा पड़ने, भीड़ होने, पत्तन के सुविधाजनक प्रयोग में रुकावट पड़ने की संभावना है।

(2) यातायात प्रबन्धक अपने विवेकानुसार माल को किसी अन्य स्थान को हटा सकेगा जिसमें पत्तन परिसरों में भंडारण के कारण या तो पत्तन में उसके अवतरण पर या तत्पश्चात् यातायात में बाधा पड़ने की या भीड़ होने की संभावना है।

(3) प्रत्येक जलयान द्वारा अधिमांग में लिए जाने वाले धट्टि स्थान का प्रसाजन यातायात प्रबन्धक द्वारा समानता के आधार पर किया जाएगा।

47. जेतों का प्रयोग :—आयात स्थोरा उतारने के लिए या निर्यात स्थोरा के लदान करने के लिए धट्टि जेतों का आश्रित यातायात प्रबन्धक के विवेकानुसार होगा।

48. बेकार पड़े जलयान :—यातायात प्रबन्धक, अपने विवेकानुसार किसी जलयान को जो उसकी राय में पत्तन में बेकार पड़ा है, उसकी बर्थ में हटा सकेगा या उसे पत्तन में बाहर करने के आदेश दे सकेगा।

49. धीरे-धीरे कार्य करने वाले जलयान :—ऐसे जलयान से जो पत्तन में आयात स्थोरा उतार रहा हो या निर्यात स्थोरा का लदान कर रहा हो, यह अपेक्षा की जा सकेगी कि वह अपनी बर्थ छोड़ दे, यदि यातायात प्रबन्धक की राय में, उतराई या लदान की दर समान जलयानों और समान स्थोराओं के लिए औसत दर से कम है।

50. स्थोरा सम्भाषने में पूर्व जलयानों का लगर स्थान पर बाधा जाना :—पत्तन में किसी जलयान में माल का लदान या उससे उतराई जब तक नहीं की जाएगी जब तक कि जलयान को उसके लिए आश्रित बर्थ पर नहीं बाधा जाता है।

51. प्रभुजन का विभजन करने में पूर्व या लदान आरम्भ करने में पूर्व माल सूची का पेश किया जाना :—(1) (क) ऐसे जलयान को जो पत्तन पर उतरने के लिए स्थोरा का बहन कर रहा हो, मास्टर, स्वामी या अधिकारी यातायात प्रबन्धक को सम्पूर्ण आयात माधारण माल सूची की एक सत्य प्रति प्रभुज के विभजन करने के लिए अनुज्ञात किए जाने से कम से कम स्पष्ट कार्यदिशम पूर्व देगा।

(ख) माल सूची में अभिव्यक्त प्रत्येक परेषण के पूरे व्योरे दशित किए जाएंगे जिनमें प्रभुज के द्रवों की दशा में लिटर और अन्य मामलों में विलो में सकल भार भी दिखाए जाएंगे।

(ग) अनुसंधित समय के भीतर ऐसे माल की सूची न देने का परिणाम यह होगा कि सम्बद्ध जलयान को प्रभुज का विभजन करने के लिए अनुज्ञात नहीं किया जाएगा।

(घ) जहां परेषण में विभिन्न भारों के पैकेज जाते हैं, वहां प्रत्येक पैकेज का मीटरी प्रणाली में सकल भार भी दिया जाएगा।

(ङ) लोहा और इस्पात परेषणों की दशा में (क) प्रत्येक हैच वर्णन (ख) परिमाण और (ग) मीटरी प्रणाली में भार, भी प्रभुज को विभजित करने की अनुज्ञा देने से पूर्व उपरिदशित करने वाले हैच सूची प्रस्तुत की जाएगी।

(2) यदि किसी अन्य पत्तन के लिए या यातान्तरण के लिए आयात स्थोरा को उतारने के लिए अनुज्ञात किया जाता है, तो ऐसे स्थोरा का उतारने के लिए अनुज्ञात करने से पूर्व मीटरी प्रणाली में एकल भार के पूरे व्योरे देने वाली अनुपूर्वक माल सूची प्रस्तुत की जाएगी। यह तब होगा जब कि ऐसे परेषणों के व्योरे जलयान के लिए दाखिल की गई मूल आयात माधारण मालसूची में पहले से ही सम्मिलित न हों।

(3) (क) माल के पोत लदान के लिए दिए गए प्रत्येक निर्यात आदेश और जेतों के निर्धारण के लिए यातायात प्रबन्धक के कार्यालय में प्रस्तुत किए गए सीमाशुल्क निर्यात पोत लदान बिज में दस्तावेजों के अन्तर्गत आने वाले परेषणों के पूरे व्योरे दशित होंगे जिनमें प्रभुज द्रवों की दशा में लिटर मलिन, स्थोरा का विवरण, स्थोरा का परिमाण और प्रत्येक परेषण का सकल भार भी है।

(ख) जहां परेषण में विभिन्न भारों के पैकेज हैं, वहां प्रत्येक पैकेज का मीटरी प्रणाली में सकल भार भी दिया जाएगा।

(4) पत्तन से प्रस्थान करने वाले आणव्य जलयान, चाहे वे लदे हुए हो या स्थिर हों, के अधिकारी उसके प्रस्थान के तीन दिन पूर्व यातायात प्रबन्धक को अपनी निर्यात मालसूची की एक प्रति देंगे।

52. नौभार परेषणों और परेषणियों द्वारा पेश किए जाने वाले दस्तावेज :—

(1) माल के निर्यात और आयात करने के अनुज्ञा के लिए सभी आवेदन ऐसे प्ररूपों में किए जाएंगे जो यातायात प्रबन्धक द्वारा अनुमोदित हों और ऐसे प्ररूपों को सभी मामलों में सही रूप से भरा जाएगा और उस पर माल के नौभार पोषक या परेषिनी या उसके अधिकारी द्वारा हस्ताक्षर किए जाएंगे।

(2) ऐसी दशा में सिवाय जब कि यातायात प्रबन्धक द्वारा प्राधिकृत व्यक्ति द्वारा उनकी मांग या निरीक्षण करने की अपेक्षा की जाती है, सभी आवश्यक दस्तावेजों की नौभार पोषकों या परेषणियों या उनके अधिकारियों द्वारा पोत लदान या माल के उतारने के समय पेश किया जाएगा।

(3) जब स्थोरा का पोत लदान ऐसे जलयान द्वारा ले लिया जाता है जो उस जलयान से मिला है जिसे ऐसे स्थोरा को ले जाने की अनुज्ञा के लिए आवेदन में प्रविष्ट किया गया था, तो यातायात प्रबन्धक को एक नया आवेदन दिया जाएगा।

53. पैकेजों का खोला जाना :—यातायात प्रबन्धक की अनुज्ञा के बिना, कोई भी पैकेज बंदरगाह के अन्दर, आयातकर्ता, निर्यातकर्ता या स्वामी द्वारा मूल्यांकन, परीक्षा या सर्वेक्षण के लिए नहीं खोला जाएगा।

54. पत्तन में लोहा, इस्पात मशीनरी पैकेजों, लम्बे और अत्यन्त भारी सामान का हटाया जाना :—पत्तन में उतारे गए लोहा, इस्पात, मशीनरी पैकेजों के लम्बे और अत्यन्त भारी सामान के परेषणों को यातायात प्रबन्धक के विवेकानुसार परेषणियों, स्वामी या निर्यातकों के खर्च पर और उनको पूर्व सूचना दिए बिना, जब कि यह ऐसा करना पत्तन की सुरक्षा और सुविधाजनक कार्यकरण करने के लिए आवश्यक समझता है, किसी दूसरे स्थान को हटाया जा सकेगा।

55. इसारती लकड़ी का उतारा जाना :—यातायात प्रबन्धक के अनुमोदन के बिना जलयान के ऊपर में इसारती लकड़ी को नहीं उतारा जाएगा।

और यदि उसे एक प्रकार उतारा जाता है तो ऐसे उतारे जाने के पञ्चायत ठीक अगले उच्च ज्वार के समय उसे पत्तन में बाहर हटाया जाएगा।

56. कोयला या अन्य सड़े स्वेरा का छोड़ा जाना और पोत लदान:—

(1) पत्तन में पोतों से और उनमें कोयला और अन्य स्वेरा का प्रपुंज में या अन्यथा उतारे जाने और पोत लदान ऐसे यातायात प्रबन्धक का लिखित अनुज्ञा से ही कराया जाएगा जो ऐसी अनुज्ञा ऐसे मामलों में देने से इन्कार कर सकेगा जिनमें यह यह समझता है कि कोयला या सड़े ही धूल के उतारे जाने या पोत लदान में समाप्ति की कोई हानि या नुकसान होने की संभावना है।

(2) प्रपुंज में या अन्यथा, नष्ट पर और उसमें कोयला या अन्य गन्दे स्वेरा के उतारे जाने या पोत लदान के लिए दी गई अनुज्ञा, आयामकर्ता या नौभर परेषक या उनके प्रत्याभित अधिकारियों के इस सहमति के अधीन होगी कि वे घाट से अवशिष्ट की सफाई की पूरी लागत की क्षतिपूर्ति करेंगे।

57. कलाकृतियाँ, मोता-चांदी आदि:—(1) पत्तन प्राधिकारी, ऐसे किसी पैकेज जिसमें कलाकृति या प्राचीन कला की कोई ऐसी वस्तु है जिसका मुख्य पैकेज सहित पचास स० से अधिक हो या जिसमें ठोस सोना, चांदी, मोता या चांदी की वस्तुएं, आभूषण, बहुमुख्य रत्न या मोंगा हों, की बाबत कोई उत्तरदायित्व तब तक ग्रहण नहीं करेगा जब तक कि पोत लदान के लिए बंदरगाह पर पैकेज को उतारने या लाने में कम से कम छह घण्टे पूर्व स्वामी या प्रेषित्री द्वारा यातायात प्रबन्धक को लिखित सूचना नहीं दी जाती है और विनिर्दिष्टता पैकेज यातायात प्रबन्धक को परिचित नहीं किया जाता है और उसके लिए रसीद अभिप्राय नहीं की जाती है।

(2) यदि यातायात प्रबन्धक को लिखित सूचना दिए बिना किसी घाट या बेगमार पर ऐसा पैकेज जिसमें ऊपर निर्दिष्ट कोई वस्तु हो, लाई जाती है, तो ऐसे पैकेज को, यदि वह नियति के लिए हो, पोत लदान किया जाएगा या यदि वह आयात किया गया हो तो उसे सीमाशुल्क कार्यालय या पत्तन गेहों पर स्वामी की एकमात्र जोखिम पर हटाया जाएगा और जब तक उसकी निकासी नहीं हो जाती तब तक यह उसकी जोखिम पर रहेगा।

58. ऐसे स्वेराओं का लदान और उतारा जाना जिनसे पत्तन के घाटों के प्रदूषित होने की संभावना है:—(1) गीरा और अन्य माल को, जिनकी प्रकृति ऐसी हो जिससे पोत घाटों या अविवहन श्रेष्ठ प्रदूषित होने या अन्य माल को नुकसान पहुंचने की संभावना है, पत्तन में किसी जलयान से यातायात प्रबन्धक की अनुज्ञा से ही और माल के स्थायी या परेक्षित द्वारा पत्तन प्राधिकारियों को ऐसे व्यय का, यदि कोई हो, जो उनके द्वारा घाट पर अभिवहन श्रेष्ठ की सफाई में उपयोग किए जाएं, संदाय करने का वचन देने पर ही उतारा जाएगा।

(2) (क) पत्तन पर डूबों या अन्य आधानों से वनस्पति, मछली या अन्य तेलों को प्रपुंज में उनके पोत लदान करने से पूर्व निधारने की अनुज्ञा नहीं दी जाएगी।

(ख) जहां प्रपुंज में तेल का पोत लदान किया जाता है, वहां तेलों का परिवहन टैंक बेंगनों या टैंक लारियों से पत्तन तक किया जाएगा और उससे सीधे ही जलयान, टैंकों में पम्प किया जाएगा या जहां तेल का परिवहन टैंक बाजों में किया जाता है, वहां ऐसे बाजों से सीधे ही जलयान के टैंकों में पम्प किया जाएगा।

59. घाटों से गड़े हुए माल का निकास जाना:—यदि पत्तन में कोई जलयान ऐसी गड़ी हुई, दुर्गन्धित, क्षतिग्रस्त या अन्य वशा में माल या पदार्थ उतारता है जो पत्तन के स्वास्थ्य अधिकारी की राय से क्षतिकर या खतरनाक हो या किसी जलयान से निकाला गया कोई माल या पदार्थ

पत्तन में रहते हुए ऐसी गड़ी हुई दुर्गन्धित या अन्य वशा में नष्ट हो जाता है जो उक्त स्वास्थ्य अधिकारी की राय में क्षतिकर या खतरनाक हो, तो यातायात प्रबन्धक उसके स्वामी है, यह अपेक्षा कर सकेगा या यदि स्वामी परेषण की बाबत दावा नहीं करता है या इन्कार करता है या उसकी बाबत विवाद करता है या सभी उत्तरदायित्व लेने से इन्कार करता है या स्वामी न हो, तो, यथास्थिति, मास्टर, स्वामी या अधिकारी से ऐसी अपेक्षा किए जाने पर ऐसे माल या पदार्थ को मूचता की प्राप्ति के 18 घण्टे के भीतर हटाने से इन्कार करता है या अपेक्षा करता है, तो हटाए जाना ऐसी शक्ति से किया जा सकेगा जैसी कि यातायात प्रबन्धक ठीक समझे और यह यदि आवश्यक समझे, उक्त माल और पदार्थ को नष्ट करा सकेगा।

(2) यथास्थिति, स्वामी या मास्टर, स्वामी या अधिकारी लिखित मांग किए जाने के 18 घण्टे के पश्चात्, पत्तन प्राधिकारियों को ऐसे हटाए जाने या नष्ट किए जाने और उतारे या भंडारण के स्थान की सफाई, परिष्करण या रोगाणुनाशित पर होते शाले या किए जाने वाले सभी खर्चों को संभल करेंगे।

60. ऐसे स्वेराओं का सम्भाला जाना जिनसे खाद्य पदार्थों के दूषित होने की संभावना है:—

(1) स्वेरा के ऐसे मयों को, अर्थात् गन्धायित्व खाद, कीटनाशी, जहरीले पदार्थ जिनसे खाद्य पदार्थों के दूषित होने की संभावना है, किसी बर्थ पर परिधान होने तक के लिए तब तक भंडारण के लिए नहीं उतारा जाएगा जब तक ऐसी स्वेरा के उतारे जाने के बारे में यातायात प्रबन्धक द्वारा लिखित रूप में विनिर्दिष्टता अनुज्ञा नहीं किया गया हो।

(2) ऐसे सभी मामलों में, जहां ऐसी अनुज्ञा नहीं दी गयी हो, जलयान या तो ऐसे स्वेरा को घाट पर सीधे ही तब उतारेगा, जबकि स्टीमर अधिकारियों द्वारा यातायात प्रबन्धक के समाधानप्रथ रूप में परेक्षितों के साथ ऐसी स्वेरा की सीधे ही निकासी अवतरण बिन्दु, रेल या सड़क परिवहन से करने के लिए इन्तजाम किए गए हों या ऐसे स्वेरा को स्टीमर अधिकारियों द्वारा भाड़े पर लिए गए वाजों में उतारेगा जिससे वह भंडारण के लिए यातायात प्रबन्धक द्वारा नियत बिन्दुओं तक ले जाया जा सके।

61. जलयानों का उनके बर्थों से स्थानान्तरण:—(1) यातायात प्रबन्धक या तो स्वामी या उप संरक्षक के माध्यम से किसी जलयान को पत्तन से एक बर्थ से दूसरे बर्थ में हटाने के लिए निदेश दे सकेगा, परन्तु यह तब जब कि ऐसा अन्य बर्थ खाली हो।

(2) इस नियम के अधीन स्थानान्तरण के लिए अपेक्षित किसी जलयान से हटाने की अपेक्षा करने से पूर्व 12 घण्टों की सूचना दी जाएगी।

(3) पत्तन ऐसे किसी विलम्ब के लिए उत्तरदायी नहीं होगा जो किसी जलयान को इस नियम के अधीन स्थानान्तरण करने के कारण हो।

62. नौभरों को अनुज्ञा जारी करना:—(1) संरक्षक यातायात प्रबन्धक की सिफारिश पर, प्रति वर्ष, पत्तन में जलयानों के नौभरों के लिए कतिपय अनुमोदित फर्मों और व्यक्तियों को अनुज्ञा पत्र जारी करेगा और पत्तन में किसी जलयान के फलक पर किसी नौभर को तब तक काम नहीं करने दिया जायेगा, जब तक कि उसके कब्जे में ऐसी अनुज्ञा पत्र न हो।

(2) संरक्षक, यातायात प्रबन्धक की सिफारिश पर किसी भी समय इस नियम के अधीन जारी की गई किसी अनुज्ञा पत्र को रद्द कर सकेगा

या उसे ऐसी अवधि के लिए निलम्बित कर सकेगा जो अनुज्ञप्ति के किसी निबन्धन या नियम 63 या 64 के किसी उपबन्ध के अंग के लिए विनिर्दिष्ट

(3) अनुज्ञप्ति को इसी प्रकार में तब भी रद्द और निलम्बित किया जा सकेगा जब कि उसके अनुज्ञप्ति किए जाने के पश्चात् यह मामला होता है कि अनुज्ञप्ति के आवेदन में तात्त्विक तथ्यों का दुरुपदेशन या गलत कथन किया गया है, या यथास्थिति, जब कि अनुज्ञप्तिधारी को विधायिका घोषित किया गया हो या उसका समापन हो गया हो या जब कि अनुज्ञप्तिधारी या उसके कर्मकार पत्तन में किसी कार्य में कोई बाधा पहुंचाने हो :

परन्तु ऐसी कोई अनुज्ञप्ति तब तक रद्द या निलम्बित नहीं की जाएगी जब तक कि अनुज्ञप्ति धारक को यह कारण विद्वाने का मुनिमुक्त अवसर न दे दिया गया हो कि उसकी अनुज्ञप्ति को यथास्थिति क्यों न रद्द किया जाए या निलम्बित किया जाए :

परन्तु यह और भी कि कारण बतलाने के लिए ऐसा कोई अवसर तब आवश्यक नहीं होगा जब अनुज्ञप्ति के धारक के विरुद्ध किसी जांच के लक्षित होने के दौरान अनुज्ञप्ति के किसी निबन्धन के उल्लंघन के लिए या इन नियमों में से किसी नियम के उल्लंघन के कारण या ऐसा कार्य करने के कारण जिसके लिए इस नियम के अधीन अनुज्ञप्ति को रद्द या निलम्बित किया जा सके, अनुज्ञप्ति निलम्बित की जाती है।

63. नौभरक को अनुज्ञप्ति जारी करने के लिए शर्तः—(1) प्रत्येक नौभरक, किसी जलयान के लदान या उतराई या उसके धातुपंक्ति कार्य सभी सुसंगत विधियों, नियमों और तत्समय प्रचल सभी सुसंगत विधियों और विनियमों के अधीन अपने द्वारा नियोजित सभी कर्मचारियों और श्रमिकों द्वारा सम्यक् अनुपालन और पालन किए जाने के लिए उत्तरदायी होगा।

(2) प्रत्येक नौभरक यह सुनिश्चित करेगा कि सभी लदान और उतराई संक्रियाएं सभी प्रकार से भारतीय डाक श्रमिक अधिनियम, 1934 (1934 का 14) द्वारा या के अधीन विहित अपेक्षाओं के अनुरूप होंगी और वे उसके अपने गिअर को सहायता से किए जा रहे हैं और वह किसी दोषपूर्ण गिअर के उपयोग में होने वाली दुर्घटना या नुकसान के लिए एकमात्र रूप में उत्तरदायी होगा।

(3) (क) प्रत्येक नौभरक, प्रत्येक विपाट द्वार पर जिस पर लदान, उतराई या बंकर का कार्य किया जाता है, स्थोरा के लदान या उतराई के लिए या कोयले या ईंधन का बंकर के कार्य का अधीक्षण करने के लिए कम से कम एक अनुभव प्राप्त फोरमैन और टिडल नियोजित करेगा।

(ख) टिडल फलक में माल के परिवहन या अपरिवहन के काम का अधीक्षण करेगा और जब कभी कोई जलयान डैकों के बीच में साथ-साथ स्थोरा का लदान कर रहा हो, वहां वह यह देखेगा कि बीच के डेक विपाट द्वारों में आड़ी बीमों की व्यवस्था की गई है तथा मामले और पीछे की बीमों अपने-अपने सही स्थानों पर जुड़ी है और विपाट द्वारों के ढक्कन ठीक लगाए गए हैं और कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व यह सुनिश्चित किया गया है, उनको अपने स्थान से हटाने में प्रभावी रूप से रोका जा सकेगा। फोरमैन डेक पर रहेगा और वह देखेगा कि विपाट द्वारों से बर्ग के बाहर क्रेन जंजा नहीं निकाली जाती है तथा हुक जहाज की पेंड को नहीं पकड़ता है या किसी पोत गिअर को दूषित नहीं करता है या तट किसी संरचना या निर्माण को नुकसान नहीं पहुंचाना है,

(ग) फोरमैन, क्रेन चालक को सही संकेत देगा और बीम में और विपाट द्वारों के ढक्कनों की उतारने और लगाने के कार्य का अधीक्षण

करेगा और वह देखेगा कि डेक पर व्यक्ति खारे में बाहर है और किसी प्लेयापक के नीचे खड़े न हो।

(घ) जहां काम दिन या रात्रि के नियंत्रित होता है, वहां फोरमैन मलाशी लेगा और अपना यह समाधान करेगा कि फलक में कोई व्यक्ति नहीं है।

(ङ) नौभरक, खदान, उतराई या बंकर संक्रियाओं के दौरान, किसी व्यक्ति या सम्पत्ति को होने वाली किसी क्षति या नुकसान की दशा में पोत के स्वामी और पत्तन प्राधिकारियों के प्रति एकमात्र रूप में उत्तरदायी होगा।

64. मास्टर आदि के अधीक्षण में किसी जलयान के स्थोरा का उतारा जाना और उतारा दायित्वः—पत्तन में किसी जलयान से किसी स्थोरा को, ऐसे जलयान के फलक पर जलयान के मास्टर या स्वामी के या पत्तन में ऐसे कार्य करने के नियंत्रक द्वारा अनुज्ञप्ति नौभरक के निदेशों और अधीक्षण के विना, नहीं उतारा जाएगा और ऐसा मास्टर, स्वामी या नौभरक ऐसे जलयान के फलक पर मान के वापरवाही या अनुचित ढंग से परिवहन के कारण होने वाली किसी क्षति या नुकसान की बाबत व्यक्तिगत रूप से दायी होगा और वह प्रत्येक मामले में निम्नलिखित पूर्वावधानियों का पालन करेगा, अर्थात् :—

(1) किसी माल का लदान करने से पूर्व परिवहन मोड़ या निकुंज के बिना चपटा रखा गया है,

(2) प्रत्येक परिवहन का काम पूरा करने के पश्चात् और उत्थान पर पहले खिंचाव पर चालू चाप को लकड़ी की कड़ी में इसलिये प्रच्छेद तरह से बांधा जाएगा कि पकड़ सुनिश्चित की जाए।

65. मास्टर आदि और स्थोरा उतारने वाले नौभरक फलक पर बलियों की संचित व्यवस्था करेंगे :—पत्तन में जलयानों के मास्टर और स्वामी और ऐसे जलयान के स्थोराओं को संभालने वाले नौभरक, ऐसी दशा में जलयानों के सभी भागों में बलियों की सही व्यवस्था करने के लिये संयुक्ततः और पृथक्तः उत्तरदायी होंगे जहां कि कार्य या तो पत्तन के क्रेनों, घाटों, बेगसरो या अन्य संपत्ति के प्रयोग करके या अन्यथा किया जा रहा हो, और व्यक्तिगत की दशा में, वे जीवन, अंका और सम्पत्ति को उससे होने वाले किसी क्षति या नुकसान की बाबत संयुक्त और पृथक्तः दायी होंगे।

66. परिवहन के का बताया जाना—जलयानों की में के नीचे क्रेनों का प्रयोग नहीं किया जाएगा :—पत्तन में उतराई करने समय किसी जलयान के अपने विपाट द्वार के नीचे आपात माल के परिवहन सीधे ही पूरे लिये जाएंगे और किन्हीं भी परिस्थितियों के में के नीचे से माल का बाहर निकालने या हटाने के प्रयोजन के लिये पत्तन के क्रेनों का प्रयोग नहीं किया जाएगा।

67. जलयानों के विषों का प्रयोग :—जलयानों के ऐसे मास्टर या स्वामी जो माल के लदान या उतराई के लिये अपने क्रेनों या विषों का प्रयोग कर रहा हो, किसी भी कारण से माल को हाने वाली क्षति या नुकसान के लिये उत्तरदायी होंगे।

टिप्पण :

(1) क्रेनों को ऐसे स्थानों पर नियत किया जाएगा जैसे नौभरकों द्वारा निर्दिष्ट किया जाए।

(2) पोत अधिकारी यह देखेंगे कि पत्तन के क्रेन पत्तन गिअरों में हट कर के कार्य कर रहे हों।

68. धारी लिफ्ट :—यातायात प्रबंधक, धार में दम मीटरी टन से ऊपर की एक वस्तु का पेकेज का जलयान से उतारा जाना इस प्रयोजन



के लिये उपबंधित पत्तन क्षेत्रों के बिना उस दशा में प्रतिबंधित कर भरेगा, जब कि उनकी यह राय हो कि ऐसा करना आवश्यक या ठीक है।

69 भारी लिफ्टों का उतारा जाना :—(1) भार में बरा मीटरी टन से अधिक की अलग-अलग वस्तुओं या पैकेजों को जब तक नहीं उतारा जाएगा जब तक कि यातायात प्रबंधक द्वारा दिये निम्नलिखित अधिकाधिक निबन्धनों और शर्तों के अधीन ऐसा अनुज्ञात न किया गया हो।

(2) पत्तन प्राधिकारी, ऐसी वस्तुओं और पैकेजों को होने वाली क्षति या नुकसान की बाबत दायी या उत्तरदायी नहीं होंगे।

70. भारी पैकेजों का अंकन और पैक किया जाना :—भार में एक मीटरी टन या उससे अधिक की अलग-अलग वस्तुओं और पैकेजों (जिन्हें इसमें इसके पश्चात् भारी पैकेज कहा गया है) की पत्तन में किसी जलयान के फलक पर या पट्ट के पार्श्व में तब तक लदान नहीं किया जाएगा जब तक कि ऐसे प्रत्येक वस्तु या पैकेज पर उसका सकल भार स्पष्ट रूप से पक्की तरह से अंकित न किया गया हो और उसे नीचे दी गई रीति में प्रेषकों या उनके अधिकारियों द्वारा पैक न किया गया हो।

(1) भारी पैकेजों की अंकन की रीति : (क) किसी भारी पैकेज पर एकल भार अंग्रेजी में और यदि संभव हो तो क्षेत्रीय भाषा में इस प्रकार के रंग लेप में अंकित किया जाएगा जो आसानी से मिट न सके,

(ख) जहाँ भारी पैकेज का रंग हल्का है, वहाँ काया रंग और जहाँ पैकेज का रंग काला है, वहाँ सफेद या पीले रंग का प्रयोग ऐसे अंकनों के लिये किया जाएगा।

(2) सकल भार मीटरी टनों या किलोग्राम में अंकित किया जाएगा : खण्ड (6) के उपबन्धों के अधीन रहते हुए, किसी भारी पैकेज के सकल भार को मीटरी टन या किलोग्रामों में अंकित किया जाएगा।

(3) अंकन या स्थान : सकल भार, भारी पैकेज के दोनों ओर इस प्रकार अंकित किया जाएगा जिससे कि पैकेज को किसी भी स्थिति में रखने के अंकन आसानी से दिखाई दे।

(4) अक्षरों या अंकों का आधार : भारी पैकेज के सकल भार अंकित करने में प्रयुक्त प्रत्येक अक्षर या अंक लम्बाई में कम से कम साठे सात सेंटीमीटर (3") और चौड़ाई में आधा सेंटीमीटर (1/4") होगा।

(5) पैकेज की रीति : (क) भारी पैकेज में माल को सज्जत आवरण में ऐसी रीति से सुरक्षित रीति में पैक किया जाएगा जिससे पैकेज के अन्दर माल हिलझुल न सके और जिसके फलस्वरूप माल या आवरण टूट-फूट न जाए।

(ख) आवरण ऐसी सामग्री और प्रकृति का होगा जो लदान या उतारई के दौरान संभाले जाने वाली पैकेज के खिचाव को सह सके जिससे ऐसे व्यक्तियों की जो पैकेज सम्भालते हैं, होने वाली क्षति की जोखिम कम से कम हो जाए।

(6) कतिपय परिस्थितियों में लगभग भार का अंकन किया जाना : (क) जहाँ तक उस स्थान पर जहाँ भारी पैकेज का प्रेषण किया गया है, पैकेज के सही भार अवधारित करने के लिये माधन उपबन्ध नहीं है, वहाँ पैकेज का प्रत्याशित न्यूनतम और अधिकतम भार मीटरी टनों और किलोग्रामों में उस प्रकार ऐसी रीति में अंकित किया जाएगा जो इसके पूर्व विनिर्दिष्ट की गई है :

परन्तु इस प्रकार प्रत्याशित अधिकतम भार का निर्धारण इस प्रकार किया जाएगा जिससे यह पैकेज के वास्तविक भार से कम न हो।

(ख) प्रेषक और उनके अधिकारी जलयानों के अधिकारी और नौभरक इस नियम के उपबन्धों के किसी भंग के लिए उत्तरदायी होंगे।

1 GI/77-8.

71. खतरनाक पदार्थ—साधारण निबन्धन :—ऐसे सभी पदार्थों का, जिन्हें खतरनाक वर्गीकृत किया गया है (जैसा कि खतरनाक माल के परिवहन की बाबत संयुक्त राष्ट्र संघ विशेषज्ञ समिति ने जो कि जेनेवा में अगस्त, 1954 में बैठी थी, सिफारिशों में परिभाषित है), पत्तन की सीमाओं के भीतर सम्भाला जाना परिवहन और स्थायी सञ्चय या लाक्षणिक गुणों के कारण उस रूप में यूनायुक्त गुणागण वर्गीकरण ऐसे निबन्धनों और शर्तों के अधीन होगी, जिन्हें उप पत्तन संरक्षक समय समय पर अधिरोपित करें।

72. पत्तन द्वारा व्यवस्थित किए गए गिअर और अन्य वस्तुओं का प्रयोग—(1) पत्तन द्वारा दिए गए सभी स्थोरा चलने वाले गिअर और अन्य वस्तुओं की जब उनकी और आवश्यकता नहीं है, पत्तन के भंडार डिपो को वापिस कर दिया जाएगा और उन्हीं भट्टियों या सड़कों पर पड़े नहीं रहने दिया जाएगा।

(2) जलयानों के मास्टर और स्वामी और नौभरकों से अप्रत्यक्षता की तारीख से भण्डार डिपो में वापस करने की तारीख तक, ऐसे सभी वस्तुओं की भाड़ा फीस प्रभावित की जाएगी।

(3) पत्तन द्वारा न दी गई सभी वस्तुओं की कट्टियों या सड़कों से, उस काम को जिसके लिए वे लाई गई थी के समाप्त होने के दो घण्टों के भीतर हटाया जाएगा और व्यक्तिगत की वशा में, यातायात प्रबंधक द्वारा उसे हटाया जायगा और जलयान का मास्टर या स्वामी या नौभरक या अन्य कोई व्यक्ति जिसका यह गिअर है, ऐसे हटाए जाने में उपगत सभी खर्चों के लिए दायी होगा।

73. आयुक्त :—(1) ऐसी प्रत्येक जलयान, जो पत्तन में प्रवेश करने वाला हो और जिसके फलक पर उतारने के लिए आयुध और गोला बारूद वाला पैकेज आयात स्वीकृत है, का मास्टर, स्वामी या अधिकारी पत्तन पर पहुंचने के पश्चात् यथासंभव शीघ्र यातायात प्रबंधक की ऐसे सभी पैकेजों की एक पूरी सूची देगा।

(2) ऐसे पैकेजों को छाड़ने के पश्चात् उन्हें मास्टर द्वारा शेड फोर-मैन के सीधे भारमाधन में दिया जाएगा जो विनिर्दिष्ट प्ररूप में उसके लिए एक रसीद देगा और उन पैकेजों की तुरन्त अभिवहन शेड में अन्दर करेगा।

(3) आयुधों और गोला बारूद वाले सभी पैकेजों की बाहरी दशा की परीक्षा उसकी रसीद देने से पूर्व की जाएगी और ऐसी कोई बात जो विशेष रूप से उल्लेखनीय हो, टिप्पण वाले स्तम्भ में दर्ज की जाएगी।

(4) आयुध और गोला बारूद वाले पैकेजों को किन्हीं भी परिस्थितियों में रात्रि के समय किसी जलयान में नहीं उतारा जाएगा।

(5) ऐसे पत्तन प्राधिकारी ऐसे पैकेजों के लिये किसी भी प्रकार से उत्तरदायी या दायी नहीं होंगे जो इस नियम की पूर्णतया अनुपालन न करने पर किसी जलयान से उतारे गये हों।

(6) पत्तन किसी जलयान या जलयान की लाइन को ऐसी अर्थार्थ के लिये जैसी संरक्षक उचित समझे, इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगा।

74. गोला बारूद और विस्फोटक :—गोला बारूद या विस्फोटक, जो ऐसी आनिशवाजी के सामान से भिन्न है जो संकट संकेत पोत उपस्कार का भाग है, या स्वीरा के फलक पर जिसका भार बारूद के रूप में 45 किलोग्राम (100 पीड) से अधिक है, महित पत्तन पर पहुंचने वाले जलयान का मास्टर दिन के समय अग्रभाग में अन्तर्राष्ट्रीय कीट के लाल ध्वज संप्रदर्शित करेगा और सूर्यास्त और सूर्योदय के बीच अग्रभाग पर लाल बत्ती तब तक दिखाएगा जब तक कि गोला बारूद विस्फोटक या बारूद पत्तन की सीमाओं के भीतर फलक पर रहता है।

75. विस्फोटकों या अन्य खतरनाक स्फोरा का प्रचरण:—(1) बारूक या अन्य विस्फोटक या पैकेज या अन्य खतरनाक स्फोरा के पोत को सीमाओं के भीतर, सीमाशुल्क क्लकटर और उप-संरक्षक के पूर्व अनुज्ञा के बिना नहीं उतारा जाएगा और उसके उतारे जाने या पोत लदान करने समय इस निमित्त किसी अधिनियमों के अधीन बनाए गए सभी नियमों और ऐसे नियमों की प्रभावी करने के लिये समय समय पर पत्तन प्राधिकारियों द्वारा किये गये या दिये गये अन्य निदेशों का भी सख्ती से पालन और अनुपालन किया जाएगा।

(2) (क) प्रत्येक जलयान विस्फोटक या पेटी में रखे गये खतरनाक पेट्रोलियम का लदान या उतराई करते या सम्भालते समय सभी अग्नि पदार्थों को रखेगा और उनका भंडारकरण तभी करेगा जबकि विस्फोटकों और पेटी में बन्द खतरनाक पेट्रोलियम का लदान नहीं किया जा रहा हो या उन्हें उतारा नहीं जा रहा हो या उसको नहीं संभाला जा रहा हो और यह तभी होगा जबकि वे विपाट द्वार जिसमें विस्फोटक या पेटी में बन्द खतरनाक पेट्रोलियम है, पूर्णतया बन्द कर दिये गये हों।

(ख) स्टॉक फलकों के सभी संवातकों को सावधानी से देखना होगा और उन्हें उचित रूप से संभाला जाएगा और धार फलका में बात पतवार लगाए जाएंगे जिससे फलका पर पेटिशों में बन्द खतरनाक पेट्रोलियम में जमा होने वाले गैस के किसी पैकेट को रोका जा सके।

#### भाग 5—ईंधन तेल और ऐसे पेट्रोलियम की उतराई और लदान जो खतरनाक न हो, प्रपुज में ईंधन तेल का उतारा जाना

76. प्रपुज में पेट्रोलियम ले जाने वाले जलयान पेट्रोलियम नियम, 1937 के उपबन्धों तथा इस निमित्त किसी अधिनियम के अधीन बने नियमों या ऐसे नियम में की प्रभावी करने या सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिये समय समय पर उप-संरक्षक द्वारा किये गये या दिये गये किन्हीं आदेशों का अनुपालन करेगा।

77. पेट्रोलियम ईंधन तेल का बंकर दिया जाना:—पत्तन बाजो और टंक यानों के पेट्रोलियम ईंधन तेल वाले जलयानों का बंकर किया जाना निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए अनुज्ञात किया जाएगा, अर्थात्—

(क) ऐसे सभी समयों के दौरान जब जलयान अपने बंकरों में ईंधन ले रहा हो फलक पर ऐसे जलयान या मास्टर या प्रथम मेट उपस्थित रहेगा और यह देखेगा कि इन नियमों के उपबन्धों का पालन किया जाए और सुरक्षा के लिये सभी युक्तियुक्त पूर्वावधानियों का अनुपालन किया जाए।

(ख) पोत अधिकारी निगरानी करेगा और जब बंकर किया जा रहा हो, बंकरों को प्रदाय करने वाले तेल कम्पनी का एक परिचर, पम्पीलो, संयोजी पाइप के माध्यम से तैनात किया जाएगा।

(ग) जब बंकर किया जा रहा हो, तब जलयान के डेकों पर धूम्रपान, रसोई पकाने, खुसी बत्तियों या फीजों को नहीं रहने दिया जाएगा।

(घ) घाट या पोत बेसिन पर तेल के टपकने को रोकने के लिये संयोजी सेवा पाईप के नीचे एक यथोचित गटर या यंत्र रखा जाएगा।

(ङ) ईंधन लेने वाले जलयान के मास्टर या स्वामी तथा बंकर करने के लिये ईंधन तेल के प्रदायकर्ता, जलयानों या प्रदायकर्ताओं के साथियों या उपकरणों को टूटि के कारण या उनके असफल रहने के कारण यातायात प्रबंधक के भारसाधन में रहने वाले पत्तन या स्फोरा को किसी सम्पत्ति के होने वाले नुकसान के लिये संयुक्त और प्रयुक्तः दायी होंगे।

(च) हस्पान प्लेटों, लोहे की रेलों और समरूप मान जो तेल से प्रभावित नहीं होता है, से भिन्न स्फोरा को तेल केन्नों के पाइपों से पचास फीट के भीतर घाट पर रहने दिया जाएगा और जब बंकर का कार्य हो रहा हो, तब शीघ्र ही पिछे के शोर्षों के कपाटों को बन्द रखा जाएगा।

(छ) बंकर आरम्भ करने से पूर्व परिचर यह देखेगा कि तेल कम्पनी के डिपो तक टेलीफोन कनेक्शन ठीक से काम कर रहा है।

#### भाग 6—अग्नि तथा बत्तियाँ

78. धूम्रपान आदि:—पत्तन के भीतर किसी शोध या भंडारगार में धूम्रपान करना और असुरक्षित आग या बत्ती का उपयोग करना पूर्णतया प्रतिबन्ध है और कोई भी व्यक्ति ऐसे स्थानों के सिवाय जो उस प्रयोजन के लिये प्रावृटि किए जाएं, पत्तन के भीतर किसी बेगमार या घट्टि या किसी जलयान के फलक पर धूम्रपान नहीं या लूमीकर माचिस या अन्य ज्वलनशील वस्तु को प्रज्ज्वलित नहीं करेगा।

79. अग्नि पदार्थ और बत्तियाँ:—(1) जलयान को ऐसे स्थान पर धूमित नहीं किया जाएगा जो इस प्रयोजन के लिये उप-संरक्षक द्वारा नियत स्थान से भिन्न है।

(2) पिच या डामर को पत्तन के भीतर जलयानों के फलक पर गर्म नहीं किया जाएगा किन्तु बगल में किसी बोस्ट या पिछले भाग में बिछा जाएगा और न ऐसे जलयानों के फलक पर मोमबत्ती या असुरक्षित कृत्रिम बत्तियों के निकट स्पिरिट निकाला जाएगा।

(3) कपास का लदान करने समय जलयानों के फलकों में असुरक्षित बत्तियाँ नहीं होंगी।

(4) जबकि पत्तन के सीमाओं के भीतर किसी जलयान से भार में 45 किलोग्राम (100 पौण्ड से अधिक बारूद, गोला बारूक या अन्य विस्फोटक का पोत लदान किया जा रहा हो, या उन्हें उतारा जा रहा हो तब फलक पर विस्फोटक नियम, 1940 में यथाउपबंधित के सिवाय, अग्नि पदार्थों, बत्तियों को नहीं रहने दिया जाएगा या धूम्रपान नहीं करने दिया जाएगा।

80. जलयानों का पत्तन तक पहुंच और पुलिस पदधारी:—जब कभी मांग की जाए तब अग्नि पदार्थों और पोतों के संबंध में निरीक्षण करने के प्रयोजनार्थ पत्तन में के जलयान पत्तन और पुलिस पदधारियों को पत्तन तक निर्बाध रूप से पहुंचने देंगे और कोई भी व्यक्ति इन नियमों के उल्लंघन में प्रयुक्त किसी अग्नि या बत्ती के बुझाने के लिये किसी पुलिस अधिकारी या चौकीदार के आदेशों की अवज्ञा नहीं करेगा।

#### भाग 7—प्राधीन

81. घट्टि आदि तथा पत्तन क्षेत्र यातायात प्रबंधक के प्राधिकार के अधीन रहेंगे:—(1) (क) पत्तन की सीमाओं के भीतर, घट्टिया, शोध/द्वार और अन्य क्षेत्र यातायात प्रबंधक के धारसाधन में रहेंगे जो माल की उतराई और पोत लदान से और या तो शोधों में या खुले में उनके भण्डारकरण से संबंधित सभी संचालनों की बाबत निदेश देगा और उनका प्रबंध करेगा।

(ख) यातायात प्रबंधक के प्राधिकार में रहने वाले समस्त मांग को अपनी अभिरक्षा में रखेगा और वह ऐसे कदम उठाएगा जो पत्तन के भीतर समुचित व्यवस्था बनाए रखने के लिये आवश्यक हों।

(2) (क) कोई भी व्यक्ति, यातायात प्रबंधक के प्राधिकार द्वारा या उसके अधीन उसे जारी किये गये अनुज्ञापत्र या टोकन के बिना, पत्तन क्षेत्र में प्रवेश नहीं करेगा। पुलिस अधिकारी या इस निमित्त सम्पत्तः मणकन किया गया पत्तन अधिकारी द्वारा मांग किये जाने पर ऐसे अनुज्ञापत्र या टोकन को निरीक्षणार्थ पेश किया जाएगा।

(ख) कोई भी व्यक्ति उपर्युक्त रूप में जारी किये गये अनुज्ञापत्र या टोकन किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रयुक्त नहीं करने देगा।

(ग) ऐसा अनुज्ञापत्र या टोकन, जो किसी व्यक्ति को जारी किया गया है और जिसका प्रायोग किसी अन्य व्यक्ति द्वारा करने दिया गया है, अधिकृत और रह किया जाएगा।

82. पत्तन के विभिन्न अनुभागों के काम के घंटों का विनिर्दिष्टन: यातायात के कार्य के प्रयोजनों के लिये जिन विभिन्न अनुभागों में पौन परिसरों को विभक्त किया गया है उनमें से प्रत्येक में जिन घंटों का काम किया जाएगा, के समय-समय यातायात प्रबंधक द्वारा संबंध अनुभागों में सूचनाएं वण्णा करके अधिसूचित किया जाएगा और इस प्रकार अधिसूचित काम के घंटों के प्रतिरिक्त पत्तन परिसरों के भीतर, यातायात प्रबंधक की लिखित अनुज्ञा के सिवाय, कोई काम नहीं किया जाएगा।

83. रात्रि और अवकाश दिवसों में कार्य : रात्रि रविवार या अवकाश दिनों में काम करने के लिये आवेदन यातायात प्रबंधक को किए जाएंगे जो सीमा-शुल्क विभाग में आवश्यक अनुज्ञा पेश किये जाने पर उसके उचित संचालन के लिये आवश्यक इंतजाम करेगा और ऐसे दिनों और रात्रि के समय काम के लिये इस प्रयोजन के लिए विनिर्दिष्ट विशेष प्रभार संवत्त किये जाएंगे।

स्पष्टीकरण : इस नियम के प्रयोजन के लिये अवकाश दिन वे होंगे जो संरक्षक द्वारा समय-समय पर अधिसूचित दिये जाएंगे।

84. पत्तन में प्रवेश : पत्तन में प्रवेश द्वार और विकेट द्वार पत्तन प्राधिकारियों द्वारा उनके लिये विनिर्दिष्ट घंटों के भीतर खुले रहेंगे और किसी अन्य समय पर केवल ऐसे व्यक्तियों को प्रवेश करने और बाहर जाने दिया जाएगा जिनके पास यातायात प्रबंधक द्वारा इस प्रयोजन के लिये जारी किये गये विशेष पास हों।

85. डाक श्रमिकों और नाविकों के भोजन लेने के लिये अलग-अलग स्थान रखे जाएंगे :—नाविकों या डाक श्रमिकों को अपने भोजन लेने के लिये यातायात प्रबंधक के विवेकानुसार उसके आदेश द्वारा समय-समय पर अवसर को अपेक्षाभूत कतिपय अलग-अलग ऐसे धान नियत किये जाएंगे और भोजन लेने वाले ऐसे सभी व्यक्ति उन्हीं स्थलों और उनकी जाने वाले और उनसे जाने वाले भागों का प्रयोग कर सकेंगे जो सूचना पट्टों द्वारा उपरिष्ठित किये जाएंगे।

86. पेटियों को खोलने और उनकी मरम्मत करने के लिए जेडों में अनुज्ञत काष्ठकारों को जाने दिया जाएगा : यातायात प्रबंधक, पत्तन में पेटियों के स्वामियों के कहने पर उनकी खोलने या उनकी मरम्मत करने के लिये काष्ठकारों के रूप में कार्य करने के लिये अहित व्यक्तियों को अनुज्ञति प्रदान करेगा और उस रूप में अनुज्ञत व्यक्तियों से भिन्न किन्हीं व्यक्तियों को ऐसे प्रयोजनों के लिये प्रयुक्त होने वाले औजारों या अन्य उपकरणों को पत्तन में नहीं ले जाने दिया जाएगा।

87. फेरी वालों को अनुज्ञति जारी किया जामा :—कोई भी व्यक्ति यातायात प्रबंधक को अनुज्ञति के बिना, पत्तन के भीतर या किसी जलयान के फलक पर माल की फेरी नहीं लगाएगा या उसे नहीं बेचेगा और इस प्रयोजन के लिये यातायात प्रबंधक किन्हीं व्यक्तियों की ऐसी अनुज्ञति जारी कर सकेगा जो प्रति वर्ष नवीकरणीय होगी, परन्तु ऐसे व्यक्ति सीमा-शुल्क कलेक्टर से लिखित में पूर्वअनुमोदन अभिप्राप्त करेंगे और ऐसी अनुमति के कारण उनका धारक पत्तन में ऐसे जलयान के मास्टर, स्वामी या अधिकर्ता को अनुज्ञा के बिना उसके फलक पर जाने का हकदार नहीं होगा।

88. पत्तन से ट्रकों और हथगाड़ियों का हटाया जाना : (1) ऐसे ट्रक और हथगाड़ी जिनमें माल लदा हुआ है और जिन्हें तुरन्त पत्तन से बाहर नहीं ले जाया गया है, माल के स्वामी की जोखिम और खर्च पर यातायात प्रबंधक द्वारा हटाया जा सकेगा।

(2) व्यापारियों और अन्य व्यक्तियों के ट्रकों और हथगाड़ियों को पत्तन में पड़ी हुई छोड़ दी गई हों, यातायात प्रबंधक द्वारा हटाई जाएंगी और अधिकृत की जा सकेगी।

89. किसी भी पत्तन संपत्ति का नाश या नुकसान : कसा व्यक्ति जो पत्तन जलसारणी या प्रवेश द्वार या पत्तन के भीतर किसी भूखंड की रस्ती या रज्जू जंजीर, जीवन बोया, रक्षा लाईन या जीवन रक्षा उपकरण या किसी बोया, रज्जू या कैबिल को काटता है, बिखरित करता है या नुकसान पहुंचाता है, ऐसी शास्ति पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना जिसके लिये वह किसी अन्य विधि के अधीन बायी हो, नुकसान, मरम्मत और वसूली की रकम संवत्त करने के लिये बायी होगा।

90. अधिकारियों को बाधा आदि पहुंचाना : कोई भी व्यक्ति, पत्तन के किसी कर्मचारी को, अपने कर्तव्य का पालन करने में नहीं सताएगा, उस पर प्रहार नहीं करेगा, प्रतिरोध नहीं करेगा, रुकावट नहीं डालेगा, बाधा नहीं डालेगा, अडचन नहीं डालेगा या विघ्न नहीं डालेगा या सताने, प्रहार करने, रुकावट नहीं डालेगा, बाधा पहुंचाने, अडचन डालने या विघ्न डालने की प्रस्थापना या प्रयास नहीं करेगा या उसके विघ्नपूर्ण आदेशों की अवज्ञा नहीं करेगा या गाली-गलौज या संतापकारी भाषा का प्रयोग नहीं करेगा या अन्य व्यक्तियों की इन बातों में से किसी बात को करने के लिए सहायता नहीं देगा या नहीं उकसाएगा।

91. यानों का चलाया जाना : यातायात प्रबंधक द्वारा इस निमित्त जारी की गई अनुज्ञति के बिना और निम्नलिखित शर्तों के अनुसरण के सिवाय पत्तन के भीतर किसी सड़क, घाटों या पट्टियों के पारण्व में या उन पर माल ले जाने के लिये मोटर कारियां या अन्य यान नहीं चलाए जाएंगे या उनकी पत्तन में प्रवेश करने या आने नहीं दिया जाएगा, अर्थात् :—

(1) ऐसे यान सभी प्रकार से मोटर यान अधिनियम 1939 (1939 का 4) और तद्घीन बने नियमों के उपबंधों के अधीन होंगे।

(2) ऐसे यान को किसी आदमी की देखरेख के बिना नहीं छोड़ा जाएगा।

(3) ऐसे यान सामान्यतया पत्तन में माय्यता प्राप्त सड़कों पर चलेगे किन्तु पत्तन और पुष्पि अधिकारियों के नियन्त्रण के अधीन रहते हुए, लदान या उतराई के प्रयोजन के लिये उन्हें घाटों, अधिकृत शोडों, खुले भंडारकरण स्थलों तक आने दिया जा सकेगा।

(4) पत्तन में प्रवेश करने या उसे छोड़ने समय, ऐसी मोटर गाड़ियों या यान पत्तन द्वारों पर तब तक रुकेंगे जब तक पत्तन प्राधिकारियों या सीमा-शुल्क अधिकारी या दोनों जो द्वारों पर ड्यूटी पर तैनात हों, से प्रवेश करने की अनुज्ञा अभिप्राप्त नहीं की जाती और उसका वासक माग किये जाने पर सारी या यान को पत्तन में प्रवेश करने की अनुज्ञा देने वाली अनुज्ञति को निरीक्षण के लिये पेश करेगा।

(5) ऐसे यानों को उतने समय से अधिक समय तक पत्तन में नहीं रहने दिया जायेगा जो यातायात प्रबंधक की राय में माल के लदान या उतराई के प्रयोजन के लिये आवश्यक हो और न इसे इस प्रकार चलाया जाएगा कि इसे घूमने फिरने की छूट से और न ही उसे भाड़े के लिये चलाया जाएगा।

(6) ऐसे यान यातायात प्रबंधक को विशेष अनुज्ञापत्र के बिना, पत्तन के भीतर अपने टैंकों में पेट्रोल या अन्य इंधन नहीं भरेंगे।

(7) इस नियम के अधीन किसी यान को अनुदत्त अनुज्ञतियों को यदि परिस्थितियों से ऐसी अपेक्षा करे, किसी भी अनुज्ञत धारक को यह कारण बताने का अवसर देने के पश्चात् किसी भी अनुज्ञतियों को न प्रतिसंभूत की जाए, किसी भी समय यातायात प्रबंधक द्वारा प्रतिसंभूत किया जा सकेगा और ऐसे प्रतिसंभूत पर यह आनुपातिक फीस जो

ऐसी अनुमति की प्रत्यक्ष अवधि, यदि कोई हो, की बात है, यह निमित्त अनुमतिधारी द्वारा किये गये निश्चित आवेदन पर आपस में आ सकेगी।

92 फीसों या उपदान की प्रस्थापना : पत्तन के किसी अधिकारी या सेवक कोई जिस अनुशासनिक कार्यवाही के कष्ट के कारण ऐसी फीस, उपदान या पारितोषिक लेने से निषिद्ध किया गया है, कोई फीस, उपदान या पारितोषिक की प्रस्थापना नहीं की जाएगी।

93. संकेत : (1) जलयानों द्वारा, संकेतों के अन्तर्राष्ट्रीय कोड का प्रयोग करके सभी सहायक संकेत दिये जाएंगे और संकेत केन्द्र मस्तूल शीर्ष पर जवाबी ध्वज द्वारा उन्हें अभिस्थिति दी जाएगी।

(2) केन्द्र सागरे के लिये दिन के समय ध्वज जैड का प्रदीपन करके और रात्रि के समय छोटे छोटे झन्डों पर पत्तन संकेत केन्द्र की सोर्स और सेमाफोर कोडों द्वारा सूचनाएं दी जा सकेंगी।

94. खराब मौसम के लिये इंतजाम : प्रतिकूल या खराब मौसम के खानू रहने के दौरान, पत्तन के प्रत्येक जलयान के मास्टर में निम्न-लिखित निदेशों का पालन करने की अपेक्षा की जाएगी, अर्थात् :—

(क) सूर्यास्त और सूर्योदय के बीच उसे अपने जलयान से अनुपस्थित नहीं रहना चाहिये।

(ख) अल्पकालिक सूचना पर समुद्र में जाने के लिये उसे सभी प्रकार से अपने जलयान को तैयार रखना चाहिये। यदि यह उसके लिए संभव न हो, तो इस तथ्य की सूचना भी संरक्षक को तुरन्त देनी चाहिये।

(ग) खतरे का संकेत फहराए जाने पर उसे अपने जलयान की सुरक्षा के लिये सभी उपाय करने चाहिये क्योंकि पत्तन प्राधिकारियों द्वारा और अनुदेश नहीं दिये जाएंगे।

95. कतिपय नियमों का अनुपालन : पत्तन में पहुंचने वाले सभी जलयान अपने विश्राम काल और पत्तन से रवाना होने समय, भारतीय पत्तन स्वास्थ्य नियम, 1955 के उपबंधों का अनुपालन करेंगे।

[सं० एक० सं० पोर्टर-38/74]

एम० आर० गणवाल, अवर सचिव

New Delhi, the 25th March, 1977

**G.S.R. 499.**—Whereas draft of the Major Port of New Tuticorin Rules, 1976, was published as required by sub-section (2) of section 6 of the Indian Ports Act, 1908 (15 of 1908), at pages 1416 to 1434 of the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (i) dated the 29th May, 1976, under the notification of the Government of India in the Ministry of Shipping and Transport (Transport Wing) No. G.S.R. 728, dated the 7th May, 1976, inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby till the expiry of a period of sixty days from the date of publication of that notification in the Official Gazette;

And whereas the said Gazette was made available to the public on the 14th June, 1976;

And whereas no objections or suggestions were received from any person with respect to the said draft before the expiry of the said period;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 6 of the said Act, the Central Government hereby makes the following rules, namely :—

#### PART I—PRELIMINARY

1. Short title, commencement and application—(1) These rules may be called the Major Port of New Tuticorin Rules, 1977.

2. They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

3. They shall, unless otherwise provided in these rules, be applicable only within the local limits of the Major Port of New Tuticorin.

2. Definitions—In these rules, unless the context otherwise requires,—

- (a) "Act" means the Indian Ports Act, 1908 (15 of 1908);
- (b) "Conservator" means the conservator for the Major Port of New Tuticorin appointed by the Central Government under the Act;
- (c) "dangerous goods" means goods as defined in the Indian Merchant Shipping (Carriage of Dangerous Goods) Rules, 1954;
- (d) "dangerous petroleum" means petroleum having its flash point below 24.4. degrees Centigrade;
- (e) "Deputy Conservator" means the head of the Port's Marine Department and includes the harbour master or any pilot duly authorised by the head of the Marine Department in this behalf;
- (f) "fuel oil" means petroleum oil having a flash point of not less than 65.6 degrees centigrade and ordinarily used as fuel in engines and furnaces;
- (g) "Owner", in relation to goods, includes any consignor, consignee, shipper or agent for sale, custody, loading or unloading of such goods and in relation to any vessel making use of the port, includes any port-owner, charterer, consignee, or mortgagee in possession thereof;
- (h) "petroleum" means any liquid hydro-carbon or mixture of hydrocarbon and any inflammable mixture (liquid, viscous or solid) containing any liquid hydro-carbon, but does not include any oil ordinarily used for lubricating purpose and having a flash point at or above 93.3 degrees Centigrade;
- (i) "port" means the Major Port of New Tuticorin;
- (j) "port authorities" means the Conservator, Major Port of New Tuticorin appointed by the Central Government and includes any other officer of the port acting under the authority of the CONSERVATOR, Major Port of New Tuticorin;
- (k) "tanker" means a cargo ship constructed or adapted for the carriage in bulk of liquid cargoes of an inflammable nature;
- (l) "Traffic Manager" means the officer for the time being in charge of traffic operations in the port and includes the Deputy Traffic Manager and Assistant Traffic Manager and any other officer acting under the authority of the Traffic Manager.

#### PART II—ADMISSION OF VESSELS INTO PORT

3. Intimation of a vessels expected arrival.—(1) (a) When a vessel is expected to arrive, her agents shall, at least forty eight hours before the expected time of arrival, send a notice to the Traffic Manager with a copy to the Deputy Conservator.

(b) Any special requirements regarding particular berths, heavy lift cranes and other things shall be indicated in such notice. Detailed particulars of cargo to be landed at the port, with items of special cargo and heavy lifts shown separately with their stowage and distribution of cargo hatch-wise shall either be attached to the vessels arrival notice or be sent at least 24 hours before the arrival of the vessel and this cargo advice shall be in triplicate.

(2) The agents of expected vessels shall in their own interest contact the Traffic Manager in time and apprise him with all the information regarding nature, quantity, stowage of cargo they intend working and also such information regarding the vessel as will be necessary for berthing her at a suitable berth.

4. Allotment of Berth.—(1) A vessel shall have no claim to a berth in the port until one has been specially allotted by the Traffic Manager and intimation given of such allotment by the Deputy Conservator.

(2) Allotment of any berth in the port shall only be considered as provisional until a vessel is actually ready to enter the port and her suitability for and the right to such berth is established to the satisfaction of the Traffic Manager.

5. Priority for certain vessels.—The allotment of berths shall be within the discretion of the Traffic Manager and subject to exigencies, the vessel first sighted and identified by the signal station shall be given priority :

Provided that Government vessels embarking or disembarking troops, passenger vessels and any other class of vessels which the Conservator may from time to time declare in this behalf shall be eligible for a degree of priority in berthing.

6. Refusal to allot a berth.—If the Traffic Manager considers that there is good and sufficient reason for not admitting a vessel into the Port, he may refer the matter to the Deputy Conservator and pending the decision of the Deputy Conservator, he may refuse to allot a berth.

7. Master to be in command of vessels.—A vessel shall not be permitted to enter or leave the port or be moved from one berth to another in the port unless the master is on board :

Provided that under exceptional circumstances, such as death or a serious illness of the master, special arrangements may be made in consultation with the Deputy Conservator.

8. Certain directions given by the Deputy Conservator to be carried out.—Masters and owners of vessels shall obey all directions of the Deputy Conservator in relation to the rotation and manner of approaching the port entrance and of coming into or going out of port.

9. Entering or leaving Port.—All sea going vessels on entering or leaving the port between sun-rise and sun-set shall fly their national flag, and when entering the port, each vessel shall hoist her signal letters.

10. Piloting of Vessels.—(1) Subject to the provisions of the Act, and the conditions specified in sub-rule (2), pilotage is compulsory for all vessels except for those which are specifically exempted in writing by the Deputy Conservator or some other officer specially empowered by him in this behalf.

(2) The conditions referred to in sub-rule (1) are as follows, namely :—

- (a) The master shall supply the pilot with all the information with regard to quarantine, dangerous goods on board, ship's draft and matters relating to the ship's behaviour and shall on completion of pilotage and berthing or unberthing, complete and sign the certificates on specified forms presented by the pilot.
- (b) In the event of an out-going vessel carrying a pilot outside the limit specified in clause (a) for unavoidable reasons, the master shall be bound to leave the pilot at the next nearest port and shall be liable to pay all expenses incurred on this account.
- (c) The master of a vessel shall in accordance with the provisions of the Act, display such signals as are required by the pilot to be used or as may be directed by the pilot.
- (d) (i) Every vessel entering or leaving the port shall be provided with an efficient pilot ladder in compliance with the Indian Mercant Shipping (Pilot Ladder) Rules 1953.
- (ii) If a pilot considers the rope ladder or manropes provided by the vessel to be unsafe, he may refuse to board or leave her, as the case may be, until a strong and efficient ladder and stout man-ropes are provided as required.
- (e) Vessels shall not anchor within the outer channel fairway across the entrance channel equidistant

from the fairway buoy or in any other prohibited anchorage, nor shall a master attempt to enter the channel to pick up a pilot.

(f) (i) If any accident happens to a vessel while a pilot is on board and if the master of a vessel has any complaint to make regarding the handling of the vessel under the command of the pilot, or the advice given by him by the pilot on duty, he shall report about the accident at once to the Deputy Conservator who shall immediately hold a departmental enquiry.

(ii) If the accident occur while the vessel is leaving the port the master shall send in full report direct to the Deputy Conservator from his next port of call.

(iii) This report shall be accompanied by a signed statement of any witness to the incident in question.

(g) A vessel may leave the port without having on board a pilot under stress of weather after obtaining an authority to do so from the Deputy Conservator and after intimating the port Signal Station of her intention to do so.

11. Use of Port Tugs.—It shall be incumbent upon the master of a vessel to avail of the services of the port tugs while navigating within the port limits.

12. Taking Photographs etc.—No person shall, except under the authority of a written permit granted by the Traffic Manager,—

(a) have or carry with him a camera for taking photographs or any material for making a sketch, plan, model or other devices;

(b) take any photographs or make any sketch, plan or model of any movable or immovable object or building installation within any port limits or any other area declared as such by the Conservator from time to time.

13. Supply of Wires, Hawasers, etc.—Vessels entering the port shall have in readiness for supply such steel wire, ropes and other hawasers as may be required to facilitate berthing alongside.

14. Vessel's Crew and Appliances to be in readiness.—(1) Masters or owners of vessels shall employ sufficient number of crew, and keep in readiness such appliances on board as may be necessary for working their vessels in and out of the port approach channel and in the port.

(2) In default or whenever necessary, the Deputy Conservator shall employ such number of personnel, and make available such appliances as he may consider necessary at the expenses of the master or the owner.

15. Other precautions.—(1) Vessels when entering, leaving or being moved in the port or in the event of parting their moorings when secured to a jetty, quay or buoys shall have both anchors ready for letting off at any time.

(2) Vessels when entering, leaving, being moved, or lying in the port alongside quays or jetties shall have their sides free of all projections and their boats, davits and derricks shall be swung in board and ganway ladders shall be stored on board.

(3) Masters and owners of vessels shall be responsible for all accidents which may result from failure to adopt any of the precautions specified in sub-rules (1) and (2).

16. Vessels lying outside the Port entrance channel to be moved.—(1) A vessel lying in the harbour near the entrance to the port or in the fairway of the channel, or near the entrance channel in the pilotage waters of the harbour shall be removed by the master or owner if and when required by the Deputy Conservator.

(2) If such removal is not effected promptly, it shall be carried out under the orders and directions of the Deputy Conservator at the risk and expense of the master or owner of such vessel.

## PART III—REGULATIONS FOR VESSELS IN THE PORT

17. Master etc. to place his vessels in her berth.—(1) All vessels within the port shall take up such berths as may be assigned to them by the Traffic Manager or the Deputy Conservator and shall change their berths or move when required by either of the said officers.

(2) No vessel shall cast off a warp that has been made fast to her to assist the vessel moving, without being required to do so by the pilot or the Harbour Master in charge of the vessel moving.

18. Closing of Hatchways when not working.—Vessels when not working cargo shall have all hatchways closed or well protected.

19. Mooring, unmooring and moving vessels in Port under orders of the Deputy Conservator.—(1) Masters or owners of vessels shall obey the directions of, and shall offer nowobstruction to the Deputy Conservator, in regard to the mooring, unmooring or moving of any vessel in the port.

(2) A vessel shall not be required to be moved from her berth without the previous orders in writing of the Deputy Conservator.

(3) In case it becomes necessary, the Deputy Conservator shall take such action as may be necessary to enforce his orders and any expenses incurred in taking such action shall, without prejudice to any penalty to which the master or owner in default may be liable, be payable by such master or owner.

(4) Masters of vessels shall ascertain from the Deputy Conservator the maximum drafts to which their vessels may load.

20. Mooring improperly.—Masters or owners of vessels in the port shall not permit the ropes or hawsers of their vessels to be made fast to any place or places in the port other than the bollards, moorings posts or other appliances specially provided for the purpose.

21. Vessels to be in charge of competent persons.—When a vessel remains in the port, the master or any other responsible officer and sufficient number of crew shall always be on board.

22. Watchmen to be kept on Deck.—(1) A vessel in the port shall maintain a Quarter Master or a Watchman always on duty on the deck, who shall be in charge of the vessel's shore gangway and attend to the mooring ropes and lines of the vessel, and he shall also be responsible for their adjustment and in case of default, the master or the owner of the vessel shall be liable for any damage as a result of such default.

23. Vessel's propeller not to be worked.—(1) While a vessel is berthed or moored in the port, any propeller shall not be moved by power without the previous written permission of the Deputy Conservator and subject to such conditions as he may direct.

(2) Notwithstanding such permission, masters and owners shall be responsible for any damage that may result from the moving of any propeller by power or hand.

24. Anchor or other gear dropped in Port etc. to be recovered.—Masters shall be responsible for the immediate buoying of any anchor or other gear that may be dropped overboard from their vessels in the port and shall take all steps necessary for the removal from the water of any such anchor or gear.

25. Vessels to be properly ballasted.—Vessels in the port shall be kept so loaded or ballasted that in the event of fire or other emergency, they may be removed from their berths without danger.

26. Repairs to Vessels.—Master intending to carry out repairs are required to bear in mind the following conditions, namely:—

- (i) Vessels shall not be immobilised without first obtaining permission from the Deputy Conservator.
- (ii) Vessels are likely to be moved from the berths when the berths are required for working cargo by other vessels.

(iii) The Deputy Conservator may, if considered desirable, prohibit chipping or repairs causing excessive noise between 10.00 and 17.00 hours.

(iv) Repairs involving the use of naked lights, gas cutting and welding apparatus to, or in the vicinity of fuel oil storage tank or the fuel system, or involving the entry of a person into any fuel storage tank or such vessel wherein petroleum may have been stored, may not be commenced unless a gas free certificate from the appropriate authority has been obtained.

27. Goods etc., not to be allowed to fall into Port.—No cargo, goods or any other substance shall be allowed to fall from any vessel, quay or pier into the port channel or in the port.

28. Notice to be given of Cargo, goods etc. falling into water.—Any person or the master or owner of any vessel or the stevedore engaged in loading or unloading any vessel who allows any cargo, goods or substance to fall from any vessel, pier or quay into the water shall forthwith give notice of the occurrence and furnish all particulars connected therewith to the Traffic Manager and the Deputy Conservator and shall take immediate steps to remove the said cargo, goods or substance from the water at their cost.

29. Recovery of goods rubbish etc. falling into water.—If any person master or owner of a vessel or stevedore required under rule 28 to remove any cargo, goods or other substance from the water, fails to remove within such time as has been specified in a notice from the Deputy Conservator calling upon him to do so the Deputy Conservator may remove such cargo, goods or substance, and any expense incurred in such removal shall be recovered from the person, master, owner or stevedore, without prejudice to any other penalty to which the person, owner or stevedore may be liable.

30. Ashes rubbish etc., not to be deposited on Quays etc. without permission.—No person shall without authority from the Traffic Manager, deposit, upon any quay or pier in the shed or any part of the port any ashes, ballast, baskets, bottles, cinders, dirt, dung, refuse, rubbish, shavings, stores or other similar loose materials or substances.

31. Prevention of materials falling into Port, disposal of ashes, ashes etc.—Masters or owners of vessel or stevedores loading or unloading, ashes, ballast, bricks, cinders, coal, dustlime, rubbish, shingles, stones, tiles or any other loose materials shall use, for such loading or unloading a canvass cloth or wooden chute, to the satisfaction of the Deputy Conservator.

(2) Ashes, cinders, dust and rubbish shall be landed on the quay in such places as may be directed by the Traffic Manager and the Master, owner or the stevedores, as the case may be, may remove them from such place.

32. Oily bilge water etc. not to be pumped into Port.—(1) No ballast water containing oil liable to foul or capable of fouling the water shall be discharged from any vessel into the Port.

(2) If any oil is found floating around the ship, it shall be the responsibility of the master to prove that it is not from his ship.

33. Cleaning of vessels.—No person shall be employed in cleaning or painting a vessel or in working in the bilges, boilers or double bottom of a vessel in the port except during such time as may be fixed by the Conservator in this behalf.

34. Projections from Deck of Vessel.—Projections from the deck of any vessel which interfere with the loading or unloading of any other vessel in the Port shall forthwith be removed on a requisition by the Traffic Manager.

35. Fenders.—Fenders provided by the Port at the quay, jetty berths shall not be lifted or removed by the masters or their stevedores.

36. Sound signals.—The use of sound signals for attracting attention is prohibited on board the vessels while within the limits of the Port, except for the purposes specified in regulations 34, 35, 36 and 37 of the International Regulations for Preventing Collisions at Sea, 1972 and the new collisions

regulations and in case of emergency when assistance from the shore is urgently required in the interests of the safety of the vessel or when the pilot in charge thinks fit to do so.

37. Sinking of Boats, etc.—The master or owner of any vessel in the harbour, alongside of which any cargo, manure or other boat is sunk whilst taking in cargo or passenger or discharging cargo or passenger, shall forthwith report the fact of such sinking and the place where it occurred to the Deputy Conservator.

38. Dangerous Animals and Fire Arms.—Dangerous animals and loaded guns or fire arms shall not be kept or allowed on board any vessel in the Port.

39. Vessels with dangerous cargoes etc.—The Deputy Conservator may order immediate removal from the port of all vessels having on board animals manures or other offensive or dangerous cargoes or persons suffering from infectious diseases.

40. Masters etc. of vessels responsible for damages.—Masters and owners of vessels shall be responsible for any loss of damage caused to any of the installations or property of the port due to the negligence of their servants and the Deputy Conservator shall have the right to detain their vessels until the value of the loss or damage is paid or security for such payment is given.

41. Vessels etc. in Port at the risk of Master etc.—All vessels in the port lie at the risk of their Masters or owners who shall be held responsible for any loss or damage they may arise in consequence of their faulty navigation or by reason of their breaking adrift from their anchors or moorings.

42. Masters etc. responsibility for acts of crew etc.—Masters and owners of vessels shall be held liable and responsible for the acts of the crew and any person employed by them either outside or on board, their vessels.

43. Port authorities accept no liability for delay, etc.—The port authorities shall not be liable for any delay in respect of a vessel entering, remaining in, or going out of the port or for delay in the loading or unloading of goods owing to circumstances beyond their control.

44. Notice regarding outbreak of fire on vessels to be given by Masters etc.—(1) Any person noticing a fire in a ship shall immediately:—

(a) inform an officer of the ship who shall be responsible for raising the alarm in accordance with the provisions of sub-rule (2).

(b) if the ship is alongside a quay, treat the fire as on shore and raise the alarm required under sub-rule (2) and also inform an officer of the ship who shall also arise the alarm in accordance with the provisions of sub-rule (2).

(2) The following method shall be used for raising an alarm, namely:—

1. Afloat by day.—Hoist International Flag 'DQ' sound continuous blasts on ship's whistle or siren until the arrival of the Fire float.

2. Afloat by night.—Sound whistle or siren as above hoist two red lights one above the other 6 (six) feet apart. When ships are alongside the alarm is to be raised by telephone in addition to the above procedure.

3. Ashore by day or night.—(i) Run to the nearest telephone and ring up Port Exchange and on being connected, state clearly

FIRE IN SHIP AT.....

FIRE ASHORE AT.....

(2) The Port PBX Operator shall take care that the connection to Port Fire Office is given without any delay whatsoever.

45. Prohibition of underwater salvaging or repairs.—No person shall salvage any anchors, cables, stores or for cargoes lost or supposed to be lost therein or under taken under water repairs to vessels without the prior permission of the Deputy Conservator or an officer authorised by him.

#### PART IV—RULES IN RESPECT OF QUAYS AND SHEDS FOR THE LOADING AND UNLOADING OF VESSELS; AND FOR THE DELIVERY AND SHIPMENT OF GOODS

46. Work in Port under the Traffic Manager.—(1) The loading and unloading of vessels in the port shall be subject to the control of the Traffic Manager who may at his discretion prohibit the discharge of such goods in the port which in his opinion are likely to obstruct traffic or cause congestion or hinder the convenient use of the port.

(2) The Traffic Manager may also, at his discretion remove any other place goods the storage of which on the port premises either upon their landing in the port or thereafter, is likely to obstruct traffic or cause congestion.

(3) The apportionment of quay space to be occupied by each vessel shall similarly be determined by the Traffic Manager.

47. Use of cranes.—The allotment of quay cranes for discharging import cargo or for loading export cargo shall be at the discretion of the Traffic Manager

48. Vessels lying idle.—The Traffic Manager may, at his discretion move from her berth, or order out of the port, any vessel which in his opinion has remained idle in the port.

49. Vessels working slowly.—A vessel discharging import cargo or unloading export cargo in the port may be required to give up her berth if in the opinion of the Traffic Manager the rate of discharge or loading is below the average for similar vessels and for similar cargoes.

50. Vessels to be moored before working cargo.—Goods shall not be loaded into or unloaded from a vessel in the port until the vessels has been moored at her allotted berth.

51. Production of manifest before breaking bulk or before commencement of loading.—(1) (a) The master, owner or agent of a vessel carrying cargo for discharge at the port shall furnish the Traffic Manager, with a true copy of the complete Import General manifest not less than six clear working days before being permitted to break bulk.

(b) The manifest shall full details of such consignment manifested including literage in the case of liquids in bulk and gross weight in killos in other cases.

(c) Non-submission of such manifests within the stipulated time may result in the vessel concerned not being permitted to break bulk.

(d) Where the consignment consists of packages of different weights, the gross weight in the metric system of each package shall be furnished in addition.

(e) in the case of iron and steel consignments hatch lists indicating (a) description (b) quantity and (c) weight in metric system in each hatch, shall also be submitted before permitted to break bulk.

(2) If cargo meant for any other port or meant for transshipment is allowed to be discharged, a supplementary manifest giving full details of gross weights, in metric system shall be filed before being permitted to discharge such cargo. If details of such consignments are not already included in the original Import General Manifest filed for the vessel.

(3) (a) Every export application submitted for shipment of goods and every customs export shipping bill presented at the office of the Traffic Manager for assessment of dues, shall show full details of the consignments covered by the documents including the description of the cargo, quantity of cargo and the gross weight, of each consignment in metric system, including literage in the case of liquids in bulk.

b) Where the consignment consists of packages of different weights, the gross weight in the metric system of each package shall be furnished in addition.

(4) The agents of a merchant vessel departing from the port, whether loaded or in a ballast shall before three days of her departure, furnish the Traffic Manager, with copy of her Export Manifest.

52. Documents to be produced by shipper and consignees.—

(1) All applications for permission to export or to import goods shall be made in such forms approved by the Traffic Manager and such forms shall in all cases be correctly filled in and signed by the shipper or consignee of the goods or by his agent.

(2) Except when required by the person authorised by the Traffic Manager to call for and inspect them, all necessary documents shall be produced by shippers or consignees or their agents at the time of the shipping or landing of goods.

(3) When cargo is shipped by a vessel other than that entered on the application for permission to ship it, a fresh application shall be submitted to the Traffic Manager.

53. Opening of packages.—No package shall be opened inside harbour by the importer, exporter or owner, for appraisement, examination or survey, without the permission of the Traffic Manager.

54. Removal of Iron, Steel Machinery packages, long and unwieldy heavy lifts from the Port.—Consignments of iron, steel, machinery packages, long and unwieldy heavy lift landed in the port may be removed by the Traffic Manager at his discretion to any other place at the cost of the consignees owners, or importers and without any previous notice to them if he considers it necessary so to do for the safe and convenient working of the port.

55. Timber discharging.—Timber shall not be discharged from a vessel overside into the water without the approval of the Traffic Manager, and if so discharged, shall be removed out of the port on the next high tide after such discharge.

56. Discharge and shipment of coal or any other dirty cargo.—(1) The discharge and shipment of coal or other dirty cargo in bulk or otherwise from and into ships in the port, may be effected only with the written permission of the Traffic Manager who may refuse such permission in cases where he considers any loss or damage to property is likely to arise from coal or similar dust, caused by such discharge or shipment.

(2) Permission accorded to discharge or to ship coal or other dirty cargo, in bulk or otherwise, on and from shore, shall be subject to the importer or shipper or their accredited agents agreeing to reimburse the entire cost of cleaning the wharf of the residue.

57. Works of art, bullion, etc.—(1) The port authorities shall not accept any responsibility in respect of any package containing a work of art or an article of virtue of which the value including that of the package exceeds Rs. 50 or containing specie, bullion, gold or silver articles, jewellery, precious stones or coral, unless six hours at least before the package is landed or brought into the harbour for shipment, written notice is given to the Traffic Manager by the owner or consignee and the package is specially delivered to the Traffic Manager and a receipt thereof obtained.

(2) If any package containing any of the articles referred to above is brought to any wharf or pier without the said written notice being given to the Traffic Manager, the package, if for export, shall be shipped, or if imported, shall be removed to the Customs House or to the port sheds at the sole risk of the owner and shall remain at his risk until cleared.

58. Loading and unloading of cargoes likely to foul port wharves.—(1) Molasses and other goods of a nature likely to foul the port wharves or transit sheds or to cause damage

to other goods may be discharged from a vessel in the port only with the permission of the Traffic Manager and subject to their owner or consignee of the goods undertaking to pay to the port authorities the expenses if any, incurred by them for clearing the wharf or transit shed.

(2) (a) The decanting on the port wharves from drums or other receptacles, of vegetable, fish or other oils, preparatory to their shipments in bulk shall not be permitted.

(b) where shipment in bulk of oils, are to be effected the oils shall be transported to the port in tank wagons, or tank lorries and pumped directly therefrom into the vessel's tanks, or where the oil has been transported in tank barges, directly from barges into the vessels' tanks.

59. Removal of rotten goods from the wharves.—If any vessel discharges in the port any goods or substance in such a rotten, putrid, damaged or other condition as to be in the opinion of the Health Officer of the port, injurious or dangerous to health or if any goods or substance discharged from any vessel and lying in the port decay into such a rotten, putrid or other condition as to be injurious or dangerous to health in the opinion of the said Health Officer, the Traffic Manager may require the owner thereof, or if the owner disclaims, denies or disputes the consignment or declines all responsibility or if there be no owner, the master, owner or agent as the case may be shall, on being so required, refuse or neglect to remove such goods or substance within eighteen hours of the receipt of notice, removal may be effected in such manner as the Traffic Manager may think fit and he may, if he thinks necessary, cause the said goods or substance to be destroyed.

(2) The owner or the master, owner or agent as the case may be shall, within forty-eight hours after demand in writing pay to the port authorities all the costs of expenses attending or occasioned by such removal and destruction and of such cleaning purifying or disinfecting the place of discharge or storage.

60. Handling of cargoes likely to contaminate food stuffs.—(1) Items of cargo, such as chemical manures, insecticides, poisonous substances which are likely to contaminate food-stuffs shall not be discharged at any berth for storage, pending delivery, unless the discharge of such cargo has been specifically permitted in writing by the Traffic Manager.

(2) In all cases, where such permission has not been given, the vessel shall either discharge such cargo direct on to the quay provided adequate arrangements have been made by the steamer agents with the consignee to the satisfaction of the Traffic Manager, for the clearance of such cargo direct from the landing point, rail or road transport, or land such cargo overside into barges hired by the steamer agents, to be taken up to the points fixed by the Traffic Manager for storage.

61. Transfer of vessels from their berths.—(1) The Traffic Manager may either himself, or through the Deputy Conservator, direct any vessel, to move from one berth in the port to any other berth, provided that such other berth is vacant.

(2) A notice of 12 hours shall be given before a vessel is required to be shifted under this rule.

(3) The port shall not be responsible for any delay which may be caused to a vessel in effecting a transfer under this rule.

62. Issue of licences to stevedores.—(1) The conservator on the recommendation of the Traffic Manager, shall, from year to year, issue licences to certain approved firms and individuals granting them permission to perform the work of stevedoring vessels in the port and no stevedore shall be allowed to work on board any vessel in the port unless he is in possession of such licence.

(2) The Conservator on the recommendation of the Traffic Manager may at any time cancel any licence issued under this rule or may suspend the same for such period as may be specified for breach of any of the terms of the licence or for breach of any of the provisions of rule 63 or 64.



(3) The licence may likewise be cancelled or suspended if, after the grant thereof, it is discovered that the application for the licence contained any misrepresentations or mis-statements of material facts or if the licensee has been adjudged insolvent or has gone into liquidation, as the case may be, or if the licensee or his workmen cause any obstruction to any work in the port :

Provided that no such licence shall be cancelled or suspended until the holder of the licence has been given a reasonable opportunity for showing cause why his licence should not be cancelled or suspended as the case may be :

Provided further that no such opportunity for showing cause shall be necessary when the licence is suspended pending an enquiry against the holder of the licence for contravention of any of the terms thereof or for contravention of any of these rules or for doing anything for which the licence is liable under this rule to be cancelled or suspended.

63. Conditions for issue of licence to stevedores.—(1) Every stevedore shall be responsible for the due observance and performance by all staff and labour employed by him, during the loading or unloading of a vessel or work incidental thereto, of all the relevant laws, rules and regulations for the time being in force.

(2) Every stevedore shall ensure that all loading and unloading operations shall conform in all respects to the requirements prescribed by or under the Indian Dock Labourers Act, 1934 (19 of 1934) are carried out with his own gear and he shall be solely responsible for any accident or damage resulting from the use of any defective gear.

(3) (a) Every stevedore shall employ at least one experienced foreman and a tindal to superintend the loading or unloading of cargo or bunkering of coal, or fuel at each hatchway at which loading, unloading or bunkering is being carried on.

(b) The tindal shall supervise the slinging or unslinging of goods in the hold and wherever a vessel is loading cargo in the between decks along, he shall see that the between deck hatches that are provided with cross beams and fore and aft beams have all such beams fixed in their proper places, and that the hatch covers are properly put on and effectively secured to prevent their displacement before commencing work; the foreman shall remain on deck and see that the crane chain is not taken out of the square of the hatchway, and that the hook does not catch coamings or foul any of the ships gear or damage any structure or erection ashore.

(c) The foreman shall give correct signals to the crane driver and shall superintend the taking off and putting on the beams and hatch covers and shall see that persons keep out of danger on deck and do not stand under any hoist.

(d) The foreman shall, where work is stopped for the day or night, search and satisfy himself that no one is remaining in the hold.

(e) The stevedore shall be solely responsible to the owners of the ship and to the port authorities in the event of any injury or damage being caused to any person or property in the course of the loading unloading or bunkering operations.

64. Discharge of A vessel's cargo to be under the superintendence of master, etc. or stevedore and their liability.—Cargo shall not be discharged from any vessel in the port except under the directions and superintendence on board such vessel of the master or owner of the vessel or of a stevedore licensed by the Conservator to perform such work in the port and such master, owner or stevedore shall be personally liable in respect of any loss and damage arising from the careless or improper slinging of goods on board such vessel and shall in every instance observe the following precautions, namely :—

(i) that the sling is laid out flat without turning or kinks before any goods are loaded therein ;

(ii) that after each sling has been made up and with the first strain on heaving up, the running loop in well

beaten home with a wooden bar in order that the grip may be made secure.

65. Masters etc. and stevedores working cargoes to provide proper lights on Board.—Masters and owners of vessels in the port and the stevedores working the cargoes of such vessel shall be jointly and severally responsible for the proper provision of lights in all these parts of vessels, where work is being carried on either with the use of the port's cranes, quays piers or other property or otherwise, and in default they shall jointly and severally be liable in respect of any loss or damage to life, limb or property resulting therefrom.

66. Making up of slings—cranes not be used under vessel's coamings.—Slings of import goods shall be made up directly under the open hatchway of any vessel unloading in the port and under no circumstances the port's cranes shall be employed for the purpose of breaking out for removing goods from under the coamings.

67. Use of vessel winches.—Masters and owners of vessels employing their own cranes or winches for the loading or unloading of goods shall be responsible for any loss or damage to goods arising from any cause whatsoever.

NOTE : (1) Cranes shall be fixed in positions as directed by the stevedores.

(2) Ship's Officers shall see that the port's cranes work quite clear of ship's gear.

68. Heavy lifts.—The Traffic Manager may prohibit the landing from any vessel of any single article or package of more than 10 tonnes in weight, except by the cranes of the ports provided for the purpose, if he is of opinion that is necessary or advisable to do so.

69. Discharge of Heavy Lifts.—(1) Single articles and packages of over 10 tonnes in weight shall not be discharged unless so permitted by the Traffic Manager under the terms and conditions laid down by him in this behalf.

(2) The port authorities shall not be liable for responsible in respect of any loss or damage occurring to such articles or packages.

70. Marking and Packing of Heavy Packages.—Single articles and packages of one metric ton and over in weight (hereinafter referred to in this rule as heavy package), shall not be loaded on board any vessel in the port or alongside the quay walls unless the gross weight of each such article or package has been plainly and durably marked upon it and packed by the consigners or their agents in the manner set out below :—

(1) Manner of marking of Heavy Packages.—(a) The gross weight on a heavy package shall be marked thereon in English the regional language if possible with a kind of plant which is not easily effaceable.

(b) Where a heavy package is of a light colour, black paint, and where the package is of a dark colour, white or yellow paint shall be used for such markings.

(2) Gross Weight to be marked in Metric Tons or Kilograms.—Subject to the provisions of clause (6) the gross weight of a heavy package shall be marked thereon in metric tons or kilograms.

(3) Place of marking.—The gross weight shall be marked on two sides of the heavy package so that in whatever position the package is placed, the marking is easily visible.

(4) Size of Letters or Figures.—Every letter or figure used to mark the gross weight of a heavy package shall be at least seven and half Cms. (three inches) in length and half Cm (one quarter of an inch) in breadth.

(5) Manner of Packing.—(a) the goods in heavy package shall be securely packed in a strong covering in such

manner that there is no movement of the goods inside the package resulting in any disintegration of the goods or the coveining.

- (b) The covering shall be of such materials and nature as can stand the strain of the package being handled during the course of loading or unloading so that the risk of any injury to persons who handled the package is minimised.
- (6) Marking of Approximate Weight in certain Circumstances.—(a) Where at the place the heavy package is consigned there are no means available for determining the correct weight of the package, the anticipated minimum and maximum weight of the package, in metric tons or kilograms shall be marked thereon in the manner hereinbefore specified.

Provided that such anticipated maximum weight shall be so assessed that it does not fall below the actual weight of the package.

- (b) Consignors and their agents, agents of vessels and stevedores shall be held responsible for any breach of the provision of this rule.

**71. Hazardous substances—General Restrictions.**—The handling, transport and stowage within the port limits of all substances classified as hazardous (as defined in the recommendations of the United Nations' Committee of experts on Transport of Dangerous goods, which met at Geneva in August, 1954) or merit classification as such by virtue of their characteristic properties shall be subject to such restrictions and conditions, as the Deputy Port Conservator may, from time to time, impose.

**72. Use of the Gear and Other Articles Provided by the Port.**—(1) All cargo handling gear and other articles provided by the port shall, when no longer required, be returned to the stores depot of the port and shall not be left lying in the quays or roads.

(2) Masters and owners of vessels and stevedores shall be charged hiring fees on all such articles from the date of requisition till its return to the stores depot.

(3) All articles not provided by the port shall be removed from the quays or roads within two hours after the job for which they are brought is finalised, and in default removal job shall be effected by the Traffic Manager and the master or owner of the vessel or stevedore or any other person to whom such gear belongs shall be liable for all the expenses incurred in such removal.

**73. Arms.**—(1) The master, owner or agent of every vessel entering the port and having on board as import cargo for discharge, package containing arms and ammunitions shall as soon as possible after arrival in the port furnish to the Traffic Manager a complete list of all such packages.

(2) After discharge, such packages shall be handed over by the master into the direct charge of the shed foreman, who shall grant a receipt therefor in the specified form and shall immediately lock up the packages in the transit shed.

(3) The external condition of all packages containing arms and ammunitions shall be carefully examined before a receipt is given therefor and any matter which calls for special mention shall be entered in the remarks column.

(4) Packages containing arms and ammunitions shall under no circumstances be discharged from a vessel at night.

(5) The port authorities shall not in any way be responsible or liable for any packages containing arms and ammunitions discharged from a vessel otherwise than in strict conformity with this rule.

(6) The port may exempt any vessel or line of vessel from the provision of this rule for such period as the Conservator may think fit.

**74. Ammunition and Explosives.**—The master of any vessel arriving in the port with ammunition or explosives, other than

fireworks etc, forming part of the ship's equipments of distress signals, or over 45 Kgs. of (100 lb.) in weight of gun powder, on board as cargo, shall display a red flag B of the International Code at the fore during day time, and between sunset and sunrise shall exhibit a red light at the fore so long as the ammunition, explosives or gunpowder are on board within the limits of the port.

**75. Landing of Explosives or other Dangerous Cargo.**—(1) No package containing gun powder or other explosives or any dangerous cargo shall be landed within the limits of the port without the previous permission of the Collector of Customs and the Deputy Conservator and in the landing or shipment thereof all rules made under any enactment in this behalf and also any other directions made or given by port authorities from time to time for carrying into effect such rules or to ensure safety shall be rigidly adhered to and observed.

(2) (a) Every vessel while loading, discharging or handling explosives or cased dangerous petroleum shall bank all fires and store them up only when when explosives or cased dangerous petroleum are not being loaded, discharged, or handled and only when hatches containing explosives or cased dangerous petroleum are completely closed.

(b) All ventilators to the stock hold shall be carefully attended and properly trimmed and windsails shall be rigged to the stock hold to prevent any pocket of gas accumulating in vessels which have any cased dangerous petroleum on board.

#### PART V—DISCHARGE AND SHIPMENT OF FUEL OIL AND NON-DANGEROUS PETROLEUM

**76. Discharge of Fuel Oil in Bulk.**—Vessels carrying petroleum in bulk shall observe the provisions of the Petroleum Rules, 1937, and the rules made under any enactment in this behalf and also any other directions made or given by the Deputy Conservator from time to time for carrying into effect such rule or to ensure safety.

**77. Bunkering of petroleum fuel oil.**—Bunkering of vessels with petroleum fuel oil in the port barges and tank vehicles shall be permitted subject to the following conditions, namely:—

(a) during all such time as any vessel is receiving fuel into her bunkers, the master or first mate of such vessel is present on board and he shall see that the provision of these rules are complied with and that all reasonable precautions for safety are observed.

(b) a ship's officer shall be on watch and an attendant of the oil company supplying the bunkers shall be stationed alongside the flexible connecting pipe while bunkering is in progress.

(c) no smoking, cooking, naked lights or forges shall be allowed on the vessel's decks while bunkering is in progress.

(d) a suitable gutter or other contrivance shall be placed under the connecting service pipe to prevent any oil from dripping on the wharf or into the port basin.

(e) masters and owners of vessels receiving fuel oil and suppliers of fuel oil for bunkering shall jointly and severally be held liable for any damage caused to any property belonging to the port or cargo in charge of the Traffic Manager by any defect in or failure of the apparatuses or appliances of the vessels or the suppliers.

(f) no cargo other than steel plates, iron rails, and similar goods unaffected by oil, shall be allowed on the wharf within fifty feet of the oil stand pipes, and shed doors immediately behind them shall be kept closed while bunkering is in progress.

(g) before bunkering commences, the attendant shall see that the telephone connection to the oil company's depot is in working order.

## PART VI—FIRE AND LIGHTS

78. Smoking etc.—Smoking and the use of any unprotected fire or light in any shed or warehouse within the port is strictly prohibited and no person shall smoke or ignite lucifer matches or other inflammable articles on any pier or quay or on board any vessel within the port, except in such places as may be allotted for the purpose.

79. Fires and lights.—(1) No vessel shall be fumigated except at a place appointed by the Deputy Conservator for the purpose.

(2) Pitch or dammer shall not be heated on board of vessels within the port; but in a boat alongside or astern nor shall spirits shall be drawn off on board such vessels by candle or other unprotected artificial lights.

(3) Vessels, while loading cotton, shall not have any unprotected lights in the hold.

(4) When gunpowder, ammunition or other explosives exceeding 45 kgs. (100 lb) in weight are being shipped on or discharged from any vessel within the limits of the port, no fires, lights or smoking shall be permitted on board except as provided in the Explosive Rules, 1940.

80. Accessibility of vessels to port and police officials.—Vessels in port shall allow free access to the port and police officials for inspection purposes in regard to fires and lights wherever demanded and no person shall disobey the orders of any police officer or watchman for extinguishing any fire or light used in contravention of these rules.

## PART VII—MISCELLANEOUS

81. Quays etc. and port area to be under the authority of the Traffic Manager.—(1)(a) The quays, sheds, gates and other areas within the limits of the port shall be under the charge of the Traffic Manager, who shall direct and manage all operations connected with the landing and shipping of goods, and their storage either in the sheds or in the open.

(b) The Traffic Manager shall have proper custody of all goods lying in the port and take such steps as may be necessary for the proper maintenance of order within the port.

(2)(a) No person shall enter any port area without a permit or token issued to him by or under the authority of the Traffic Manager, such permit or token shall on demand by a police officer or any port officer, duly empowered in that behalf be produced for inspection.

(b) No person shall allow any other person to use any permit or token issued to him as aforesaid.

(c) Any permit or token issued to any person and allowed by him to be used by another shall be liable to be confiscated and cancelled.

82. Regulation of working hours of the various sections of the port.—The hours during which work may be carried on in each of the several section into which for traffic working purposes, the port premises are divided shall be notified by the Traffic Manager, from time to time, by means of notices posted in the sections concerned, and no work shall be done, within the port premises outside the working hours so notified, except with the permission in writing of the Traffic Manager.

83. Night and holiday work.—Applications for work at night or on Sundays or holidays shall be made to the Traffic Manager, who on production of the necessary permission from the Customs Department shall make necessary arrangements for the proper conduct thereof and work on such days and at night shall be subject to the payment of special charges specified for the purpose.

Explanation.—Holidays for the purpose of this rule shall be those notified by the Conservator from time to time.

84. Entry into the port.—The entrance gates and wicket gates of the port shall be kept open during the hours specified therefor by the port authorities and ingress and egress

by these gates at any other time shall be only to persons holding special passes issued for this purpose by the Traffic Manager.

85. Sites set apart for dock labourers and boatmen to obtain food.—Certain sites shall, from time to time, be set apart as occasion may require, by order of the Traffic Manager at his discretion to enable boatmen or Dock Labourers to obtain their food and all persons bringing such food shall be restricted to these sites and the pathways leading thereto, and therefrom, which shall be indicated by notice-boards.

86. Licensed carpenters to be allowed in the sheds for opening and repairing cases.—The Traffic Manager shall grant of licences to persons qualified to work as carpenters in the port for opening and repairing cases at the instance of the owners thereof, and no persons other than those licensed as such shall be allowed to carry into the port any tools or other instruments used for such purposes.

87. Issue of licences to hawkers.—No person shall hawk or sell goods within the port or on board any vessel within the port without a licence from the Traffic Manager and for this purpose, the Traffic Manager may issue licences to person which shall be renewable yearly; provided that such person shall obtain the prior approval in writing of the Collector of Customs and that such licence shall not entitle the holder to go on board any vessel in the port without the permission of the master, owner or agency of such vessel.

88. Removal of trucks and hand-barrows out of port.—(1) Trucks and hand-barrows loaded with goods and not taken out of the port immediately shall be liable to removal by the Traffic Manager at the risk and expenses of the owner of the goods.

(2) Trucks and hand-barrows belonging to merchants and others and left lying at the port shall be liable to removal and confiscation by the Traffic Manager.

89. Destruction of or damage to any of the port property.—Any person who cuts, defaces, or damages any mooring, rope-chain, lifebuoy, life line or life saving appliance or any buoy, buoy-rope or cable belonging to any anchor within the port channel or entrance or in the port shall, without prejudice to any penalty to which he may be liable under any other law, be liable to pay the amount of damage, repair and recovery.

90. Obstruction etc. to officers.—No person shall molest, assault, resist, hinder, obstruct, impede, or interrupt, or offer or attempt to molest, assault, hinder obstruct, impede or interrupt any employee of the port in the performance of his functions, or disobey his lawful orders, or use abusive or offensive language or aid or incite others to do any of these things.

91. Plying of vehicles.—Motor lorries or other vehicles for the conveyance of goods shall not be driven along or upon any of the road, wharves or quays within the port or be admitted into or allowed in the port without a licence issued in this behalf by the Traffic Manager and except in accordance with the following conditions namely :—

(i) Such vehicles shall conform, in all respects, to the provisions of the Motor Vehicles Act, 1939 (4 of 1939), and the rules made thereunder;

(ii) Such vehicle shall not be left unattended;

(iii) Such vehicles shall ordinarily ply on the recognised roads in the port; but may however be permitted on the wharves, intransit sheds and upon open storage spaces for the purposes of loading or unloading subject to control by the port and police officers;

(iv) Such motor, lorries or vehicles, when entering or leaving the port, shall stop at the port gates until permission to pass has been obtained from the port authorities or Customs Officer, or both on duty at the gates and the driver thereof shall on

demand produce for inspection the licence permitting the lorry or vehicle to enter the port;

- (v) no such vehicle shall be allowed to remain within the port longer than shall, in the opinion of the Traffic Manager, be necessary for the purpose of loading or unloading goods, and also shall not loiter and ply for hire;
- (vi) no such vehicle shall fill their tanks with petrol or other fuel within the port without a special permit from the Traffic Manager;
- (vii) the licence granted to any vehicle under this rule may, if the circumstances so require, be revoked by the Traffic Manager at any time after the holder of the licence has been given a reasonable opportunity for showing cause as to why the licence should not be revoked and on such revocation the proportionate fee in respect of the unexpired portion of the period of licence, if any, may be refunded on written application being made by the licensee in this behalf.

92. Offer of fees or gratuity.—No fee, gratuity or reward shall be offered to any officer or servant of the port, who is forbidden on pain of disciplinary action to receive any such fee, gratuity or reward.

93. Signals.—(1) All necessary signals may be made by the vessels by using the International Code of signals and they shall be acknowledged by the answering pendant being hoisted at the signal station mast-head.

(2) Communications by Morse and Seampore codes may be made to the Port Signal Station, using flag 'Z' during the day and flashing 'Z' at short intervals at night to call up station.

94. Bad Weather arrangements.—During the prevalence of adverse or threatening weather, the master of every vessel in the port shall attend to the following directions, namely :

- (a) he shall not be absent from his vessel between sunset and sunrise.
- (b) he shall keep his vessel ready in all respects to proceed to sea at short notice, and if this is not possible for him, he shall communicate the fact at once to the Deputy Conservator;
- (c) on the hoisting of the danger signal, he shall take all measures for the safety of his vessel, as no further instructions may be furnished by the port authorities.

95. Compliance of certain Rules.—All vessels arriving in the port shall, during their stay and while departing from the port must comply with the provisions of the Indian Port Health Rules, 1955.

[No. F. No. PGL-38/74]

M. R. GATHWAL, Under Secy.

### सूचना और प्रसारण मंत्रालय

#### शुद्धिपत्र

नई दिल्ली, 4 मार्च, 1977

सांकांनि० 500.—इस मंत्रालय की 8 नवम्बर, 1976 की अधिसूचना में 'डिस्चार्ज राइडर' शब्दों के स्थान पर 'स्कूटर ड्राइवर' शब्द पड़े जायें।

[फा० सं० 501/4/76-टी० 5]

राम किशोर गुप्त, अवर सचिव

### MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING CORRIGENDUM

New Delhi, the 4th March, 1977

G.S.R. 500.—For the words 'Despatch Riders' occurring in this Ministry's Notification dated the 8th November, 1976 may be read as "Scooter Drivers".

[F. No. 501/4/76-TV]

R. K. GUPTA, Under Secy.

### अभ्यन्तर मंत्रालय

नई दिल्ली, 26 मार्च, 1977

सांकांनि० 501.—खान अधिनियम, 1952 (1952 का 35) की धारा 59 की उपधारा (1) द्वारा अपेक्षित के अनुसार कोयला खान विनियम, 1957 में और संशोधन करने के लिये कतिपय विनियमों का प्रारूप भारत के राजपत्र, भाग-2, खण्ड 3, उपखण्ड (i), तारीख 27 मार्च, 1976 के पृष्ठ 912-913 पर, भारत सरकार के अभ्यन्तर मंत्रालय की अधिसूचना संख्यां सांकांनि० 463, तारीख 4 मार्च, 1976 के अन्तर्गत प्रकाशित किया गया था और ऐसे सभी व्यक्तियों से जिनकी उन संशोधनों से प्रभावित होने की संभावना थी, आक्षेप और सुझाव उक्त अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से तीन मास की अवधि समाप्त होने पर्यन्त मांगे गये थे;

और उक्त राजपत्र जनसाधारण को 27 मार्च, 1976 को उपलब्ध करा दिया गया था;

और उक्त प्रारूप पर जनसाधारण से प्राप्त आक्षेपों और सुझावों पर केन्द्रीय सरकार ने विचार किया है;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 57 द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, उक्त प्रारूप को उक्त अधिनियम के अधीन गठित खान बोर्डों को निर्देशित करने के पश्चात् और ऐसे बोर्डों को उक्त संशोधन करने की समीचीनता तथा उनके उपयुक्तता की वास्तव रिपोर्ट देने का दायित्व उक्त अवसर प्रदान करने के पश्चात्, जैसा कि उक्त अधिनियम की धारा 59 की उपधारा (4) के अधीन अपेक्षित है, इस अधिसूचना द्वारा कोयला खान विनियम, 1961 में और संशोधन करने के लिये निम्नलिखित विनियम बनाती है, अर्थात् :—

1. (1) इन विनियमों का नाम कोयला खान (संशोधन) विनियम, 1977 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. कोयला खान विनियम, 1957 में,—

(i) विनियम 103 के पश्चात्, निम्नलिखित विनियम अन्तःस्थापित किया जायेगा, अर्थात् :—

"103क—निरीक्षण के दौरान उल्लंघनों को बताना (1) यदि मुख्य निरीक्षक या निरीक्षक को किसी खान के निरीक्षण के दौरान, इस अधिनियम या उसके अधीन बनाये गये विनियमों, नियमों, उप-विधियों या आदेश के किसी उपबन्ध का उल्लंघन मिलता है या उनकी जानकारी में आती है तो वह ऐसे उल्लंघन को, खान में इसी प्रयोजन के लिये प्रारूप 6 में रखे गये अन्तःपत्रित, पृष्ठांकित और जिल्दबन्द रजिस्टर में दर्ज करेगा और खान के स्वामी, अधिकर्ता या प्रबन्धक को भी, यदि वह उस स्थान पर हाज़िर हो, ऐसे उल्लंघन के बारे में बतायेगा। पूर्वोक्त रजिस्टर में प्रविष्टि करने वाला मुख्य निरीक्षक या निरीक्षक, ऐसी प्रविष्टियों पर तारीख सहित सम्पूक्त हस्ताक्षर करेगा और उन प्रविष्टियों की, अपने अभिलेख के लिये, कार्बन-प्रति लेगा :

परन्तु मुख्य-निरीक्षक को ऐसे उल्लंघनों को, जिनकी सर्वेक्षण या अन्य और परीक्षा के पश्चात् पुष्टि प्रपेक्षित है, दर्ज करने की आवश्यकता नहीं है और वह, स्वामी, अधिकर्ता या प्रबन्धक को उन उल्लंघनों की, यदि उनकी पुष्टि हो जाये, और ऐसे अन्य उल्लंघनों की, जो अनवधानता के कारण उपर्युक्त रजिस्टर में दर्ज नहीं किये गये हों, विनिवृष्ट करते हुए सूचना तदन्तर देगा।

(2) स्वामी, अधिकर्ता या प्रबन्धक, पूर्वोक्त रजिस्टर की प्रतिदिन एक बार जाँच-पड़ताल करेगा, और उसमें की प्रत्येक प्रविष्टि को प्रतिदृष्टाक्षरित करेगा। वह ऐसी प्रविष्टियों की प्रतियों, प्रविष्टि की तारीख से तीन दिन के भीतर तैयार करवायेगा और ऐसी एक प्रति को खान-के सूचना पट पर कम से कम पन्द्रह दिन तक संप्रक्षिप्त करेगा। जब प्रपेक्षित हो, स्वामी, अधिकर्ता या प्रबन्धक, प्रविष्टियों की प्रतियाँ, खान कर्मकारों के रजिस्ट्रीकृत व्यापार संघों को और सम्बद्ध राज्य सरकार को भी देगा।

(3) खान का स्वामी, अधिकर्ता या प्रबन्धक, प्रविष्टि की तारीख से पन्द्रह दिन में अनधिक अवधि के भीतर मुख्य-निरीक्षक या निरीक्षक को, जिसने प्रविष्टि की थी, एक प्रति उल्लंघन का उपचार करने के लिये की गई कार्रवाई, और वह तारीख जिसको कार्रवाई की गई थी, दशित करने वाली टिप्पणियों भर्त्ति वापिस कर देगा।

(ii) प्रथम अनुसूची में, प्ररूप 5 के पश्चात् निम्नलिखित प्ररूप अन्तःस्थापित किया जायेगा, अर्थात्:—

“प्ररूप 6

(बिनियम 103क)

खान का नाम—स्वामी—  
प्रबन्धक—सीमा/शाखा प्रावि/भाग/क्षेत्र प्रावि  
तारीख—1974 को  
श्री—के साथ श्री—  
द्वारा निरीक्षित।

निरी- (खा०/प्र०/को०/खा० पाया गया उल्लंघन का उल्लंघन टिप्प-  
क्षित वि०/खा०/नि० की धारा/ उल्लंघन उपचार करने की परि- नियाँ यदि  
स्थान खण्ड/ के लिये प्रबंध- शुद्धि की कोई हो  
संख्या, प्रावि) तत्काल की तारीख  
गई कार्रवाई

उपर वर्णित उल्लंघन सम्पूर्ण नहीं है। जो अन्य उल्लंघन मिले उनका  
ब्योरा बाद में पत्र में दिया जायेगा।

निरीक्षण अधिकारी के निरीक्षण अधिकारी के साथ मौजूद  
हस्ताक्षर (नि०प्र०) खान अधिकारी के हस्ताक्षर  
तारीख तारीख  
पदनाम पदनाम

[सं० एन० 11016/11/74-एम०आई० (i)]

(संशोधन सं० 27)

## MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 26th March, 1977

G.S.R. 501.—Whereas certain draft regulations further to amend the Coal Mines Regulations, 1957 were published as required by sub-section (1) of section 59 of the Mines Act, 1952 (35 of 1952), at pages 913 to 914 of the Gazette of India Part II—Section 3, Sub-section (i), dated the 27th March, 1976, under the notification of the Government

India in the Ministry of Labour No. G.S.R. 463 dated the 4th March, 1976, inviting objections or suggestions from all persons likely to be affected thereby, till the expiry of a period of three months from the date of publication of the said notification in the Official Gazette;

And whereas the said Gazette was made available to the public on the 27th March, 1976;

And whereas the objections and suggestions received from the public on the said draft have been considered by the Central Government;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 57 of the said Act, the Central Government, after referring the said draft to the Mining Boards constituted under the said Act and after giving such Boards a reasonable opportunity of reporting as to the expediency of making the said amendments and as to the suitability thereof, as required by sub-section (4) of section 59 of the said Act, hereby makes the following regulations further to amend the Coal Mines Regulations, 1957, namely:—

1. (1) These regulations may be called the Coal Mines (Amendment) Regulations, 1977.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Coal Mines Regulations, 1957,—

(i) after regulation 103, the following regulation shall be inserted, namely:—

“103A. Pointing out of contraventions during inspections.—

(1) If the Chief Inspector or an Inspector, during his inspection of any mine, finds or comes to know of any contravention of any provisions of Act or the regulations, rules, bye-laws or orders made thereunder, he shall enter such contravention in an inter leaved, paged and bound register kept for the purpose at the mine, in Form VI and shall also point out such contravention to the owner, agent or manager, if present on the spot. The Chief Inspector or the Inspector making the entry in the Register aforesaid shall duly sign such entries with date, and take a carbon copy of the entries for his record:

Provided that the Chief Inspector or the Inspector need not enter such contraventions which require confirmation after a survey or other further examination and he may subsequently intimate the owner, agent or manager, specifying the contraventions, if confirmed, and also any other contraventions which were, by inadvertance, not entered in the register aforesaid.

(2) The owner, agent or manager shall check the aforesaid register once every day and countersign each entry therein. He shall get copies of such entries made out with three days of the date of entry display one such copy on the notice board of the mine for a period of at least fifteen days. When so required, the owner, agent or manager shall also supply copies of the entries to the registered trade unions of workers in the mine and to the State Government concerned.

(3) The owner, agent or manager of the mine shall return one copy, within a period not exceeding fifteen days from the date of the entry, to the Chief Inspector or the Inspector who made the entry with remarks thereon showing the action taken to remedy the contravention and the date on which such action was taken”;

(ii) In the First Schedule after Form V, the following Form shall be inserted, namely :—

Page No. \_\_\_\_\_

'FROM VI

(Sec regulation 103)

Name of mine \_\_\_\_\_ Owner \_\_\_\_\_ Manager \_\_\_\_\_  
 \_\_\_\_\_ Seam/vein etc. Section/area etc. \_\_\_\_\_  
 Inspected by \_\_\_\_\_ Accompanied by Shri \_\_\_\_\_ on \_\_\_\_\_  
 \_\_\_\_\_ 197

Places inspec- ted	Mines Act/ Coal Mines Regula- tions/ Mines Rules/ Section/ Clause/ number etc.	Contra- vention observed	Action taken by manage- ment to remedy the con- traven- tion	Date of rectifica- tion of the con- traven- tion.	Remarks if any.
--------------------------	--	--------------------------------	---	--	--------------------

The contraventions mentioned above are not exhaustive. A letter giving the details of other contraventions observed may follow in due course.

Signature of Inspecting Officer (I.O.) \_\_\_\_\_ Date \_\_\_\_\_ Designation. \_\_\_\_\_  
 Signature of Mine Official \_\_\_\_\_ Date \_\_\_\_\_ Designation. \_\_\_\_\_

(Amendment No. 27).

[No N. 11016/11/74-MI (I)]

सां. कां. निं. 502.—खान अधिनियम, 1952 (1952 का 35) की धारा 59 की उपधारा (1) द्वारा अपेक्षित के अनुसार धातुत्पादक खान विनियम, 1961 में और संशोधन करने के लिए कतिपय विनियमों का प्रारूप भारत के राजपत्र, भाग 2, खण्ड 3, उपखण्ड (i), तारीख 27 मार्च, 1976 के पृष्ठ 914-915 पर, भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्यांक सां. कां. निं. 464, तारीख 4 मार्च, 1976 के अन्तर्गत प्रकाशित किया गया था और ऐसे सभी व्यक्तियों से, जिनकी उम्र संशोधनों से प्रभावित होने की संभावना थी, आशेष और सुझाव उक्त अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से तीन मास की अवधि समाप्त होने पर्यन्त मांगे गए थे ;

और उक्त राजपत्र जनसाधारण को 27 मार्च, 1976 को उपलब्ध करा दिया गया था ;

और उक्त प्रारूप पर जनसाधारण से प्राप्त आशेषों और सुझावों पर केन्द्रीय सरकार ने विचार किया है ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 57 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, उक्त प्रारूप को उक्त अधिनियम के अधीन गठित खान बोर्डों को निर्देशित करने के पश्चात् और ऐसे बोर्डों को उक्त संशोधन करने की समीचीनता तथा उनकी उपयुक्तता की बाबत रिपोर्ट देने का मुक्तियुक्त अवसर प्रदान करने के पश्चात् जैसा कि उक्त अधिनियम की धारा 59 की उपधारा (4) के अधीन अपेक्षित है, इस

अधिसूचना द्वारा धातुत्पादक खान विनियम, 1961 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित विनियम बनाती है, अर्थात् :—

1. (1) इन विनियमों का नाम धातुत्पादक खान (द्वितीय संशोधन) विनियम, 1977 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. धातुत्पादक खान विनियम, 1961 में,—

(i) विनियम 108 के पश्चात्, निम्नलिखित विनियम अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“108क—निरीक्षण के दौरान उल्लंघनों की बताना

(1) यदि मुख्य निरीक्षक या निरीक्षक को किसी खान के निरीक्षण के दौरान, इस अधिनियम, या उसके अधीन बनाए गए विनियमों, नियमों, उपविधियों या आदेश के किसी उपबन्ध का उल्लंघन मिलता है या उसकी जानकारी में आती है तो वह ऐसे उल्लंघन को, खान में इसी प्रयोजन के लिए प्ररूप 6 में रखे गए अन्तः पश्चित, पृष्ठांकित और विश्ववन्द रजिस्टर में दर्ज करेगा और खान के स्वामी, अभिकर्ता या प्रबन्धक को भी, यदि वह उस स्थान पर हाजिर हो, ऐसे उल्लंघन के बारे में बताएगा। पूर्वोक्त रजिस्टर में प्रविष्टि करने वाला मुख्य निरीक्षक या निरीक्षक, ऐसी प्रविष्टियों पर तारीख सहित सम्मकतः हस्ताक्षर करेगा और उन प्रविष्टियों की, अपने अभिलेख के लिए, कार्बन-प्रति लेगा ;

परन्तु मुख्य-निरीक्षक को ऐसे उल्लंघनों को, जिनकी सर्वेक्षण या अन्य और परीक्षा के पश्चात् पुष्टि अपेक्षित है, दर्ज करने की आवश्यकता नहीं है और वह, स्वामी अभिकर्ता या प्रबन्धक को उन उल्लंघनों की, यदि उनकी पुष्टि हो जाए, और ऐसे अन्य उल्लंघनों की, जो अन्तः-बताना के कारण उपर्युक्त रजिस्टर में दर्ज नहीं किए गए हों, विनिश्चित करते हुए सूचना तदनन्तर देगा।

(2) स्वामी, अभिकर्ता या प्रबन्धक, पूर्वोक्त रजिस्टर की प्रति-दिन एक बार जांच-पड़ताल करेगा, और उसमें की प्रत्येक प्रविष्टि को प्रतिहस्ताक्षरित करेगा। वह ऐसी प्रविष्टियों की प्रतियों, प्रविष्टि की तारीख से तीन दिन के भीतर तैयार करवाएगा और ऐसी एक प्रति को खान के सूचना-पट पर कम से कम पन्द्रह दिन तक संप्रदर्शित करेगा। जब अपेक्षित हो, स्वामी, अभिकर्ता या प्रबन्धक, प्रविष्टियों की प्रतियां, खान-कर्मचारियों के रजिस्ट्रीकृत व्यापार-संश्लेषों को और सम्बद्ध राज्य सरकार को भी देगा।

(3) खान का स्वामी, अभिकर्ता या प्रबन्धक, प्रविष्टि की तारीख से पन्द्रह दिन में अनधिक अवधि के भीतर मुख्य-निरीक्षक या निरीक्षक को, जिसने प्रविष्टि की थी, एक प्रति उल्लंघन का उपचार करने के लिए की गई कार्रवाई, और वह तारीख जिसकी कार्रवाई की गई थी, दक्षित करने वाली टिप्पणियों सहित वापस कर देगा।”

(ii) प्रथम अनुसूची में, प्ररूप 5 के पश्चात्, निम्नलिखित प्ररूप अन्तः-स्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

"प्रसू 6

(विनियम 108 क देखिए)

खान का नाम-----स्वामी-----प्रबन्धक-----

सीमा/शाखा प्रादि/भाग/क्षेत्र प्रादि-----तारीख-----

1974 को श्री-----के साथ श्री-----द्वारा निरीक्षण

निरीक्षित	(खान/प्रान्त/पाया गया)	उल्लंघन	उल्लंघन	टिप्पणियाँ
स्थान	खान/वि. वि. की धारा/खंड/संख्यांक, प्रादि)	गया	का उपचार करने के लिए प्रबन्धतंत्र द्वारा की गई कार्रवाई	की परिशुद्धि यदि कोई की तारीख हों

ऊपर वर्णित उल्लंघन सम्पूर्ण नहीं हैं। जो अन्य उल्लंघन मिले उनका शीघ्र बाद में पत्र में दिया जाएगा।

निरीक्षण अधिकारी के हस्ताक्षर निरीक्षण अधिकारी के साथ मौखिक खान-प्रबन्धक के हस्ताक्षर (वि. प्र.)

तारीख तारीख-----  
पदनाम पदनाम-----

[सं. एन० 11016/11/74-एम.आई (ii)]

(संशोधन सं० 21)

जे० सी० सक्सेना, अव्वर सचिव

New Delhi, the 26th March, 1977

**G.S.R. 502.**—Whereas certain draft regulations further to amend the Metalliferous Mines Regulations, 1961 were published as required by sub-section (1) of section 59 of the Mines Act, 1952 (35 of 1952), at page 915 of the Gazette of India Part II-Section 3, Sub-section (i), dated the 27th March, 1976, under the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. G.S.R. 464 dated the 4th March, 1976 inviting objections or suggestions from all persons likely to be affected thereby, till the expiry of a period of three months from the date of publication of the said notification in the Official Gazette;

And whereas the said Gazette was made available to the public on the 27th March, 1976;

And whereas the objections and suggestions received from the public on the said draft have been considered by the Central Government;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 57 of the said Act, the Central Government, after referring the said draft to the Mining Boards constituted under the said Act and after giving such Boards a reasonable opportunity of reporting as to the expediency of making the said amendments and as to the suitability thereof, as required by sub-section (4) of section 59 of the said Act, hereby makes the following regulations further to amend the Metalliferous Mines Regulations, 1961, namely:—

1. (1) These regulations may be called the Metalliferous Mines (Second Amendment) Regulations, 1977.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Metalliferous Mines Regulations, 1961,

(i) After regulation 108, the following regulation shall be inserted, namely:—

"108A. Pointing out of contraventions during Inspections.

(1) If the Chief Inspector or an inspector, during his inspection of any mine, finds or comes to know if any contravention of any provisions of the

Act or the regulations, rules, bye-laws or orders and thereunder, he shall enter such contravention in an inter leaved, paged and bound register kept for the purpose at the mine, in Form VI and shall also point out such contravention to the owner, agent or manager, if present on the spot. The Chief Inspector or the Inspector making the entry in the register aforesaid shall duly sign such entries with date, and take carbon copy of the entries for his record:

Provided that the Chief Inspector or the Inspector need not enter such contraventions which require confirmation after a survey or other further examination and he may subsequently intimate the owner, agent or manager, specifying the contraventions, if confirmed, and also any other contraventions which were, by inadvertence, not entered in the register aforesaid.

(2) The owner, agent or manager shall check the aforesaid register once every day and countersign each entry therein. He shall get copies of such entries made out within three days of the date of entry and display one such copy on the notice board of the mine for a period of at least fifteen days. When so required, the owner, agent or manager shall also supply copies of the entries to the registered trade unions of workers in the mine and to the State Government concerned.

(3) The owner, agent or manager of the mine shall return one copy, within a period not exceeding fifteen days from the date of the entry, to the Chief Inspector or the Inspector who made the entry with remarks thereon showing the action taken to remedy the contravention and the date on which such action was taken."

(ii) In the first Schedule after Form V, the following Form shall be inserted, namely:—

Page No.

"FORM VI

(See regulation 108A)

Name of mine ----- Owner ----- Manager -----  
seam/vein etc. Section/Area etc. -----  
Inspected by ----- Accompanied by Shri ----- on ----- 197 .

Places Inspected.	Mines Act/Regulations/Mines Rules/Section/Clause number etc.	Contravention observed	Action taken by Management to remedy the contravention	Date of rectification	Remarks, if any

The contraventions mentioned above are not exhaustive. A letter giving the details of other contravention observed may follow in due course.

Signature of Inspecting Officer (I.O.)

Date

Designation.

Signature of Mine Official

accompanying I. O.

Date

Designation

[No. H. 11016/1.1/74-MI(ii)]  
(Amendment No.21) J.C. Saxena, Under Secy.

## राजस्व और बैंकिंग विभाग

(राजस्व पक्ष)

नई दिल्ली, 9 अप्रैल, 1977

## केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क

सां. कां. निं. 503.—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उप-नियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व और बैंकिंग विभाग) की अधिसूचना सं. 17/70-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क तारीख 1 मार्च, 1970 में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना से उपावय वस्तुओं में मद 12 के स्थान पर निम्नलिखित मद रखी जाएगी, अर्थात् :—

“12. दुग्ध चूर्ण, जिसके अंतर्गत मखनिया दुग्ध चूर्ण भी है किन्तु हममें ऐसा चूर्ण नहीं है जो शिशुओं के पोषण के लिए विशेष रूप से तैयार किया गया है।”

[सं. 45/77 के.उ.०/का. सं. 22/एन/4/76-के.उ.०-1]

## DEPARTMENT OF REVENUE AND BANKING

(Revenue Wing)

New Delhi, the 9th April, 1977

## CENTRAL EXCISE

G.S.R. 503.—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby makes the following further amendments in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue and Insurance) No. 17/70-Central Excise, dated the 1st March, 1970, namely :—

In the Schedule annexed to the said notification, for item 12, the following item shall be substituted, namely :—

“12. Milk powder including Skimmed milk powder but excluding such powder specially prepared for feeding of infants.”

[No. 45/77-CE/F. No. 22/N/47/76-CE. I]

सां. कां. निं. 504.—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उप-नियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व और बैंकिंग विभाग) की अधिसूचना सं. 86/68-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, तारीख 30 अप्रैल, 1968 को अधिकांश करने हुए, निम्नलिखित वस्तुओं को, उन पर केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) के अधीन उद्योगीय सम्पूर्ण उत्पाद शुल्क से छूट देती है :—

1. रेबड़ी
2. पतशा या बतशा
3. मिश्री या तालमिश्री

[अधिसूचना सं. 46/77-के.उ.०/का. सं. 14/56/75-के.उ.०-1]

बी प्रसाद, अवर सचिव

G.S.R. 504.—In exercise of the powers conferred by sub-rule (i) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue and

Insurance) No. 86/68—Central Excises, dated the 30th April, 1968, the Central Government hereby exempts the following articles from the whole of the duty of excise leviable thereon under the Central Excise and Salt Act, 1944 (1 of 1944) :—

1. Rewadi
2. Patasha or Batasha
3. Mishri or Talmishri

[Notification No. 46/77-CE/F. No. 14/56/75 CE. I]

B. PROSAD, Under Secy.

## निर्माण और आवास मंत्रालय

नई दिल्ली, 30 मार्च, 1977

सा. का. नि. 505.—भारत सरकार, निर्माण और आवास मंत्रालय की अधिसूचना संख्या सा. का. नि. 184, दिनांक 27 जनवरी, 1977 जो भारत के राजपत्र के भाग-2, खण्ड-3, उप-खण्ड (1) में पृष्ठ 403 पर 5 फरवरी, 1977 को प्रकाशित की गई है, को एतद्वारा रद्द किया जाता है।

[एफ. सं. 1/62/76-यू. सी. यू.]

## MINISTRY OF WORKS AND HOUSING

New Delhi, the 30th March, 1977

G.S.R. 505.—The notification of the Government of India in the Ministry of Works and Housing No. G.S.R. 184 dated the 27th January, 1977, published at page 403 of the Gazette of India Part II, section 3, sub-section (i) dated the 5th February, 1977, is hereby rescinded.

[F. No. 1/62/76-UCU]

नई दिल्ली, 30 मार्च, 1977

## शुद्धि पत्र

सा. का. नि. 506.—भारत सरकार निर्माण और आवास मंत्रालय की अधिसूचना संख्या सा. का. नि. 183, दिनांक 27 जनवरी, 1977 जो भारत के राजपत्र के भाग-2, खण्ड-3, उप-खण्ड (1) में दिनांक 8 फरवरी, 1977 को पृष्ठ 402 पर प्रकाशित हुई है, की चौथी लाइन में “दसवां संशोधन” के स्थान पर “संशोधन” पढ़ा जाए।

[एफ. सं. 1/62/76-यू. सी. यू.]

## CORRIGENDUM

New Delhi, the 30th March, 1977

G.S.R. 506.—In the notification of the Government of India in the Ministry of Works and Housing No. G.S.R. 183 dated the 27th January, 1977, published at page 402 of the Gazette of India Part II, section 3, sub-section (i) dated the 5th February, 1977, in line 4 of the notification, for “Tenth Amendment” read “Amendment”.

[F. No. 1/62/76-UCU]



## शुद्धि पत्र

## CORRIGENDUM

सा. का. नि. 507.—भारत सरकार, निर्माण और आवास मंत्रालय की अधिसूचना सा. का. नि. सं. 428, दिनांक 14 मार्च, 1977 जो भारत के राजपत्र के भाग-2, खण्ड-3, उपखण्ड (1) में दिनांक 26 मार्च, 1977 को 1175 पृष्ठ पर प्रकाशित हुई है, की आठवीं लाइन में "संशोधन" के स्थान पर "दूसरा संशोधन" पढ़ा जाए।

[एफ. सं. 1/62/76-यू. सी. यू.]

एस. महादेव अय्यर, उप सचिव

**G.S.R. 507.**—In the notification of the Government of India in the Ministry of Works and Housing No. G.S.R. 428 dated the 14th March, 1977, published at page 1175 of the Gazette of India, Part II, section 3, sub-section (i), dated the 26th March, 1977, in line 8 of the notification, for "Amendment" read "Second Amendment".

[F. N. 1/62/76-UCU]

S. MAHADEVA, AYYAR, Dy. Secy.

